महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, प्रयागराज

द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्ट

कार्यक्रम प्रतिवेदन

(दिनांक 12/08/2024 से 12/02/2026 तक)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज–211021

*वेबसाइट : **www.uprtou.ac.in***

कुलगीत

सद्ज्ञान तीर्थ पावन नगरी यही सुहाती।

सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।।

शिक्षा जगत पुरोधा आदर्श राष्ट्र–नायक।

हिन्दी प्रबल समर्थक सद्भावना विधायक।।

यह मुक्त पीठ अनुपम राजर्षि जिसकी थाती।

सबके लिए सुशिक्षा ————————।।

संगम मनीषियों की चिन्तन धरा मनोहर।

भगवान राम अपने दीक्षित हुए यहीं पर।।

विज्ञान, धर्म, दर्शन के मंत्र को जगाती।

सबके लिए सुशिक्षा ————————।।

गंगा, सरस्वती माँ, यमुना की वाग्धारा।

स्वाध्याय, स्वावलम्बन, मंथन पुनीत नारा।।

मंगलमयी उषा से सबका हृदय खिलाती।

सबके लिए सुशिक्षा ————————।।

उत्तर प्रदेश व्यापी अध्ययन केन्द्र न्यारे।

दूरस्थ ज्ञान पद्धति आधार हैं हमारे।।

विद्या प्रसार माध्यम संचार तंत्र पाती।

सबके लिए ——————————।।

सत्कर्म, मुक्त चिंतन, आदर्श पथ चलें हम।

ज्ञानी बनें, गुणी हों, मंजिल पहुँच के लें दम।।

जीवन जगत् समुज्ज्वल का सूत्र नित सिखाती।

सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।

माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रमुख सूत्र वाक्य

''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ''

''गुरुकुल से छात्रकुल तक''

''शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक''

''सबको शिक्षा, सबको ज्ञान''

''जब भी चाहें प्रवेश पाएँ,
घर बैठे अध्ययन सामग्री पाएँ''

''स्टूडेन्ट इज द किंग''

''क्लीन कैम्पस, ग्रीन कैम्पस''

प्राक्कथन
Foreword

महान स्वततंत्रता सेनानी, भारत रत्न राजर्षि टण्डन पुरुषोत्तम दास टण्डन जी की स्मृति में स्थापित 'उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज' उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का एकमात्र प्रादेशिक मुक्त विश्वविद्यालय है। पतित पावनी गंगा, श्याम सलिला यमुना तथा अन्तः सलिला सरस्वती के संगमस्थल प्रयागराज में 1998 ई0 में स्थापित यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में शैक्षिक गुणवत्ता को सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करते हुए निरन्तर उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

सम्प्रति, यह विश्वविद्यालय अपने लगभग 1500 अध्ययन केन्द्रों व 12 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से 15 शोध विषयों सहित 87 शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इस वर्ष प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की पहुंच को व्यापक बनाने के लिए अनेक नये अध्ययन केन्द्र भी खोले गए हैं। वर्तमान में इस विश्वविद्यालय में लगभग 1 लाख 80 हजार शिक्षार्थी नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय को इस वर्ष 12बी के स्टेटस प्राप्ति के साथ–साथ एन.आई.आर.एफ. में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। हमारे विश्वविद्यालय के सभी स्नातक और परास्नातक कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के अनुसार अद्यतन रूप में संचालित हैं तथा पूर्णतया समर्थ पोर्टल के माध्यम से नामांकन प्रक्रिया गतिमान है। शिक्षार्थियों को प्रदान की जाने वाली स्व अध्ययन सामग्री में विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है। अब सभी कार्यक्रमों की पाठ्य सामग्री डिजिटल रूप में विश्वविद्यालय की वेबसाइट से भी डाउनलोड की जा सकती है। आनलाइन अधिगम संसाधन की दिशा में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय स्वयं प्रभा चैनल–14 के लिए प्रथम चक्र में स्वीकृति प्राप्त 12 शैक्षिक पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित लगभग 400 लेक्चर्स की रिकार्डिंग करवा रहा है।

राष्ट्र के विकास में महिलाओं की अहम् भूमिका को स्वीकार करते हुए उनकी क्षमताओं एवं योगदान का सम्मान किया जाना आवश्यक है, जिसके लिए समाज में महिलाओं के स्थान को सुदृढ़ करने के लिए उन्हें स्वावलंबी और शिक्षित बनाना शिक्षण संस्थाओं का उत्तरदायित्व है। मा0 कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल आदरदणीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के मार्गदर्शन पर महिलाओं को सामाजिक एवं राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने तथा उनमें वित्तीय एवं न्यायिक सुरक्षा प्राप्त करने की सामर्थ्य विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय में 'महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र' की स्थापना की गयी है। यह केन्द्र विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक बनाने एवं प्रेरित करने हेतु प्रयासरत है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नामांकन लक्ष्य की पूर्ति के लिए, विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है और राज्य के असेवित क्षेत्रों और ग्रामीण महिलाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने गोद लिए गांवों में स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों और विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं और विजेताओं को पुरस्कृत करने का प्रावधान किया गया है। महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से हम ग्रामीण महिलाओं के कौशल को पहचानने और उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए बाल बिकास एवं पोषण पर आधारित पाठ्यक्रम का निर्माण कर उसे लागू किया है, विश्वविद्यालय द्वारा इसकी स्वअधिगम सामग्री का निर्माण भी किया गया है। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं की आन्तरिक प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए गत वर्ष विश्वविद्यालय में हस्तशिल्प मेले का आयोजन भी किया गया।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के प्रतिवेदन को तैयार करने में निःसन्देह ही काफी तन्मयता एवं लगनशीलता की आवश्यकता होती है। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने इसे तैयार करने में अपने दायित्वों के निर्वहन का यथासंभव प्रयास किया है। मैं इस प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को साधुवाद देता हूं जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से इसे मूर्त रूप प्रदान किया है।

आचार्य सत्यकाम

कुलपति

आमुख

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक दायित्वों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रारंभ से ही सजग रहा है। इसी क्रम में सचिवालय के पत्र संख्या ई–3354/जी.एस. दिनांक 28 मई 2021 के अनुपालन में विशेष रुप से महिला उत्थान संबंधी गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के संचालन हेतु विश्वविद्यालय में दिनांक 10 जून 2021 को महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गयी। जिसके अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलम्बन आदि को दिशा में प्रेरित करना तथा उन्हें परम्परागत सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध जागरूक करना है, ताकि उन्हें अपने जीवन–विकास के समान अवसर मिल सके। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम के निर्देशानुसार दिनांक 12 अगस्त 2024 को केन्द्र का पुर्नगठन किया गया।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत निकटवर्ती गाँवों में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए तथा तकनीकी संसाधनों के प्रयोग के प्रति उनमें जागरुकता लाने और सामाजिक कुप्रथाओं के विरूद्ध उन्हे सजग करने के लिए अनेक जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

इसी क्रम में पुर्नगठित केन्द्र का प्रथम कार्यक्रम विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया ऑगनबाड़ी केन्द्र में दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अन्तर्गत सितम्बर माह में 'साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम' के रुप में आयोजित किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वर्ष 2024 में होने वाले 19वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व में दीक्षोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके सफल आयोजन में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय के विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिये गॉवों के आंगवाड़ियों एवं उन गॉवों में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षारत विद्यार्थियों के बीच अलग–अलग प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया, जिसमें महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

केन्द्र के तत्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न ऑगनबाड़ियों में दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा 101 वाहिनी द्रुत कार्य बल, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 28 नवम्बर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में आयोजित किया गया।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कन्द्रों (आजमगढ़, झाँसी, कानपुर, गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ) पर दिनांक 27 एवं 28 फरवरी 2025 को भाषण एवं नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता में विजित सभी प्रतिभागियों को एवं विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में दिनांक 01 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय स्तर प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों के मध्य सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षेत्रों में जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहारा, सोरांव में कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 07 मार्च 2025 को किया गया।

15 मई, 2025 को ''योगा फॉर हेल्थ'' का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहारा, सोरांव में कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि के संयुक्त तत्वावधान से किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के वैश्विक थीम ''एण्डिंग प्लास्टिक पॉयूलनशन गोल्बली'' कार्यक्रम दिनांक 05 जून, 2025 को आयोजित किया गया तथा दिनांक 27 जून 2025 को कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 20वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षोत्सव कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 11–13 अगस्त 2025 तक किया गया। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विद्याशाखाओं के माध्यम से गोद लिये गॉवों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संचालन एवं वहाँ की भिन्न–भिन्न ऑगनबाड़ियों में जाकर ऑगनबाडियों की कार्यकत्रियों के सहयोग से विभिन्न प्रकार के जागरुकता कार्यक्रम के प्रतिपादन के साथ–साथ गोद लिये गॉवों में संचालित प्राथमिक, पूर्वमाध्यमिक विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करके उनकी प्रतिभाओं को विश्वविद्यालयीय मंच के माध्यम से प्रदेश भर में प्रदर्शित करने का प्रयास किया।

दिनांक 18 सितम्बर 2025 को कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र वर्ष भर महिलाओं के विकास से जुड़े कार्यक्रमो का आयोजन करता रहता हैं। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ग्रामीण महिलाओ के उत्थान संबंधी विभिन्न गतिविधियों को नूतन आयाम देने हेतु प्रतिबद्ध है।

प्रो0 श्रुति
प्रभारी
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के प्रभारी एवं सदस्यगण

प्रो. श्रुति
प्रभारी

प्रो. आनन्दानन्द त्रिपाठी
सह–प्रभारी

डॉ. साधना श्रीवास्तव
सहायक–प्रभारी

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी
सहायक–प्रभारी

डॉ. स्मिता अग्रवाल
सदस्य

डॉ. अतुल कुमार मिश्रा
सदस्य

डॉ. दीपा चौबे
सदस्य

श्री राजेश गौतम
सदस्य

डॉ. अनिल कुमार यादव
सदस्य

डॉ. दीपमाला गुप्ता
सदस्य

डॉ. धर्मवीर सिंह
सदस्य

डॉ. आर.पी. सिंह
सदस्य

डॉ. अब्दुल रहमान
सदस्य

डॉ. सफीना सामवी
सदस्य

श्री अंकित मिश्रा

श्री अमित शर्मा

प्रतिवेदन अनुक्रमणिका

प्राक्कथन
आमुख

1. साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम, दिनांक 04 सितम्बर, 2024
2. दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम, दिनांक 11 सितम्बर 2024
3. स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम, दिनांक 28 सितम्बर, 2024
4. शिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम, दिनांक 28 नवम्बर 2024
5. भाषण एवं नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिता कार्यक्रम, दिनांक 01 मार्च 2025
6. पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम, दिनांक 07 मार्च 2025
7. "Yoga for One Earth One Health" कार्यक्रम, दिनांकः 15 मई, 2025
8. पर्यावरण दिवस कार्यक्रम 05 जून 2025
9. वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम, 27 जून 2025
10. दीक्षांत समारोह एवं दीक्षोत्सव कार्यक्रम दिनांक 11 से 13 अगस्त 2025
11. वृक्षारोपण कार्यक्रम, 18 सितम्बर 2025

परिशिष्ट–

1. महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के पुर्नगठित की अधिसूचना।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र एवं अन्य विद्याशाखाओं के संयुक्त तत्तवावधान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण

क्र. सं.	कार्यक्रम विवरण	
1.	**कार्यक्रम नाम :** साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम **आयोजन तिथि :** 04 सितम्बर 2024 **आयोजन स्थल :** मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाडी केन्द्र **आयोजक :** महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **मुख्य अतिथि :** श्रीमती सीमा सत्यकाम **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह संयोजक :** डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. साधना श्रीवास्तव , सहा0 प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह आयोजन सचिव एवं मुख्य वक्ता :** डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहा0 प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
2.	**कार्यक्रम नाम :** दीक्षांत समारोह एवं दीक्षोत्सव कार्यक्रम **आयोजन तिथि :** दिनांक 11 सितम्बर 2024 **आयोजन स्थल :** अटल प्रेक्षागृह विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर **आयोजक :** महिला अध्ययन विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र एवं प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा **कार्यक्रम सहयोगी :** महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सह प्रभारी, सहायक प्रभारी एवं समिति के समस्त सदस्यगण
3	**कार्यक्रम नाम :** स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रमः ''स्वच्छता ही सेवा'' **आयोजन तिथि :** 28 सितम्बर 2024 **आयोजन स्थल :** गोहरी गाँव की सभी 09 अलग–अलग आँगनवाड़ियों में **आयोजक :** महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **मुख्य अतिथि :** श्रीमती सीमा सत्यकाम **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह संयोजक :** डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहा0 प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह आयोजन सचिव :** डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहा0 प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **मुख्य वक्ता :** डॉ. दीपा चौबे, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
4.	**कार्यक्रम नाम :** शिल्प प्रदर्शनी **आयोजन तिथि :** 28 नवम्बर, 2024 **आयोजन स्थल :** विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर **आयोजक :** महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **मुख्य अतिथि :** श्री सुनीत कुमार, डी.आई.जी., रेंज, CRPF **विशिष्ट अतिथि :** श्री अनुभव सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, प्रयागराज **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह संयोजक :** डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **समन्वयकः** डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा **आयोजन सचिव :** श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. अब्दुल रहमान **सह आयोजन सचिव :** डॉ स्मिता अग्रवाल., डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सफीना सामवी, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

5.	**कार्यक्रम नाम :** भाषण एवं नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिता **आयोजन तिथि :** 01 मार्च 2025 **आयोजन स्थल :** विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर स्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार एवं विश्वविद्यालय के अन्य क्षेत्रीय केन्द्र **आयोजक :** महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**कार्यक्रम निदेशक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **संयोजक :** डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहा0 प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
6.	**कार्यक्रम नाम :** पढ़ें विश्वविद्यालय/ पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय बढ़े महाविद्यालय **आयोजन तिथि :** 07 मार्च 2025 **आयोजन स्थल :** कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहरा, सोरांव **आयोजक :** कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह संयोजक :** डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा **सह–आयोजन सचिव :** डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
7.	**कार्यक्रम नाम :** Yoga for One Earth One Health **आयोजन तिथि :** 15 मई 2025 **आयोजन स्थल :** कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहरा, सोरांव **आयोजक :** कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **सह संयोजक :** डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा **सह–आयोजन सचिव :** श्री अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
8.	**कार्यक्रम नाम :** Ending Plastic Pollution Globally **आयोजन तिथि :** 05 जून 2025 **आयोजन स्थल :** विश्वविद्यालय गंगा परिसर एवं सरस्वती परिसर **आयोजक :** विज्ञान विद्याशाखा एवं कृषि विज्ञान विद्याशाखा **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**समन्वयकः** प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा **संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाख एवं प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. धर्मवीर सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा **सह–आयोजन सचिव :** डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

9.	**कार्यक्रम नाम :** वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम **आयोजन तिथि :** 27 जून 2025 **आयोजन स्थल :** विश्वविद्यालय यमुना परिसर **आयोजक :** कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाख एवं प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **आयोजन सचिव :** डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा **सह–आयोजन सचिव :** डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, मानविकी विद्याशाखा
10.	**कार्यक्रम नाम :** दीक्षांत समारोह एवं दीक्षोत्सव कार्यक्रम **आयोजन तिथि :** दिनांक 11 से 13 अगस्त 2025 **आयोजन स्थल :** अटल प्रेक्षागृह विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर **आयोजक :** महिला अध्ययन विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र एवं प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा **कार्यक्रम सहयोगी :** महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सह प्रभारी, सहायक प्रभारी एवं समिति के समस्त सदस्यगण
11.	**कार्यक्रम नाम :** वृक्षारोपण कार्यक्रम **आयोजन तिथि :** 18 सितम्बर 2025 **आयोजन स्थल :** विश्वविद्यालय गंगा एवं सरस्तवी परिसर **आयोजक :** महिला अध्ययन विस्तारित गतिविधि केन्द्र **अध्यक्ष :** प्रो. सत्यकाम कुलपति	**संयोजक :** प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाख एवं प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र **समन्वयक–** श्री कर्नल विनय कुमार **सह–समन्वयक एवं कार्यक्रम प्रबन्धक–** श्री उमेश पाण्डेय

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांकः 04 सितम्बर, 2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम
04 सितम्बर, 2024

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय, कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि
श्रीमती सीमा सत्यकाम

मुख्य वक्ता
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी,
सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम निदेशक
प्रो0 आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक
प्रो. श्रुति,
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–संयोजक
डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी
सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. साधना श्रीवास्तव
सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह आयोजन सचिव
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी
सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन समिति
डॉ. स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ अनिल कुमार यादव, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा व श्री संतोष कुमार

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन
2. मुख्य वक्ता का वक्तव्य

   परिशिष्टियाँ (1 से 5)

1. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट–1)
2. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)
3. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट–3)
4. प्रेषित पत्र (परिशिष्ट–4)
5. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–5)

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम के निर्देशानुसार दिनांक 12.08.2024 को महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र का पुर्नगठन किया गया। इसी क्रम में पुर्नगठित केन्द्र का प्रथम कार्यक्रम विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया ऑगनबाड़ी केन्द्र में दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अन्तर्गत सितम्बर माह में शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस में 'साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम' के रुप में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य लोगों को साक्षर होने, सामाजिक और मानव विकास के अपने अधिकारों को जानने की आवश्यकता के बारे में जागरुक करना है।

परिवर्तनशील दुनिया में साक्षरता को बढ़ावा देने का उद्देश्य स्थायी और शांतिपूर्ण समाज की नींव का निर्माण करना होता है। विदित है कि सितम्बर माह को साक्षरता माह के रुप में जाना जाता है, भारत में 05 सितम्बर शिक्षक दिवस एवं 8 सितम्बर विश्व साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने नवम्बर 1965 में साक्षरता अभियान को एक दिवस के रुप में बनाने का फैसला किया था। अगले ही साल 8 सितम्बर को नई दिल्ली में

1966 में पहली बार विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया था। भारत में साक्षरता मिशन की स्थापना 5 मई 1988 को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने की थीं। इसका उद्देश्य 2007 तक 15 से 35 आयु वर्ग के निरक्षर लोगों को व्यावहारिक साक्षरता प्रदान करते हुए 75 प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य हासिल करना था। कई राज्य अभी भी लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार देश में साक्षरता में लगातार वृद्धि हो रही है। देश में साक्षरता 74.04 फीसदी थी जिसमें 82.14 फीसदी पुरुषों और महिलाओं के लिए 65.46 फीसदी है। केरल में 93.91 प्रतिशत की साक्षरता दर, लक्ष्यद्वीप में 92.28 फीसदी और मिजोरम में 91.58 प्रतिशत है। बिहार की साक्षरता दर 63.82 फीसदी, अरुणाचल प्रदेश की 66.95 फीसदी और राजस्थान की 67.06 प्रतिशत है।

2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर करीब 67.72 फीसदी है। इसमें पुरुषों की 77.3 फीसदी तथा महिलाओं की 57.20 फीसदी है। प्रयागराज की साक्षरता दर 72.3 फीसदी जहाँ पुरुषों की साक्षरता दर 85 फीसदी तथा महिलाओं की 62.67 फीसदी है।

25 से 27 सितम्बर 2015 में सयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में सतत् विकास लक्ष्यों [Sustainable Development Goals (SDG)] को बताया गया था तथा 2015 से लेकर 2030 तक सम्पूर्ण विश्व में इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस बैठक में 193 देशों ने प्रतिभाग किया था। शिखर सम्मेलन की थीम ''Transforming our world: The 2030 Agenda for Sustainable Development'' थी। इसमें 17 लक्ष्य निर्धारित किये गये थे। जिसमें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा (Equality Education) लक्ष्य–4 है, जिसका उद्देश्य समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में 2015 में गठित नीति आयोग के तहत हमारा देश भी SDG की लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत प्रयासरत है।

उपरोक्त के क्रम में पुर्नगठित महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा साक्षरता दर में वृद्धि हेतु इस जागरुकता कार्यक्रम को आयोजित किया गया। साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम आयोजन के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी में उपस्थिति

सभी महिलाओं तथा बच्चों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया।

जागरुकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम रहीं। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम जी ने महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं

अन्य विषयों पर चर्चा की तथा साथ ही उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें प्रेरित किया तथा बताया कि उनके शिक्षण एवं प्रशिक्षण का लाभ उनके परिवार तथा आस–पास की महिलाओं के साथ–साथ आस–पास के गॉवों की महिलाओं को भी मिलेगा, जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा। महिलायें कौशल से सम्बन्धित विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त कर अपने परिवार को भी उन्नत बना सकती हैं।

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी की कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन वितरित किया तथा उनके पौष्टिक जलपान की व्यवस्था की गयी। प्रो0 श्रुति ने भी वहाँ उपस्थिति लोगो को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया।

साथ ही यह बताया कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

उन्होंने कहा कि आज की प्रगतिशील दुनिया में साक्षर होना अब सिर्फ पढ़ने, लिखने और समझने तक ही सीमित नहीं रह गया है बल्कि विकसित होते डिजिटल युग ने कई प्रकार की साक्षरताओं को परिभाषा में ला दिया है। जिसके प्रति भी सभी को जागरुक रहने की आवश्यकता है। उदाहरणस्वरुप भाषाई, दृश्य, डिजिटल, श्रव्य, तकनीकी तथा स्थानिक साक्षरता हैं। भाषाई साक्षरता से तात्पर्य लिखित और मौखिक दोनों तरह के शब्दों के माध्यम से प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता से है। इस प्रकार की साक्षरता हमारी शिक्षा प्रणाली और दैनिक एवं कार्यस्थलीय जीवन के लिए जरुरी है। ये न केवल कार्यस्थल में महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे सामाजिक जीवन में भी आवश्यक है।

दृश्य साक्षरता, जो कि दृश्य सामग्री की व्याख्या करने और उसे बनाने की क्षमता का विकास है। साक्षरता का यह रूप आजकल तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है क्योंकि हम लगातार छवियों और विडियों से घिरे रहते हैं। दृश्य साक्षरता के माध्यम से हमें प्रभावी ढंग से संवाद करने में मदद मिलती है और यह चीजों को आसानी से समझने में तथा दृश्य सामग्री का आलोचनात्मक विवेचना तथा विश्लेषण करने में सहायक होती है। डिजिटल साक्षरता का मतलब है, सभी डिजिटल तकनीकों का प्रभावी तथा सुरक्षात्मक ढंग से उपयोग करने की क्षमता के विकास में सहायक होना। डिजिटल साक्षरता भी आज के आधुनिक युग में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। ऑडियो साक्षरता से मतलब है कि जिसमें हमें ऑडियों सामग्री की व्याख्या करने और उसे बनाने की क्षमता से है।

तकनीकी साक्षरता, नई–नई तकनिकियों तथा नवाचार करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी को सुगम तथा सुरक्षित रुप से उपयोग करने की क्षमता का विकास करना है। जैसे–जैसे तकनीकी (Technology) आगे बढ़ रही है, यह महत्वपूर्ण होता जा रहा है कि लोग नई तकनीकी से अवगत हों।

उन्होने बताया कि 21वीं सदी में साक्षरता की एक श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रकार की साक्षरता की अपनी प्रासंगिकता और महत्व है, जो सीधे तौर पर हमारे जीने, काम करने और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। स्वयं को अपने

सहकर्मियों को और अपने बच्चों को इन जरुरी साक्षरता कौशलों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना तेज़ी से बदलती दुनिया में सुरक्षित रूप से सफलता सुनिश्चित करने के लिए जरुरी है। उन्होनें साक्षरता के सभी प्रकारों से महिलाओं तथा बालिकाओं को अवगत कराया ताकि वे भविष्य में स्वावलम्बी बन सकें।

केन्द्र के सहायक प्रभारी एवं इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने महिलाओं को विश्वविद्यालय में जुड़ने हेतु प्रेरित किया उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही कहा कि जिस प्रकार विश्वविद्यालय महिलाओं को शिक्षित बनाने एवं उनकी उन्नति के लिए कार्य कर रहा है उसी प्रकार महिलाओं को भी विश्वविद्यालय की गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वंय ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती हैं। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नति करेगा।

साथ ही, उन्होंने महिलाओं को विश्वविद्यालय में संचालित कौशल विकास केन्द्र से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें उनके कौशलों को परिमार्जित कर नये–नये जीवनोपयोगी हुनर के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिये जाने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराया। जिससे महिलायें भी प्रशिक्षण प्राप्त कर आर्थिक रुप से स्वावलम्बी बन सके।

कार्यक्रम के समापन में आयोजन सचिव, डॉ. साधना श्रीवास्तव ने समस्त उपस्थिति लोगों का धन्यवाद किया तथा धन्यवाद् ज्ञापन के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा व श्री संतोष कुमार के साथ साथ गोहरी प्राथमिक विद्यालय के अध्यापिकागण तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें, बच्चे, मोहनगंज फुलवरिया गोहरी, प्राथमिक विद्यालय ऑगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्रियाँ प्रियंका पाण्डेय, सुनीता देवी एवं सहायिकाएँ राजकुमारी, शान्ति देवी उपस्थित रहें। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गॉव गोहरी के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच साक्षरता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ऑगनबाड़ी में आयोजित किया गया।

महिलाओं का साक्षर होना आवश्यक

सभी को नमस्कार,

उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति श्रीमती आंनदीबेन पटेल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना हुई है और आज हम इस केन्द्र के कार्यक्रम में यहां उपस्थित हुए हैं। माननीया कुलाधिपति जी का मानना है कि विश्वविद्यालयों को महिलाओं के उत्थान एवं सशक्तीकरण से जुड़कर समाज की प्रगति में अपना सार्थक योगदान देना चाहिए और इसी संदर्भ में हम आज महिला साक्षरता के महत्व पर चर्चा करने के लिए यहाँ एकत्रित हुए हैं।

हम भारतीय परम्परा के लोग हैं। हमारी संस्कृति हमें महिलाओं के सम्मान का पाठ पढ़ाती है। हमें अन्न चाहिए होता है तो हम धरती मां को पूजते हैं। धन, संपदा, वैभव चाहिए तो लक्ष्मी मां को पूजते हैं। विद्या चाहिए होती है तो शारदा मां को पूजते हैं। शक्ति चाहिए होती है तो दुर्गा मां को पूजते हैं अर्थात् हमें इस दुनिया में जीवन की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मातृ शक्ति की शरण में जाना पड़ता है। मातृ शक्ति के महात्म को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बखूबी समझते हैं और इसलिए वो 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना लेकर आते हैं। अर्थात् हमें बेटियों को संरक्षित करने और पढ़ा लिखा कर समर्थ बनाने की आवश्यकता है।

महिला साक्षरता एक ऐसा विषय है जो समाज की प्रगति और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला साक्षरता का मतलब है महिलाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करना ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझ सकें और समाज में समान भागीदारी कर सकें। एक साक्षर महिला न केवल अपनी जिंदगी को सुधार सकती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी बेहतर दिशा दे सकती है। इस प्रकार शिक्षा के माध्यम से महिलाएं न सिर्फ अपने भविष्य का निर्माण करती हैं बल्कि वे परिवार, समाज और अंततः देश के निर्माण में योगदान देती हैं।

शिक्षा का अधिकार हर व्यक्ति का है, फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला। महिला साक्षरता समाज की प्रगति की कुंजी है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैं तो वे अपने परिवार के स्वास्थ्य, वित्तीय स्थिति और बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण, समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार और बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। एक शिक्षित महिला ने केवल खुद को मजबूत बनाती है, बल्कि अपने समाज को भी एक नई दिशा देती है और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में योगदान देती है।

महिला साक्षरता सिर्फ एक व्यक्तिगत अधिकार नहीं, बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझती है, बल्कि वह अपने

परिवार और समाज के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनती है। शिक्षा से महिलाएं अपने भविष्य को बेहतर बना सकती हैं, और साथ ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

हम जानते हैं कि शिक्षा का अभाव महिलाओ को सामाजिक और आर्थिक रुप से पीछे रखता है। अनपढ़ महिलाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित रहती हैं। इसका असर न केवल उनके जीवन पर, बल्कि उनके बच्चों के भविष्य और पूरे समाज पर पड़ता है। इसलिए महिला साक्षरता को बढ़ावा देना समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

महिला साक्षरता की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन अब भी बहुत किया जाना बाकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ शिक्षा की पहुंच अभी भी सीमित है, वहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर महिला को शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हों, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हमारे परिवार और समाज की बंदिशें महिलाओं की उच्च शिक्षा तक पहुंच को रोकती हैं। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालय के रुप में हम शिक्षा को शिक्षार्थी के घर तक पहुंचाते हैं। हमारी शिक्षा पद्धति शिक्षार्थी उन्मुख है। इसमें समय की बाध्यता नहीं है। उम्र की सीमा नहीं है। हमारे प्रवेश वर्तमान में चल रहे हैं। आप सब इसमें प्रवेश ले सकते हैं।

शिक्षा मात्र एक डिग्री या प्रमाण पत्र नहीं होनी चाहिए। वास्तविक शिक्षा वह है जो हमारे जीवन में गुणात्मक परिवर्तन करे। हमारे माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी के निर्देशन मे ंहम बहुत जल्द कौशल विकास के विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करने वाले हैं जिसमें हमारा प्रयास होगा कि हम ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें आर्थिक रुप से स्वावलंबी बना सकें और उनके जीवन में गुणवत्तापरक योगदान दे सकें।

इसके लिए हमें सरकारी योजनाओं, गैर–सरकारी संगठनों और सामुदायिक प्रयासों का समर्थन करना होगा। शिक्षा के महत्व को लोगों के बीच प्रचारित करना होगा और समाज के सभी वर्गो को इसमें शामिल करना होगा।

साथ ही, हमें महिलाओं की शिक्षा को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रुप में देखना होगा। परिवार और समाज दोनों को यह समझना होगा कि एक शिक्षित महिला ही अपने परिवार को सही दिशा दे सकती है और समाज को एक नई दिशा दिखा सकती है।

अंत में, मै यही कहूंगा कि महिला साक्षरता सिर्फ एक व्यक्तिगत लाभ नहीं है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, चलिए हम सब मिलकर इस दिशा में प्रयास करें ताकि हर महिला को उसके सपनों को पूरा करने का अवसर मिल सके और समाज की समृद्धि की दिशा में एक कदम और बढ़ सके।

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी
सहायक– प्रभारी,
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

समाचार पत्र की सुर्खियां

JEEVAN EXPRESS
EDITORIAL NEWSCAST SPORT

Rural women can uplift their families through skill training - Seema Satyakam

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The Centre for Women's Studies and Extended Activities of the Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, Uttar Pradesh, organised a literacy awareness programme on the eve of Teachers' Day under the Beti Bachao Beti Padhao programme at the Mohanganj Fulwaria Anganwadi Centre in Gohari village, adopted by the Science Vidya branch, on Wednesday.

The chief guest of the awareness program, Mrs. Seema Satyakam said that women can develop their families by taking benefit from skill-related education and training programs. She said that if women are educated and trained, then their families and the women of the surrounding villages will also benefit from it. This will lead to development of rural women and they will be empowered. She motivated the rural women to advance the education of their daughters. Mrs. Seema Satyakam discussed with Anganwadi center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women from the rural area about their education and skills and other topics.

Professor Shruti, in-charge of Women's Studies and Extended Activities Centre and programme co-ordinator, distributed diaries, pens etc. to Anganwadi workers, assistants and the women and children present there. Professor Shruti made the rural women aware of the importance of education. She said that the role of an educated woman helps in making the society strong and developed.

Assistant in-charge of the centre and main speaker of the programme Dr Trivikram Tiwari motivated them to join the university and told them in detail about the Beti Bachao Beti Padhao programme being run by the government. He said that an educated woman can herself pay attention to the education of her children. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. Society and nation will also progress if they become literate. Assistant in-charge of the centre Dr Sadhana Srivastava gave the vote of thanks. On this occasion Professor Shruti, Dr Anandanand Tripathi, Dr Sadhana Srivastava, Dr Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr Anil Kumar Yadav, Dr Dharamvir Singh, Dr Deepa Chaubey, Dr Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women and children of rural areas etc. were present.

SANYAM BHARAT
Daily News
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Rural women can improve their family via skill training: Seema Satyakam

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj's Women's Studies and Extended Activity Center on Wednesday at Mohanganj Phulwaria Anganwadi Center of village Gohri, adopted by Vigyan Vidya branch. Under the Beti Bachao Beti Padhao program, a literacy awareness program was organized on the eve of Teacher's Day. Seema Satyakam, the chief guest of the awareness program, said that women can improve their families by getting benefits from skill-related education and training programs. . He said that if women are educated and trained, their families and the women of nearby villages will also benefit from it. Due to which rural women will also develop and become empowered. She inspired rural women to further their daughters' education. Mrs. Seema Satyakam discussed their education and skills and other topics with Anganwadi Center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women of rural areas. In-charge and program coordinator of Women's Study and Extended Activity Center Professor Shruti distributed diaries, pens etc. to the Anganwadi workers, helpers and the women and children present there. Professor Shruti made rural women aware of the importance of education.

He said that the role of an educated woman is helpful in strengthening and developing the society. Dr. Trivikram Tiwari, assistant in-charge of the center and keynote speaker of the program, inspired them to join the university and explained in detail about the Beti Bachao Beti Padhao program being run by the government. He said that an educated woman can focus on the education of her children herself. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. With their becoming literate, society and nation will also progress. The vote of thanks was given by Dr. Sadhna Srivastava, assistant in-charge of the centre. On this occasion, Professor Shruti, Dr. Anandanand Tripathi, Dr. Sadhna Srivastava, Dr. Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr. Anil Kumar Yadav, Dr. Dharamvir Singh, Dr. Deepa Chaubey, Dr. Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women from rural areas and Children etc. were present.

PUBLIC NOTICE

Whom so ever it may concern the original allotment letter dated 03.12.2012 and possession letter dated 01.04.2013 of the property Flat No. 12/303 LIG (Second Floor) Budh Vihar Aavas Yojana Devghat Jhalwa, Pargana & Tehsil - Sadar, Prayagraj. Area - 40.83 Sq. Mtrs. which is chin document and has been lost and lodge the FIR and the property is going to mortgage before LICHFL, Allahabad, if anyone having objection may file the same within 07 days from the date of publication to the address mentioned as SOMIL SRIVASTAVA ADVOCATE through Bandhan Bank Ltd., Allahabad, Mobile No. 8299703468 and Merazuddin (Creadit Manager) Mobile No. 9696979863.

RNI NO-UPHIN/2023/84348
सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मबीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर
नगर-संस्करण
न्यायाधीश
डाक रजिस्ट्रेशन नं.- एडी.34/2021-23
प्रयागराज, गुरूवार 05 सितम्बर,2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनवाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/र
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 360
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
गुरुवार, 5 सितम्बर, 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं

'परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाए'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

प्रयाग प्रभात

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 04 सितंबर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाडी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्व विद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

दैनिक
अमृत प्रभात
जनता के साथ जनता की आवाज

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं

अमृत प्रभात, फाफामऊ (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम वा शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा। बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्य समग्र

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जागरूकता कार्यक्रम की

मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं।उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा।जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी।उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे,सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी,शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी,पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ० त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है।महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है।इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा।धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ० साधना श्रीवास्तव ने किया।इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति,डॉ० आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ० साधना श्रीवास्तव,डॉ०त्रिविक्रम तिवारी,राजेश गौतम,डॉ० अनिल कुमार यादव,डॉ० धर्मवीर सिंह,डॉ० दीपा चौबे,डॉ० दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

पायनियर

लखनऊ, गुरुवार 5 सितंबर 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं: सीमा सत्यकाम

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडेय सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी शांति देवी के साथ साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी पेन आदि वितरित किए। प्रो श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।

तिजारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं: सीमा सत्यकाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफ़ेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

वीर अर्जुन

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

विविध : विग बी की मुरीद हुई श्रद्धा कपूर * लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित

E-mail : virarjunlko@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com

लखनऊ, गुरुवार 5 सितंबर 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं: सीमा सत्यकाम

प्रयागराज ब्यूरो। ,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी

मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है।

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित प्रयागराज से प्रकाशित

सुविचार
मनुष्य को झूठ नहीं बोलना चाहिए।परन्तु अनावश्यक रूप से अप्रिय सत्य भी न बोला जाय। अत्यधिक बोलने से वाणी की शक्ति और विश्वसनीयता नष्ट हो जाती है
शुभ प्रभात।

वर्ष: 3, अंक 243 | प्रयागराज गुरूवार 05 सितम्बर, 2024 | विक्रम संवत 2081, | प्रातः संस्करण, पृष्ठ:8, | मूल्य: 01 रूपया

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र मे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमो से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओ को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओ को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओ का भी विकास होगा और वह सशक्त होगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओ को बेटियो की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियो प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओ राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओ से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयो पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियो,सहायिकाओ तथा वहां उपस्थित महिलाओ एवं बच्चो को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओ को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने मे सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हे विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चो की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओ एवं बेटियो की साक्षरता आने वाली पीढ़ियो की उन्नति मे सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
संयम भारत
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
वर्ष : 18 अंक : 166
नगर संस्करण,
पृष्ठ - 4,
मूल्य 1.00 रु0
उत्तर प्रदेश | गुरूवार, 05 सितम्बर 2024 | प्रयागराज | विचार

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और यह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति

देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
04 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

(1)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

दिनांक 04.09.2024

आँगनबाड़ी केन्द्र: ओहरी, मोहनगंज फुलवरिया

कार्यकत्री का नाम: 1 प्रियंका पाण्डेय 2 सुनीता देवी

सहायिका का नाम: 1 राजकुमारी 2 शान्ति देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर	सम्पर्क सूत्र
1.	नीरा	महिला		
2.	संगीता	महिला		
3.	रूपा	"		
4.	अन्नू देवी विश्वकर्मा	"		
5.	कविता मौर्या	"		
6.	शिवमूर्ती	"		
7.	कमला देवी	"		
8.	सपना मौर्या	"		
9.	मधू	"		
10.	महक	बच्ची		
11.	पलक	बेटी		
12.	मानवी	बेटा		
13.	रेयांश	बेटा		
14.	श्रेयांश	बेटा		
15.	राधिका	बेटी		
16.	प्रवीर	बेटा		
17.	अवनी	बेटी		
18.	अनन्या	बेटी		
19.	मीत	बेटी		
20.	स्मृति	बेटा		

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र   दिनांक 04.09.2024

आँगनबाड़ी केन्द्रः कोटरी, मोहनगंज फुलवरिया

कार्यकत्री का नामः 1 प्रियंका पाण्डेय   2 सुनीता देवी

सहायिका का नामः 1 राजकुमारी   2 शांति देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर	सम्पर्क सूत्र
1.	जीवन	बेटा		
2.	अनीता	बेटी		
3.	अदिति	बेटी		
4.	प्रांजी	बेटी		
5.	सुधीर	बेटा		
6	अराध्य	बेटा		
7.	शिवंशी	बेटा		
8.	साक्षी	बेटी		
9.	सुषमा	महिला		
10.	प्रभास कुमारी	महिला		
11.	शिवानी	महिला		
12.	कुनाल	बेटा		
13.	गोलू	बेटा		
14.	डा० दीपमाला गुप्ता	असिस्टेंट प्रोफेसर	Deepmala	
15.	डा० अनिल कुमार यादव	सहा० आचार्य (ECO)	Anil Kumar Yadav	
16.	डा० साधना श्रीवास्तव	सहा० आचार्य (MC)	Sadhana	
17.	Prof. Shruti	Prof	[signature]	
18.	Rajesh Kr Gautam	Asst. Professor	[signature]	
19.	डा० त्रिविक्रम तिवारी	Asstt. Prof.	[signature]	
20.	डा० आनन्दा नन्द त्रिपाठी	सह आचार्य	[signature]	

[signature]
प्रभारी
महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साइबर जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

दिनांक 04.09.2024.

आँगनबाड़ी केन्द्रः गोहरी, मोहनगंज फुलवरिया

कार्यकत्री का नामः 1 प्रियंका पाण्डेय 2 सुनीता देवी

सहायिका का नामः 1 राजकुमारी 2 शांति देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर	सम्पर्क सूत्र
1.	डॉ दीपा चौबे	सहा० आचार्य (Zoology)	[illegible]	
2.	डॉ शशिकांत सिंह	" "	[illegible]	9415024933
3.	शांति मिश्रा		[illegible]	
4.	शान्ति शर्मा		शान्ति शर्मा	
5.	अनूप कुमार		[illegible]	
6.	सन्तोष कुमार		Sant	
7.	वीरेन्द्र कुमार वर्मा		[illegible]	9026323476
8.				
9.				
10.				
11.				
12.				
13.				
14.				
15.				
16.				
17.				
18.				
19.				
20.				

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर–एफ), फाफामऊ
प्रयागराज – 211021

कुलसचिव

मो. : 7525048031
ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

पत्रांक : ओ.यू./ 852 /2024

दिनाँक 03–09–2024

सेवा में,

बाल विकास परियोजना अधिकारी
जनपद – प्रयागराज

महोदय,

अवगत कराना है कि इस विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में गोहरी, प्राथमिक विद्यालय, गोहरी प्रयागराज में स्थित आँगनबाडी केन्द्र में दिनाँक 04 सितम्बर, 2024 को **'साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन सुनिश्चित हुआ है।

अतः अनुरोध है कि कृपया उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सम्बन्धित आँगनबाडी को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ. संख्या : ओ.यू./ /2024 तद् दिनाँक

प्रतिलिपि – प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

जागरूकता कार्यक्रम
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.55486°
Long 81.85733°
04/09/24 11:26 AM GMT +05:30
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.554856°
Long 81.857326°
04/09/24 11:26 AM GMT +05:30
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.554852°
Long 81.857322°
04/09/24 11:37 AM GMT +05:30
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.55486°
Long 81.85733°
04/09/24 11:26 AM GMT +05:30
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554848°
Long 81.857361°
04/09/24 11:37 AM GMT +05:30
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.55486°
Long 81.857307°
04/09/24 11:14 AM GMT +05:30
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.55489°
Long 81.857293°
04/09/24 11:18 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554842°
Long 81.857333°
04/09/24 11:07 AM GMT +05:30

GPS Ma
गोहारी, उत्तर प्रदेश, भारत
HV35+M58, संतिपुरम गोहरी मार्ग, गोहारी, उत्तर प्रदेश 211013, भारत
Lat 25.554699°
Long 81.857882°
04/09/24 10:56 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554575°
Long 81.857886°
04/09/24 10:59 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554575°
Long 81.857886°
04/09/24 10:59 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554588°
Long 81.857898°
04/09/24 10:57 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554849°
Long 81.85732°
04/09/24 11:04 AM GMT +05:30
Google

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554852°
Long 81.857316°
04/09/24 11:06 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554852°
Long 81.857316°
04/09/24 11:06 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554854°
Long 81.857324°
04/09/24 11:05 AM GMT +05:30

दीक्षान्त समारोह एवं दीक्षोत्सव

कार्यक्रम—2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रतिवेदन संपादक
प्रो. श्रुति
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

दीक्षान्त समारोह एवं दीक्षोत्सव कार्यक्रम

11 सितम्बर 2024

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम

माननीय कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक

प्रो. श्रुति

प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र समिति

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहा0–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहा0–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. सफीना सामवी, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य

श्री अंकित मिश्रा व श्री अमित शर्मा

दीक्षोत्सव–2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वर्ष 2024 में होने वाले 19वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व में दीक्षोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके सफल आयोजन में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय के विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिये गॉवों के आंगवाड़ियों एवं उन गॉवों में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षारत विद्यार्थियों के बीच अलग–अलग प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जिसमें महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। इसी क्रम में दिनांक 15 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन केंद्र एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के जन्म दिवस के अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा द्वारा गोद लिए लिए गए गांव लेहरा प्रयागराज में आंगनबाड़ी संबंधी प्रतियोगिता के आयोजन के संदर्भ में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी के निर्देशन में विद्याशाखा की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी में उपस्थित महिलाओं, बच्चों, कार्यकत्रियों से मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के उपस्थित शिक्षकों द्वारा चर्चा परिचर्चा की गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र की सफाई व्यवस्था, बच्चों की सफाई, बाल, नाखून, कपड़े, बैग, जूते, स्वास्थ्य एवं पोषक आहार के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई। उक्त कार्यक्रम आंगनवाड़ी–1 के संदर्भ में निदेशक मानविकी विद्याशाखा द्वारा समन्वयक के रुप में नियुक्त डॉ0 शैलेंद्र कुमार सिंह सहायक आचार्य, मानविकी विद्याशाखा के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सदस्यों में कार्यकत्री पुष्पा गुप्ता तथा सहायिका मनोज देवी के साथ मानविकी विद्याशाखा के समस्त शिक्षक तथा कर्मचारीगण और महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की ओर से डॉ0 साधना श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार मानविकी विद्याशाखा उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्री राजेश गौतम, डॉ0 अभय कुमार यादव, डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, डॉ0 अनिल कुमार यादव, डॉ0 अर्ब्दुर रहमान फैजल, डॉ0 अमित कुमार सिंह, डॉ0 संतोष कुमार भारती, श्री संजीव भट्ट, डॉ0 सुमन सिंह, डॉ0 सफीना समावी, डॉ0 नीलम सिंह, डॉ0 मुकेश कुमार मौर्य, श्री अनुपम, डॉ0 सत्येंद्र कुमार, डॉ0 दयानंद उपाध्याय तथा मानविकी विद्याशाखा के शिक्षणेत्तर कर्मी रामलखन कुशवाहा एवं विकास कुमार आदि उपस्थित रहे।

दिनांक 26 एवं 27 जुलाई 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन हुआ। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सरस्वती परिसर में रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया, जिन्होंने रक्त समूह तथा ब्लड प्रेशर की जांच कराई। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रुप से कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर पी. के. स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर ए. के. मलिक, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ मुकेश कुमार मौर्य, श्री अनुपम, श्री अनुराग शुक्ला एवं श्री आशुतोष कुमार मिश्रा के साथ महिला अध्ययन विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सदस्यों ने भी रक्तदान किया। शिविर में स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तदान केंद्र की तरफ से श्री हेमंत शुक्ला, डॉ संजू, अजय मिश्रा, संदीप मिश्रा, भूपेंद्र पांडे, लवलेश शुक्ला, वीरेन्द्र तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय में नियमित रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके पूर्व भी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने रक्तदान किया था। उन्होंने कहा कि रक्तदान बहुत पुण्य का कार्य है। हर स्वस्थ व्यक्ति को जीवन में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान कर हम मानव मात्र के जीवन की रक्षा में अमूल्य योगदान कर सकते हैं।

दिनांक 11 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षान्त समारोह में उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम द्वारा 100 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरण कराये जाने का निर्णय लिया गया। जिसमें से 10 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को ऑन स्टेज पर माननीय कुलाधिपति जी द्वारा प्रतीकात्मक रुप से प्रदान किया गया। अन्य आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को विश्वविद्यालय द्वारा किट उपलब्ध कराया गया। किट वितरण में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सदस्यों ने भी अलग–अलग समितियों में सम्मिलित होकर अपना सक्रिय योगदान दिया।

राज्यपाल के निर्देश पर दीक्षान्त समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण आहार एवं कार्यकत्रियों की उपस्थिति मानदंड आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसी तरह गोद लिए गांव के प्राथमिक/जूनियर विद्यालयों तथा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भाषण, चित्रकला एवं कहानी कथन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता के विजेताओं को दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलाधिपति श्रीमती पटेल के द्वारा किट भेंट किये गये। इसके साथ ही राजभवन की तरफ से मुक्त विश्वविद्यालय के समीपवर्ती प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए राज्यपाल श्रीमती पटेल ने सौ पुस्तकें प्रदान की।

१९वाँ दीक्षान्त समारोह गोद लिए हुए गाँवों में आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रथम तीन विजेता बच्चों का विवरण

भाषण प्रतियोगिता

कक्षा समूह (03-05)

प्रथम	:	अनामिका विश्वकर्मा	(कक्षा -05)	प्रा0 वि0 बारी
द्वितीय	:	परी सिंह	(कक्षा -03)	पी0एम0 श्री प्रा0 वि0 मोहनगंज गोहरी
तृतीय	:	अंश	(कक्षा -04)	प्रा0 वि0 बारी

कक्षा समूह (06-08)

प्रथम	:	सृष्टि शुक्ला	(कक्षा -07)	उच्च प्रा0 वि0 चाँटी
द्वितीय	:	प्रतीक यादव	(कक्षा -07)	उच्च प्रा0 वि0 चाँटी
तृतीय	:	अभिनन्दन चौहान	(कक्षा -08)	उच्च प्रा0 वि0 गोहरी

कक्षा समूह (09-10)

प्रथम	:	श्रेयश कांत दुबे	(कक्षा -9)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी
द्वितीय	:	जान्हवी	(कक्षा -9)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी
तृतीय	:	प्रभात तिवारी	(कक्षा -9)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी

चित्र कला प्रतियोगिता

कक्षा समूह (03-05)

प्रथम	:	कोमल	(कक्षा -05)	प्रा0 वि0 बेचू का पुरा, गोहरी
द्वितीय	:	शुभम	(कक्षा -05)	पी0एम0 श्री प्रा0 वि0 मोहनगंज गोहरी
तृतीय	:	तृषा कुमारी	(कक्षा -04)	कम्पोजिट वि0, कन्या गोहरी

कक्षा समूह (06-08)

प्रथम	:	अंशी	(कक्षा -07)	कम्पोजिट वि0, कन्या गोहरी
द्वितीय	:	सुनैना	(कक्षा -07)	कम्पोजिट वि0, कन्या गोहरी
तृतीय	:	सृष्टि शुक्ला	(कक्षा -07)	उच्च प्रा0 वि0 चाँटी

कक्षा समूह (09-10)

प्रथम	:	सुनैना	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी
द्वितीय	:	यथार्थ सिंह	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी
तृतीय	:	अभिषेक	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी

कहानी कथन

कक्षा समूह (03-05)

प्रथम	:	संजीत	(कक्षा -04)	कम्पोजिट वि0, लेहरा
द्वितीय	:	शनि कुमार एवं	(कक्षा -04)	पी0एम0 श्री प्रा0 वि0 मोहनगंज गोहरी
	:	राज	(कक्षा -05)	प्रा0 वि0 बारी
तृतीय	:	प्राजंल पटेल	(कक्षा -05)	कम्पोजिट वि0, लेहरा

कक्षा समूह (06-08)

प्रथम	:	सृष्टि शुक्ला	(कक्षा -07)	उच्च प्रा0 वि0 चाँटी
द्वितीय	:	प्रिन्सी पटेल	(कक्षा -07)	उच्च प्रा0 वि0 चाँटी
तृतीय	:	विराट	(कक्षा -07)	कम्पोजिट वि0, कन्या गोहरी

कक्षा समूह (09-10)

प्रथम	:	मुस्कान यादव	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी
द्वितीय	:	संघमित्रा	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी
तृतीय	:	चारूमित्रा	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0 गोहरी

प्रेषक,

जिला कार्यक्रम अधिकारी,
प्रयागराज

सेवा में,

कुलसचिव,
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
फाफामऊ–प्रयागराज

पत्रांक 3115-20 / जि0का0अ0 / प्रोटोकाल / 2024–25 दिनांक 09 सितम्बर, 2024

विषय :– **मा0 राज्यपाल महोदया द्वारा किट वितरण हेतु ऑन स्टेज 10 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सूची का प्रेषण।**

महोदय,

उर्पयुक्त विषयक अपने पत्र सं0 891 दिनांक 07.09.2024 का संदर्भ लेने का कष्ट करें। उक्तानुक्रम में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पत्र संख्या 3096–3100 दिनांक 07 सितम्बर, 2024 के द्वारा मा0 राज्यपाल महोदया के प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 11.09.2024 हेतु किट वितरण के लिए 100 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सूची प्रेषित की जा चुकी है।

पुनः आपकी पृच्छा के क्रम में उक्त कार्यक्रम हेतु ऑन स्टेज 10 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सूची संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित है।

संलग्नक– यथोक्त।

भवदीय,
09/09/2024
(दिनेश सिंह)
जिला कार्यक्रम अधिकारी
प्रयागराज

पृष्ठांकन सं0 / तद्दिनांकित

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. – निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0 लखनऊ।
2. – जिलाधिकारी, प्रयागराज।
3. – मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज।
4. – बाल विकास परियोजना अधिकारी / प्रभारी(बहरिया, शहर–1, शहर–2, कौड़िहार एवं सोरांव) जनपद प्रयागराज।
5. – कार्यालय प्रति।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
प्रयागराज

बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग प्रयागराज (पास हेतु सूची)

क्रमांक	नाम	पदनाम	मोबाइल नं0
1	श्री दिनेश सिंह	जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रयागराज	9453774641
2	श्रीमती संजीता सिंह	बाल विकास परियोजना अधिकारी –शहर प्रथम	9454255941
3	श्री ओम प्रकाश यादव	बाल विकास परियोजना अधिकारी –शहर द्वितीय	9452421823
4	श्री अवधेश सिंह पंडित	बाल विकास परियोजना अधिकारी –बहरिया	9125564149
5	श्री विवेक सिंह तोमर	बाल विकास परियोजना अधिकारी –सोरांव, अतिरिक्त प्र0 होलागढ	6394946110
6	श्री सुरेन्द्र सिंह यादव	बाल विकास परियोजना अधिकारी –कौड़िहार	9236561710
7	प्रज्ञा यादव	मुख्य सेविका , सोरांव	9411965094
8	अर्पणा मिश्र	मुख्य सेविका , बहरिया	9839635479
9	शोभा कुमारी	मुख्य सेविका , कौड़िहार	9621342954
10	कलावती मौर्या	मुख्य सेविका , होलागढ	9793404405
11	अंशु दीक्षित	मुख्य सेविका , शहर प्रथम	7905664082
12	इन्द्रावती मौर्या	मुख्य सेविका , शहर प्रथम	9450612814
13	श्रीमती प्रियंका पाण्डेय	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, मोहरी –8	6394946110
14	श्रीमती सुनीता देवी	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री मोहरी–4	6394946110
15	श्रीमती प्रियम्वदा पटेल	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, प्राथमिक विद्यालय घुसूरपुर, चॉटी	6394946110
16	गीता भारतीया	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, चकश्यामपूरेछिन्छा–1	9125564149
17	रीता कुशवाहा	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, मानेमऊ	9125564149
18	श्रीमती गुडिया कुमारी	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, शिवकुटी	9452421823
19	सुश्री पूर्णिमा दबे	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, महिलाग्राम गढ़वा	9452421823
20	रेनू बाला	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, निहाल पुर	9454255941
21	अर्चना सिंह	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, कैंनलगंज	9454255941
22	शोभा देवी	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, दारापुर	9236561710
23	सुधा देवी	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, मूसेपुर	9236561710
24	सुमन मिश्रा	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, बहमलपुर 2	6394946110
25	कुल श्रेष्ठ मौर्या	ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री, साधनगंज 2	6394946110

जिला कार्यक्रम अधिकारी
आई. सी. डी. एस

क0सं0	जनपद का नाम	परियोजना का नाम	ग्राम पंचायत	केन्द्र का नाम	आंगनवाडी कार्यकत्री का नाम	आंगनवाडी कार्यकत्री का मो0नं0
1	प्रतापगढ़	बिहार	खटवार	खटवार	सरला पाल	9451759595
2		कुण्डा	बरई	बरई	मीना यादव	6388459343
3			सरियांवा	सरियांवा	राधा सिंह	9498255753

एवं इस कार्यक्रम को को–आर्डिनेट वाल विकास परियोजना अधिकारी विहार प्रतापगढ़ श्री कौशल कुमार (मो0नं0–6393229115) के द्वारा किया जाएगा ।

भवदीया

जिला कार्यक्रम अधिकारी,
प्रतापगढ़।

पृष्ठांकन सं0: / तद्दिनांक

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित की सेवा में सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1–जिलाधिकारी महोदय, प्रतापगढ़ को सूचनार्थ प्रेषित।

2–मुख्य विकास अधिकारी महोदया, प्रतापगढ़ को सूचनार्थ प्रेषित।

3–जिला कार्यक्रम अधिकारी, (नोडल) प्रयागराज।

जिला कार्यक्रम अधिकारी,
प्रतापगढ़।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में प्री स्कूल किट प्राप्त करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की सूची (ऑन स्टेज)

क्र0 सं0	परियोजना का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	आंगनवाड़ी केन्द्र का नाम	मुख्य सेविका के परिक्षेत्र का नाम	आंगनवाड़ी कार्यकत्री का नाम	केन्द्र संचालन स्थल	केन्द्र का कोड	मोबाइल नं0	जन्म तिथि	शैक्षिक योग्यता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	बहरिया	चकश्यामपूरेहिन्छा	चकश्यामपूरेहिन्छा–1	नूरजहा / बाकराबाद	गीता भारतीया	विभागीय भवन चकश्यामपूरे हिन्छा	09175010111	7755010590	01.11.84	हाईस्कूल
2	बहरिया	भानेमउ	भानेमऊ	सुमन सिंह / नरी	रीता कुशवाहा	विभागीय भवन भानेमऊ	09175010606	9956436971	20.07.75	बी0ए0
3	शहर–2	34 शिवकुटी	शिवकुटी	इन्द्रावती मौर्या / गोबिन्दपुर	श्रीमती गुडिया कुमारी	110 / 6शिवकुटी	09175040224	9532881917	04.07.84	एम0ए0
4	शहर–2	15 जयंतीपुर	महिलाग्राम गढ़वा	सरोज कुमारी / राजरूपपुर	सुश्री पूर्णिमा दवे	86 महिलाग्राम गढ़वा	09175040617	9169391971	15.06.76	एम0ए0
5	शहर–1	पूरा मनोहर दास	निहाल पुर	खुल्दाबाद	रेनू बाला	99ए240 निहालपुर	09175050819	9793275833	15.07.75	एम0 ए0
6	शहर–1	कर्नलगंज	कर्नलगंज	कटरा	अर्चना सिंह	प्राथमिक विद्यालय बाबा जी का बाग	09175050613	7456870659	04.01.79	एम0 ए0
7	कौड़िहार	दासापुर	दासापुर	कौडिहार	शोभा देवी	प्राथमिक विद्यालय, दासापुर	9175120309	8303910312	01.10.72	इण्टर
8	कौड़िहार	मूसेपुर	मूसेपुर	हथिगहां	सुधा देवी	प्रा0वि0 मूसेपुर	9175120225	6388853037	06.10.75	इण्टर
9	सोरांव	बहमलपुर	बहमलपुर 2	थरवई	सुमन मिश्रा	विभागीय भवन बहमलपुर	9175210702	9838281045	07.08.77	एम0ए0
10	सोरांव	माधवपुर सघनगंज	सघनगंज 2	माधवपुर सघनगंज	कुल श्रेष्ठ मौर्या	विभागीय भवन माधवपुर सघनगंज	9175210322	9794501693	02.10.78	बी0ए0

DPO
02/09/2024
जिला कार्यक्रम अधिकारी
आई. सी. डी. एस.
प्रयागराज

प्रेषक,

जिला कार्यक्रम अधिकारी,
प्रतापगढ़।

सेवा में,

रजिस्ट्रार,
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
फाफामऊ, प्रयागराज।

पत्रांक/C-652/जि0का0अधि0/प्रोटोकॉल/2023-24 दिनांकः 10 सितम्बर, 2023

महोदय,

सादर अवगत कराना है कि मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश (श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी) के जनपद प्रयागराज भ्रमण कार्यक्रम के तहत जनपद प्रतापगढ़ से 10 आंगनवाडी कार्यकत्रियाँ सम्मलित होंगी जिनकी सूची निम्नवत् है-

क0सं0	जनपद का नाम	परियोजना का नाम	ग्राम पंचायत	केन्द्र का नाम	आंगनवाडी कार्यकत्री का नाम	आंगनवाडी कार्यकत्री का मो0नं0
1	प्रतापगढ़	मानधाता	टीकरी	टीकरी-1	नीलम यादव	7660636135
2			बोझी	बोझी	सरोज	9450042916
3		शिवगढ़	खेमईपुर	बालीपुर-1	किरन	9956243675
4			बांसी	बांसी-2	अंजू सिंह	7380552209
5		बिहार	खटवार	खटवार	सरला पाल	9451759595
6			शकरदहा	शकरदहा	अनीता गुप्ता	6386608009
7			देवरपट्टी	देवरपट्टी	ज्ञानती देवी	9794462449
8			काशीपुर डुबकी	काशीपुर डुबकी	नीलम परी	8840782380
9		कुण्डा	बरई	बरई	मीना यादव	6388459343
10			सरियांवा	सरियांवा	राधा सिंह	9498255753

उक्त में से 03 आंगनवाडी कार्यकत्री मंच पर जाएंगी 03 आंगनवाडी कार्यकत्रियाँ जिनको मंच पर उपस्थित होना है की सूची निम्नवत् है-

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांकः 28 सितम्बर, 2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम
28 सितम्बर, 2024

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय, कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डना मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि
श्रीमती सीमा सत्यकाम

वक्ता
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (समूह–1)
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (समूह–2)
डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (समूह–3)

कार्यक्रम निदेशक
प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक
प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–संयोजक
डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह आयोजन सचिव
डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन समिति
डॉ. स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ अनिल कुमार यादव, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन
2. मुख्य वक्ता के वक्तव्य

परिशिष्टियाँ (1 से 5)

1. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट–1)
2. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)
3. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट–3)
4. प्रेषित पत्र (परिशिष्ट–4)
5. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–5)

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न ऑगनबाड़ियों में दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को **''स्वच्छता ही सेवा''** अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। प्रो0 श्रुति ने बताया कि, भारत में स्वच्छता मिशन को 'स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। WHO के अनुसार स्वच्छता उन स्थितियों और प्रथाओं को संदर्भित करती है जो स्वास्थ्य को बनाये रखने और बिमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करती है।' स्वच्छता केवल व्यक्तिगत सफाई तक ही सीमित नहीं है वरन् इसमें पर्यावरणीय स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, घरेलू स्वच्छता, सामाजिक स्वच्छता आदि भी समाहित हैं। वर्ष 2012 में रियो दी जनेरो, ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में सतत् विकास लक्ष्य (Sustanable Development Goals) प्रथम बार सभी देशों के सतत् विकास के लिए प्रस्तावित हुए थे। जिसके 6वें लक्ष्य में ''Clean Water & Sanitation'' भी है, जिसे 2030 तक पाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसका उद्देश्य सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना है। भारत में 01 जनवरी 2015 को नीति आयोग की स्थापना की गयी तथा इस सतत् विकास के लक्ष्य प्राप्ति का वर्ष 2030 निर्धारित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत करते हुये कहा था कि ''एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश महात्मा गॉधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजली दे सकते हैं।'' 02 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तरीके से राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरु किया गया। इसी क्रम में इस वर्ष भी 17 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 ''स्वच्छता

ही सेवा'' अभियान **''स्वाभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता''** की थीम के साथ मनाया जा रहा है।

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम, मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. श्रुति ने मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अवगत कराते हुए बताया कि यह कार्यक्रम गोहरी गाँव की सभी 09 अलग–अलग आँगनवाड़ियों में एक साथ संचालित होगा जिसके लिए केन्द्र के सदस्यों को तीन अलग–अलग समूहो में बॉटा गया है। प्रथम समूह में, प्रो. श्रुति, डॉ. दीपा चौबे, श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, श्री अंकित मिश्रा, श्री अमित शर्मा, द्वितीय समूह में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. अब्दुल रहमान, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री मनीष यादव तथा तृतीय समूह में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सफीना सामवी, श्री अनूप कुमार तथा श्री संतोष हैं। प्रथम समूह ऑगनवाड़ी केन्द्र संख्या 02,04 एवं 08, द्वितीय समूह 03, 05 एवं 06 तथा तृतीय समूह केन्द्र संख्या 01,07 एवं 09 (मिनी) में कार्यक्रम को संचालित करेगें।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वंय प्रथम समूह के साथ ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. दीपा चौबे ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 श्रुति प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554935°
Long 81.85731°
28/09/24 12:06 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.55438°
Long 81.862139°
28/09/24 11:29 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554935°
Long 81.857309°
28/09/24 12:08 PM GMT +05:30
Google

द्वितीय समूह के सदस्यों ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. धर्मवीर सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। द्वितीय समूह के नेतृत्व कर्ता सह प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

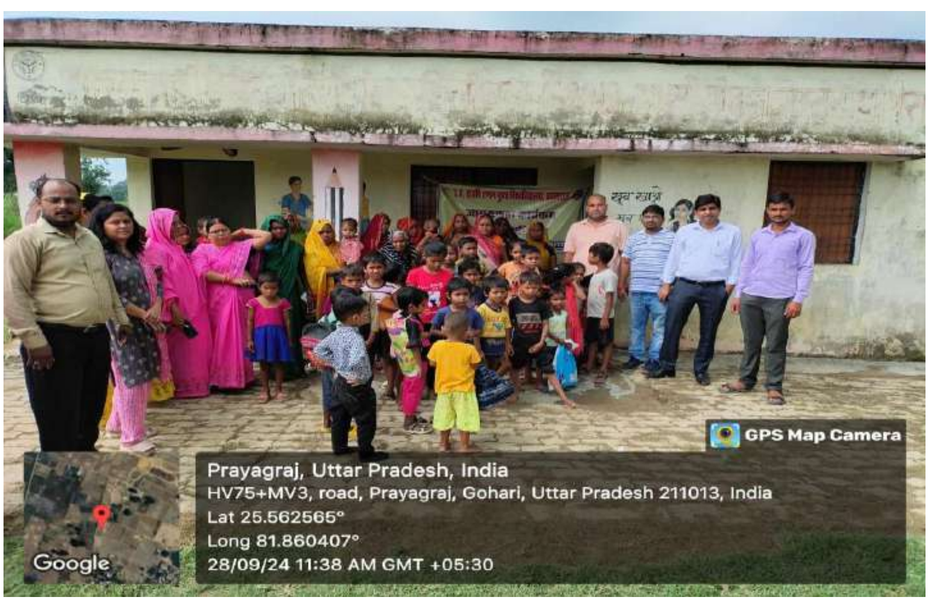

तृतीय समूह के सदस्यों ने भी ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। तृतीय समूह के नेतृत्व कर्ता सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. साधना श्रीवास्तव ने समस्त उपस्थिति लोगों का धन्यवाद किया। तथा इस धन्यवाद् ज्ञापन के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. अब्दुल रहमान, डॉ. सफीना सामवी तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार के साथ साथ समस्त आँगनवाड़ियों की कार्यकत्रियों, श्रीमती विमलेश मिश्रा, मीरा पाल, कंचन गुप्ता, सविता देवी, सुनीता पाण्डेय, विद्यादेवी, मीरा पाण्डेय, प्रियंका पाण्डेय तथा सविता मौर्या एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शान्ति देवी, मंजू पाल, सन्नो देवी, मालती देवी, सविता दुबे तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें एवं बच्चें उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गॉव गोहरी के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच स्वच्छता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ऑगनबाड़ी में आयोजित किया गया।

<u>स्वच्छता अभियान : एक संक्षिप्त परिचय</u>

डॉ. धर्मवीर सिंह
असि.प्रो. जैव रसायन
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

स्वच्छता और साफ–सफाई हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जो न केवल हमें स्वस्थ रहने में मदद करती हैं बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्वच्छता का अर्थ केवल शरीर या आसपास की वस्तुओं को साफ रखना ही नहीं है, बल्कि यह व्यापक रूप में जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ी होती है, चाहे वह व्यक्तिगत हो, सामाजिक हो या पर्यावरणीय। एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए स्वच्छता और साफ–सफाई को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

1. **व्यक्तिगत स्वच्छताः** व्यक्तिगत स्वच्छता का तात्पर्य है, शरीर, कपड़ों और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं की साफ–सफाई का ध्यान रखना। शारीरिक स्वच्छता हमें अनेक संक्रामक रोगों और बीमारियों से बचाती है। नियमित स्नान करना, साफ कपड़े पहनना, नाखूनों की सफाई, दांतों की देखभाल, और बालों को साफ रखना, ये सभी व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रमुख अंग हैं। यह केवल बाहरी रूप से स्वस्थ रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी मानसिक स्थिति और आत्मविश्वास को भी प्रभावित करती है। जब हम स्वच्छ और साफ–सुथरे होते हैं, तो हम खुद को अच्छा महसूस करते हैं और सामाजिक रूप से बेहतर तरीके से संवाद कर पाते हैं।

   विशेष रूप से हाथों की सफाई का बहुत महत्व है। अधिकांश बीमारियाँ जैसे डायरिया, फ्लू, और अन्य संक्रामक रोग गंदे हाथों के कारण फैलते हैं। खाने से पहले और शौचालय के बाद हाथ धोने की आदत हमें इन बीमारियों से बचा सकती है। कोरोना महामारी के दौरान हाथ धोने और सैनिटाइजेशन के महत्व को विश्वभर में समझा गया। इसने स्पष्ट किया कि छोटी–छोटी स्वच्छता की आदतें किस प्रकार हमारे जीवन को सुरक्षित बना सकती हैं।

2. **घर और आसपास की स्वच्छताः** व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ–साथ घर और आसपास की सफाई भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। घर वह स्थान है जहाँ हम अधिकांश समय बिताते हैं, और अगर हमारा घर स्वच्छ नहीं है, तो यह अनेक बीमारियों और संक्रमणों का स्रोत बन सकता है। घर की नियमित सफाई, खासकर रसोई, बाथरूम और शौचालय की साफ–सफाई, आवश्यक है। रसोईघर में रखी वस्तुओं की सफाई और भोजन को ढककर रखना चाहिए ताकि मक्खियाँ और अन्य कीटाणु भोजन को संक्रमित न कर सकें। शौचालय की स्वच्छता न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बल्कि सार्वजनिक

स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। खुले में शौच करने से अनेक बीमारियाँ फैलती हैं, और यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है।

घर के आसपास की सफाई भी उतनी ही आवश्यक है। सड़कों पर कूड़ा–कचरा न फेंकना और सार्वजनिक स्थानों की सफाई में योगदान देना एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। गंदगी और कूड़ा–कचरा मच्छरों, मक्खियों और अन्य हानिकारक जीवों को आकर्षित करते हैं, जो अनेक संक्रामक बीमारियों को फैलाने का कारण बनते हैं। मलेरिया, डेंगू, और चिकनगुनिया जैसी बीमारियाँ गंदे पानी में पनपने वाले मच्छरों के कारण फैलती हैं। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखें और कचरे का सही तरीके से निपटान करें।

3. **पर्यावरणीय स्वच्छताः** पर्यावरणीय स्वच्छता से तात्पर्य है जल, वायु, और भूमि की स्वच्छता का ध्यान रखना। प्राकृतिक संसाधनों का स्वच्छ और सुरक्षित रहना हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। जलस्रोतों का प्रदूषण, जैसे नदियों, तालाबों और झीलों में कचरा डालना या अव्यवस्थित रूप से औद्योगिक अपशिष्ट का निपटान, गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनते हैं। प्रदूषित जल से अनेक बीमारियाँ फैलती हैं जैसे कि पेचिश, हैजा, और टाइफाइड। इसलिए हमें जलस्रोतों को स्वच्छ रखने और उनमें किसी भी प्रकार का कचरा या गंदगी न डालने की आदत बनानी चाहिए।

वायु प्रदूषण भी पर्यावरणीय अस्वच्छता का एक प्रमुख रूप है, जो हमारे स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। वायु प्रदूषण का मुख्य कारण औद्योगिक धुएँ, वाहनों से निकलने वाला धुआँ, और जलने वाले कचरे से उत्पन्न होने वाले हानिकारक गैसें हैं। इससे सांस लेने में कठिनाई, अस्थमा, और अन्य श्वसन संबंधी रोग उत्पन्न होते हैं। इसलिए, हमें स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना चाहिए, जैसे कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, और वाहनों के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिए।

4. **स्वच्छता का सामाजिक और आर्थिक महत्वः** स्वच्छता न केवल स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है। एक स्वच्छ समाज का अर्थ है एक स्वस्थ समाज। जब समाज के लोग स्वस्थ होंगे, तो वे अधिक उत्पादक होंगे और समाज की समृद्धि में योगदान देंगे। इसके विपरीत, गंदगी और अस्वच्छता से बीमारियों का फैलाव होता है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ता है और समाज की उत्पादकता कम होती है। स्वच्छता के अभाव में बड़े पैमाने पर बीमारियाँ फैल सकती हैं, जिससे आर्थिक नुकसान होता है और गरीब लोग विशेष रूप से प्रभावित होते हैं।

भारत में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसे प्रयास किए गए हैं। यह अभियान 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य है देशभर में स्वच्छता की आदतों को बढ़ावा देना और खुले में शौच से मुक्ति दिलाना। इस अभियान

ने देशभर में स्वच्छता के महत्व को उजागर किया और लोगों को सफाई के प्रति जागरूक बनाया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों के निर्माण में वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

5. **स्वच्छता और स्वास्थ्य का संबंध:** स्वच्छता और स्वास्थ्य का आपस में गहरा संबंध है। गंदगी और अस्वच्छता से उत्पन्न होने वाले हानिकारक जीवाणु और वायरस स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं। मलेरिया, डेंगू, टायफाइड, दस्त, और हैजा जैसी बीमारियाँ अस्वच्छता से ही उत्पन्न होती हैं। अगर हम स्वच्छता का ध्यान रखें, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। इसलिए, स्वच्छता को प्राथमिकता देकर हम अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकते हैं।
6. **मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता:** शारीरिक स्वच्छता के साथ–साथ मानसिक स्वच्छता भी आवश्यक है। साफ–सुथरा वातावरण मानसिक शांति और ताजगी प्रदान करता है। एक गंदे और अव्यवस्थित वातावरण में जीवन यापन करने से मानसिक तनाव और बेचौनी बढ़ सकती है। इसके विपरीत, स्वच्छ और सजीव वातावरण सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे हमारा मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

निष्कर्ष: स्वच्छता और साफ–सफाई हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में सहायक होती हैं, बल्कि मानसिक शांति और सामाजिक समृद्धि में भी योगदान देती हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम व्यक्तिगत, घरेलू और पर्यावरणीय स्वच्छता के महत्व को समझें और उसे अपने दैनिक जीवन में उतारें। स्वच्छता के प्रति हमारी जागरूकता न केवल हमें बीमारियों से बचाएगी, बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण को भी स्वस्थ और सुरक्षित बनाएगी।

स्वच्छता का पालन करके हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं और एक स्वस्थ, समृद्ध और स्वच्छ समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। स्वच्छता की आदतें न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, ताकि वे एक स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण में जीवन जी सकें।

<u>स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान</u>

डॉ. दीपा चौबे
सहायक आचार्य, जीव विज्ञान
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के मार्गदर्शन में **स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान** के अन्तर्गत **महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र** के द्वारा आज दिनांक 28 सितम्बर 2024 को गोहरी गॉव के अन्तर्गत आने वाली आँगनवाड़ी केन्द्र (02, 04 एवं 08) में स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम हेतु एकत्रित हुए हैं।

स्वच्छता दिवस का आयोजन हर साल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर किया जाता है। यह दिन स्वच्छता और स्वच्छ भारत अभियान को समर्पित होता हैए जिसे प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी के जन्मदिन पर शुरू किया था। स्वच्छता दिवस का उद्देश्य देशभर में स्वच्छता के महत्व को बढ़ावा देना और जनसहभागिता से स्वच्छता अभियान को सफल बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी जी का कहना है कि स्वच्छता केवल एक सरकारी काम नहीं हैए बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उनके इस आह्वान के बाद देशभर में स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इस अभियान के तहत हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता का प्रसार किया जाय। इसके अंतर्गत सड़कोंए गलियोंए सार्वजनिक स्थलों और शौचालयों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

साफ सुथरे वातावरण में रहने से मानसिक शान्ति और सकारात्मकता का माहौल बनता है। व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करके आप और हम अपने परिवार और समाज के लिए अच्छा उदाहरण बन सकते हैं। यहाँ व्यक्तिगत स्वच्छता का अर्थ हाथ, बाल, नाखून, कान की स्वच्छता साथ ही साथ अपने कपड़ों की स्वच्छता होनी चाहिए।

अभी कोरोना काल में रोगियों की बढ़ती संख्या एवं अस्पतालों में साफ–सफाई की ध्यान देने की आवश्यकता से स्पष्ट है कि जीवन में स्वच्छता कितनी जरुरी है। स्वच्छता का संदेश हम सफाई अभियान, रैली, जागरुकता कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालय और स्थानीय लोग में सक्रिय भागीदारिता के माध्यम से करते हैं।

इस अवसर पर हमें सफाई अभियान में शामिल हो करके तथा अपने आस–पास की गंदगी को साफ करने के लिए लोगों को प्रेरिता करना होगा। इस हेतु बच्चों के लिए पेंटिंग, निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन करके स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, डिजिटल माध्यमों के जरिए भी स्वच्छता का संदेश फैलाया जा रहा है। स्वच्छता दिवस पर विभिन्न

संस्थाओं द्वारा वृक्षारोपण, जल संरक्षण और कचरा प्रबंधन जैसे अन्य पर्यावरणीय मुद्दों पर भी ध्यान देकर हम स्वच्छता का संदेश दे सकते हैं।

स्वच्छता दिवस का **मुख्य संदेश** यह है कि स्वच्छता केवल सरकार या सफाई कर्मचारियों का काम नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हम अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, तो यह न केवल हमारे स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाएगा, बल्कि पर्यावरण को भी संरक्षित करेगा।

स्वच्छता अभियान के तहत उठाये गये कदम–

1. शौचालय निर्माण: स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में करोड़ों शौचालय बनाए गए हैं, जिससे खुले में शौच की समस्या को कम किया गया।

2. कचरा प्रबंधन: कचरा प्रबंधन के लिए सरकार ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (ठोस कचरा प्रबंधन) और गीला-सूखा कचरे को अलग करने पर जोर दिया है। कचरे के निपटान के लिए रिसाइक्लिंग और पुनर्चक्रण की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।

3. स्वच्छता एप: सरकार ने स्वच्छता एप्स को लॉन्च किया है, जहां नागरिक कचरे और गंदगी की समस्या की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इससे सरकार तुरंत कार्यवाही कर सकती है और स्वच्छता सुनिश्चित की जाती है।

4. साफ-सफाई के लिए सामुदायिक भागीदारी: स्वच्छता अभियान में आम नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। इस भागीदारी ने स्वच्छता को एक आंदोलन का रूप दिया, जिससे समाज में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

5. स्कूलों और कॉलेजों में स्वच्छता शिक्षा: स्वच्छता को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है ताकि बच्चों को छोटी उम्र से ही स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके।

6. स्वच्छता सर्वेक्षण: हर साल स्वच्छता सर्वेक्षण कराया जाता है, जिसमें देश के सभी शहरों और कस्बों की स्वच्छता स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है। इस सर्वेक्षण से स्वच्छता के प्रति एक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हुई है।

7. वृक्षारोपण अभियान: पर्यावरण की सुरक्षा के लिए स्वच्छता के साथ-साथ वृक्षारोपण पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हर साल लाखों पेड़ लगाए जा रहे हैं ताकि पर्यावरण स्वच्छ और हरा-भरा बना रहे।

8. जल संरक्षण अभियान: स्वच्छता के साथ जल संरक्षण पर भी ध्यान दिया गया है। जल संरक्षण और पुनः उपयोग (रिसाइक्लिंग) की प्रक्रिया के माध्यम से पानी की बर्बादी को रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं।

अतः हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि स्वच्छता दिवस पार होने वाले सफाई अभियान में जब हम सभी शामिल हो तो यह समझें कि स्वच्छता सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए आवश्यक है। यह मानसिकता लोगों को अपने घरों और आस–पास के इलाकों को साफ–सुथरा रखने की प्रेरणा देगी। इस प्रकार व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी का भाव विकसित होगा।

स्वच्छता दबाव में करने वाला कार्य नहीं है यह एक अच्छी आदत है। हमारे एक अच्छे स्वस्थ्य जीवन के लिए। स्वच्छता बहुत जरुरी है चाहे वह व्यक्तिगत हो, अपने आस–पास की, पर्यावरण की, पालतू जानवरों की या काम करने की जगह (स्कूल, कॉलेज, कार्यालय आदि) हो। हम सभी को जागरुक होना चाहिए कि कैसे हम अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को बनाए रखें।

युवाओं के माध्यम से स्वच्छता की भावना समाज के हर तबके में फैल रही है। वे अपने प्रयासों से न केवल खुद को बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इससे न केवल शारीरिक स्वच्छता का महत्व बढ़ा है, बल्कि मानसिक स्वच्छता और अनुशासन का भी विकास हुआ है। स्वच्छता दिवस केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक लंबी अवधि का आंदोलन है, जो हमें अपने आस.पास के वातावरण को साफ और स्वस्थ रखने के लिए प्रेरित करता है। स्वच्छता का यह संदेश हमें अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा ताकि हम एक स्वस्थ और स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकें।

स्वच्छता दिवस का आयोजन हमें इस बात की याद दिलाता है कि एक स्वच्छ भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हर नागरिक स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझेगा। आज जब हम इस दिशा में कदम उठा रहे हैं तो यह जरुरी है कि हम इसे अपने जीवन की आदतों में शामिल करें और आने वाली पीढ़ियों को इस दिशा में प्रेरित करें।

****

स्वच्छता ही सेवा - 2024 (स्वच्छता संस्कार, स्वच्छता व्यवहार)

डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह
सहायक आचार्य, जैव रसायन
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता का अर्थ है अपने आसपास की जगह को गंदगी से मुख्त रखना और खुद को साफ सुथरा रखना। लेकिन सिर्फ अपने घर की और खुद की सफाई, स्वच्छता नहीं होता है। बल्कि स्वच्छता का मतलब हमारे घर से आस-पड़ोस में भी मौजूद गंदगी जैसे धूल, मिट्टी, खुला कचड़ा, जमा हुआ गंदा पानी, गढ्ढे, आदि इन सब से भी मुक्त होना जरूरी है। अगर हमारे चारों तरफ सफाई बनी रहेगी तो हमारा स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। वैसे तो कहा जाता है कि अगर आपका मन साफ है तो आप तब भी स्वच्छ माने जाते हैं। इंसानों के लिए मन की सफाई आस-पास की सफाई जितना ही महत्वपूर्ण हो गया है। स्वच्छता को बरकरार रखने के लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री भी स्वच्छता अभियान का पालन करने का आग्रह करते हैं। ऐसी ही कुछ स्वच्छता की आदतों का पालन बड़ों के साथ-साथ बच्चों को भी करना चाहिए ताकि वह कई तरह की बीमारियों से बच सकें।

स्वच्छता हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। बचपन से ही हमें यह सिखाया जाता है कि हमें हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सब में होनी चाहिए। हमे अपने घर, स्कूल, आसपास की साफ-सफाई का ख्याल खुद रखना चाहिए। इस प्रकार यह कार्य किसी एक का न होकर हम सब की जिम्मेदारी का हिस्सा बन जएगा और सबके सहयोग से देश स्वच्छ रहेगा। अगर हमारे घर में पालतू जानवर हो या हम जानवरों के शौकीन हो तो हमें उनकी सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए उन्हें समय समय पर नहलाना चाहिए। इसी प्रकार हमें खुद भी रोजाना नहा कर साफ कपड़े पहनना चाहिए। जब भी हम कहीं बाहर से आते हैं तो हमे सबसे पहले अपने हाथों को धोना चाहिए, क्योंकि जब हम बाहर होते हैं तो कई ऐसी चीजों के संपर्क में आते हैं जो संक्रमित होती हैं और हम उनसे गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। हम हाथों का प्रयोग अधिक करते हैं इसलिए सबसे पहले अपने हाथों का धोना चाहिए और संभव हो तो उसके बाद स्नान भी कर लें, ताकि हम खुद को और अपने परिवार व अपने आस-पास मौजूद अन्य लोगों को बीमारियों से दूर रख सकें।

देश में स्वछता को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया। इसका असर काफी सकारात्मक रूप से देखने को मिल रहा है और लोग देश को गंदगी मुक्त बनाने के लिए समूह में काम कर रहे हैं। यह समूह शहर शहर और गाओं तक पहुंच कर लोगों में स्वछता के प्रति जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका मकसद गलियों, सड़कों को साफ-सुथरा करना और कूड़ा साफ रखना है। ताकि देश का विकास तेजी से हो और बाहरी देशों के पर्यटक ज्यादा से ज्यादा हमारे देश में आएं और देश की अर्थव्यवस्था में भी बढ़ोतरी हो।

''देश तभी साफ होगा जब सफाई में सबका हाथ होगा'' इसी नारे के साथ हमे देश की प्रगति के लिए स्वछता का खास ख्याल रखना है। स्वच्छता की शुरुआत सभी को सबसे पहले अपने घर से करनी चाहिए। इसलिए अपने घर को साफ रखना बहुत जरूरी है। जैसे कि, घर में कूड़ा फैलाकर नहीं रखें, कूड़ा जब भी फेंके तो कूड़ेदान में ही फेंके, अपने आसपास पेड़-पौधे लगाएं, गंदा पानी इकठ्ठा होने से बचाएं आदि। यह आदतें काफी लाभदायक होती हैं। यह आदतें घर से शुरू होकर बाहर सड़कों और स्कूलों में पहुंचना जरूरी है। इसके अलावा हमें दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए क्योंकि उनके लिए भी स्वच्छता उतना ही जरूरी है।

स्वच्छता क्या है ? (What Is Cleanliness?)

स्वच्छता का मतलब खुद को, अपने परिवार को और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना होता है। स्वच्छता की आदतों का पालन करने के लिए कभी भी किसी के जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए बल्कि एक दूसरे को इन आदतों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो किसी के भी जीवन को बेहतर बना सकती है और कई बिमारियों से बचा कर लंबी उम्र भी प्रदान करती है। बच्चे यह आदतें सबसे पहले अपने माता-पिता फिर उसके बाद अपने शिक्षक से सीखते हैं। स्वच्छता से जुड़ी अच्छी आदतों का पालन करने के लिए बच्चों को बचपन से ही प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे उन्हें जागरूकता हासिल होगी। साफ-सफाई कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है बल्कि अगर आप ठान लें, तो आसानी से पालन किया जा सकता है। स्वच्छता से समझौता करने की गलती कभी नहीं करनी चाहिए। यह मनुष्यों और जानवरों के स्वास्थ्य और विकास के लिए जरूरी है।

स्वच्छता के प्रकार (Type of Cleanliness)

स्वच्छता को आमतौर पर दो अलग-अलग भागों में बांटा जा सकता है। पहला व्यक्तिगत स्वच्छता और दूसरा पर्यावरण की स्वच्छता।

व्यक्तिगत स्वच्छता

स्वच्छता आपके व्यक्तिगत सफाई में अहम भूमिका निभाता है। इसमें हमे अपने शरीर और व्यक्तिगत सामान की सफाई रखना जरूरी है। व्यक्तिगत रूप से स्वच्छ रहने का मतलब होता है- साफ और धुले कपड़े पहनना, रोज नहाना, ब्रश करना, अच्छी आदतें अपनाना आदि। सिर्फ इतना ही हम जहां भी जाते हैं चाहे वो ऑफिस हो या फिर कहीं और, व्यक्तिगत स्वच्छता दूसरों को भी प्रभावित करती है। क्या आपका ऑफिस जहां आप अपने दिन का आधे से ज्यादा समय बिताते हैं, वह गन्दा रहता है? अगर ऐसा है, तो आपको स्वच्छता की आदतों का पालन करना बेहद जरूरी है। स्वच्छता केवल आपके शरीरिक रूप तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह उससे कई गुना है।

पर्यावरण स्वच्छता

पर्यावरण से जुड़ी स्वच्छता से यह तात्पर्य है कि हमारे आसपास की वह चीजें जिनसे कम हस्तक्षेप कर के बेहतर पर्यावरण का विकास कर सकते हैं। यदि हम अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाते हैं तो इससे हमारे पर्यावरण को कई फायदें हासिल होंगे। यह तो हर किसी को पता है कि जैसे हम अपना शरीर साफ रखते हैं और उसको किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं, उसी तरह पर्यावरण को भी स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हमारी है।

स्वच्छता के फायदें (Benefits of Cleanliness)

- स्वच्छता बनाए रखने से आपका स्वास्थ्य हमेशा अच्छा बना रहता है।
- स्वच्छता के कारण हम कीटाणुओं और बीमारियों से बचे रहेंगे।
- स्वच्छता का पालन करने से हमारे पर्यावरण में भी सुधार आएगा।
- स्वच्छ आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से व्यक्ति कई तरह की बीमारियों से बचा रहता है।
- साफ सुथरे वातावरण में किसी भी बीमारी के फैलने की संभावना कम से कम होती है।

स्वच्छ भारत अभियान

श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की नई दिल्ली, राजपथ पर शुरूआत करते हुए कहा था कि "एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश में महात्मा गांधी की जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजलि दे सकते हैं।" 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तौर पर राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर 2019 तक "स्वच्छ भारत" की परिकल्पना को साकार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा चलाया गया सबसे महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान है। श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया गेट पर स्वच्छता के लिए आयोजित एक प्रतिज्ञा समारोह की अगुआई की थी। जिसमें देश भर से आए हुए लगभग 50 लाख सरकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर राजपथ पर एक पदयात्रा को भी झंडी दिखाई थी और न केवल सांकेतिक रूप से दो चार कदम चले बल्कि भाग लेने वालों के साथ काफी दूर तक चलकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया।

स्वच्छता के जन अभियान की अगुआई करते हुए प्रधान मंत्री ने जनता को महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण वाले भारत के निर्माण के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया। श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं मंदिर मार्ग पुलिस थाने में स्वच्छता अभियान को शुरू किया। धूल-मिट्टी को साफ़ करने के लिए झाडू उठाकर स्वच्छ भारत अभियान को पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप दिया और कहा कि लोगों को न तो स्वयं गंदगी फैलानी चाहिए और न ही किसी और को फैलाने देना चाहिए। उन्होंने "न गंदगी करेंगे, न करने देंगे।" का मंत्र भी दिया। श्री नरेन्द्र मोदी ने नौ लोगों को स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया और उनमें से हर एक से यह अनुरोध किया वो अन्य नौ लोगों को इस पहल में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

लोगों को इस अभियान में शामिल होने का आह्वान करके स्वच्छता अभियान एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छ भारत अभियान के संदेश ने लोगों के अंदर उत्तरदायित्व की एक अनुभूति जगा दी है। अब जबकि नागरिक पूरे देश में स्वच्छता के कामों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हो रहे हैं, महात्मा गांधी द्वारा देखा गया 'स्वच्छ भारत' का सपना अब साकार होने लगा है। प्रधान मंत्री ने अपनी बातों और अपने कामों से स्वच्छ भारत के संदेश को लोगों का प्रयोग करके पूरे भारत और पूरी दुनिया में फैला दिया है। उन्होंने वाराणसी में भी स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत गंगा नदी के निकट अस्सी घाट पर फावड़ा चलाया। बड़ी संख्या में उनके साथ शामिल होकर स्वच्छता अभियान में उनका सहयोग दिया। स्वच्छता के महत्व को समझते हुए प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसके साथ ही साथ स्वास्थ्य

संबंधी समस्याओं को हल करने की बात भी उठाई है। ये स्वास्थ्य समस्यायें लगभग आधे भारतीय परिवारों को घर में उचित शौचालय न होने के कारण झेलनी पड़ रही हैं।

समाज के विभिन्न वर्गों ने आगे आकर स्वच्छता के इस जन अभियान में हिस्सा लिया है और अपना योगदान दिया है। सरकारी कर्मचारियों से लेकर जवानों तक, बालीवुड के अभिनेताओं से लेकर खिलाड़ियों तक, उद्योगपतियों से लेकर अध्यात्मिक गुरुओं तक सभी ने इस महान काम के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। देश भर के लाखों लोग सरकारी विभागों द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता के इन कामों में आए दिन सम्मिलित होते रहे हैं, इस काम में एनजीओ और स्थानीय सामुदायिक केन्द्र भी शामिल हैं, नाटकों और संगीत के माध्यम से सफाई-सुथराई और स्वास्थ्य के गहरे संबंध के संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाये जा रहे हैं। प्रधान मंत्री ने जनता और विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा स्वच्छ भारत मिशन में हिस्सा लेने और एक स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों की सराहना की है। श्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया में जनता की भागीदारी की हमेशा मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। साथ ही साथ स्वच्छ भारत अभियान के एक हिस्से के तौर पर '#My CleanIndia' अभियान भी शुरू किया गया है ताकि सफाई-सुथराई के लिए चलाए जा रहे इस अभियान में नागरिकों के योगदान को उजागर किया जा सके।

समाचार पत्र की सुर्खियां

PRAYAGRAJ THURSDAY, 05 SEPTEMBER 2024

JEEVAN EXPRESS

EDITORIAL NEWSCAST SPORT

Rural women can uplift their families through skill training - Seema Satyakam

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The Centre for Women's Studies and Extended Activities of the Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, Uttar Pradesh, organised a literacy awareness programme on the eve of Teachers' Day under the Beti Bachao Beti Padhao programme at the Mohanganj Fulwaria Anganwadi Centre in Gohari village, adopted by the Science Vidya branch, on Wednesday.

The chief guest of the awareness program, Mrs. Seema Satyakam said that women can develop their families by taking benefit from skill-related education and training programs. She said that if women are educated and trained, then their families and the women of the surrounding villages will also benefit from it. This will lead to development of rural women and they will be empowered. She motivated the rural women to advance the education of their daughters. Mrs. Seema Satyakam discussed with Anganwadi center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women from the rural area about their education and skills and other topics.

Professor Shruti, in-charge of Women's Studies and Extended Activities Centre and programme coordinator, distributed diaries, pens etc. to Anganwadi workers, assistants and the women and children present there. Professor Shruti made the rural women aware of the importance of education. She said that the role of an educated woman helps in making the society strong and developed.

Assistant in-charge of the centre and main speaker of the programme Dr Trivikram Tiwari motivated them to join the university and told them in detail about the Beti Bachao Beti Padhao programme being run by the government. He said that an educated woman can herself pay attention to the education of her children. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. Society and nation will also progress if they become literate. Assistant in-charge of the centre Dr Sadhana Srivastava gave the vote of thanks. On this occasion Professor Shruti, Dr Anandanand Tripathi, Dr Sadhana Srivastava, Dr Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr Anil Kumar Yadav, Dr Dharamvir Singh, Dr Deepa Chaubey, Dr Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women and children of rural areas etc. were present.

Daily News

SANYAM BHARAT

THURSDAY, 05 SEPTEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00

EDIT PRAYAGRAJ NATION

Rural women can improve their family via skill training: Seema Satyakam

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj's Women's Studies and Extended Activity Center on Wednesday at Mohanganj Phulwaria Anganwadi Center of village Gohri, adopted by Vigyan Vidya branch. Under the Beti Bachao Beti Padhao program, a literacy awareness program was organized on the eve of Teacher's Day. Seema Satyakam, the chief guest of the awareness program, said that women can improve their families by getting benefits from skill-related education and training programs. . He said that if women are educated and trained, their families and the women of nearby villages will also benefit from it. Due to which rural women will also develop and become empowered. She inspired rural women to further their daughters' education. Mrs. Seema Satyakam discussed their education and skills and other topics with Anganwadi Center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women of rural areas. In-charge and program coordinator of Women's Study and Extended Activity Center Professor Shruti distributed diaries, pens etc. to the Anganwadi workers, helpers and the women and children present there. Professor Shruti made rural women aware of the importance of education.

He said that the role of an educated woman is helpful in strengthening and developing the society. Dr. Trivikram Tiwari, assistant in-charge of the center and keynote speaker of the program, inspired them to join the university and explained in detail about the Beti Bachao Beti Padhao program being run by the government. He said that an educated woman can focus on the education of her children herself. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. With their becoming literate, society and nation will also progress. The vote of thanks was given by Dr. Sadhna Srivastava, assistant in-charge of the centre. On this occasion, Professor Shruti, Dr. Anandanand Tripathi, Dr. Sadhna Srivastava, Dr. Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr. Anil Kumar Yadav, Dr. Dharamvir Singh, Dr. Deepa Chaubey, Dr. Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women from rural areas and Children etc. were present.

PUBLIC NOTICE

Whom so ever it may concern the original allotment letter dated 03.12.2012 and possession letter dated 01.04.2013 of the property Flat No. 12/303 LIG (Second Floor) Budh Vihar Aavas Yojana Devghat Jhalwa, Pargana & Tehsil - Sadar, Prayagraj. Area - 40.83 Sq. Mtrs. which is chin document and has been lost and lodge the FIR and the property is going to mortgage before LICHFL, Allahabad, if anyone having objection may file the same within 07 days from the date of publication to the address mentioned as SOMIL SRIVASTAVA ADVOCATE through Bandhan Bank Ltd., Allahabad, Mobile No. 8299703468 and Merazuddin (Creadit Manager) Mobile No. 9696979863.

RNI NO-UPHIN/2023/84348

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकत्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर

नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- एडी.34/2021-23

प्रयागराज, गुरूवार 05 सितम्बर,2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनवाड़ी के कार्यकत्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 360
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 5 सितम्बर, 2024
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/र
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

प्रयाग प्रभात

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 04 सितंबर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत

बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाडी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाडी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्व विद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं

'परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाए'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

दैनिक अमृत प्रभात
जनता के साथ जनता की आवाज

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं

अमृत प्रभात, फाफामऊ (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम वा शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा। बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्य समग्र

वर्ष : 02 अंक : 197 प्रयागराज, गुरुवार 05 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जागरूकता कार्यक्रम की

मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं।उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा।जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी।उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे,सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी,शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी,पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ० त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है।महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है।इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा।धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ० साधना श्रीवास्तव ने किया।इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति,डॉ० आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ० साधना श्रीवास्तव,डॉ०त्रिविक्रम तिवारी,राजेश गौतम,डॉ० अनिल कुमार यादव,डॉ० धर्मवीर सिंह,डॉ० दीपा चौबे,डॉ० दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएंः सीमा सत्यकाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफ़ेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

पायनियर

लखनऊ, गुरुवार 5 सितंबर 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएंः सीमा सत्यकाम

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडेय सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी शांति देवी के साथ साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी पेन आदि वितरित किए। प्रो श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

विविध : विग बी की मुरीद हुई श्रद्धा कपूर * लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित

E-mail : virarjunlko@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com

लखनऊ, गुरुवार 5 सितंबर 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं: सीमा सत्यकाम

प्रयागराज ब्यूरो। ,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी

मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है।

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित
प्रयागराज से प्रकाशित

सुविचार
मनुष्य को झूठ नहीं बोलना चाहिए।परन्तु अनावश्यक रुप से अप्रिय सत्य भी न बोला जाय। अत्यधिक बोलने से वाणी की शक्तिऔर विश्वसनीयता नष्ट हो जाती है
शुभ प्रभात।

वर्ष: 3, अंक 243 प्रयागराज गुरुवार 05 सितम्बर, 2024 विक्रम संवत 2081, प्रातः संस्करण, पृष्ठ:8, मूल्य: 01 रूपया

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र मे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमो से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओ को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओ को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओ का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओ को बेटियो की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियो प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओ राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओ से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयो पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी की कार्यकत्रियो,सहायिकाओ तथा वहां उपस्थित महिलाओ एवं बच्चो को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओ को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने मे सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हे विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चो की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओ एवं बेटियो की साक्षरता आने वाली पीढ़ियो की उन्नति मे सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
संयम भारत
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
वर्ष : 18 अंक : 166
नगर संस्करण,
पृष्ठ - 4,
मूल्य 1.00 रु0
उत्तर प्रदेश गुरूवार, 05 सितम्बर 2024 प्रयागराज विचार

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति

देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
28 सितम्बर, 2024
मुक्त चिन्तन

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न ऑगनबाड़ियों में आज दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत करते हुये कहा था कि ''एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश 2019 में महात्मा गॉधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजली दे सकते हैं।'' इस प्रकार 02 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तरीके से राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरु किया गया। इसी क्रम में इस वर्ष भी 17 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान ''स्वाभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता'' की थीम के साथ मनाया जा रहा है।

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम, मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. श्रुति ने मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अवगत कराते हुए बताया कि यह कार्यक्रम 09 अलग–अलग आँगनवाड़ियों में एक साथ संचालित होगा जिसके लिए केन्द्र के सदस्यों को तीन अलग–अलग समूहो में बॉटा गया है। प्रथम समूह में, प्रो. श्रुति, डॉ. दीपा चौबे, श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, श्री अंकित मिश्रा, श्री अमित शर्मा, द्वितीय समूह में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. अब्दुल रहमान, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री मनीष यादव तथा तृतीय समूह में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सफीना सामवी, श्री अनूप कुमार तथा श्री संतोष हैं। प्रथम समूह ऑगनवाड़ी केन्द्र संख्या 02,04 एवं 08, द्वितीय समूह 03, 05 एवं 06 तथा तृतीय समूह केन्द्र संख्या 01,07 एवं 09 में कार्यक्रम को संचालित करेगें।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वंय प्रथम समूह के साथ ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. दीपा चौबे ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 श्रुति प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

द्वितीय समूह के सदस्यों ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. धर्मवीर सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। द्वितीय समूह के नेतृत्व कर्ता सह प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

तृतीय समूह के सदस्यों ने भी ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। तृतीय समूह के नेतृत्व कर्ता सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

कार्यक्रम के समापन में डॉ. साधना श्रीवास्तव ने समस्त उपस्थिति लोगों का धन्यवाद किया। तथा इस धन्यवाद् ज्ञापन के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार के साथ साथ समस्त आँगनवाड़ियों की कार्यकत्रियों, श्रीमती विमलेश मिश्रा, मीरा पाल, कंचन गुप्ता, सविता देवी, सुनीता पाण्डेय, विद्यादेवी, मीरा पाण्डेय, प्रियंका पाण्डेय तथा सविता मौर्या एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शान्ति देवी, मंजू पाल, सन्नो देवी, मालती देवी, सविता दुबे तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें एवं बच्चें उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गॉव गोहरी के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच स्वच्छता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ऑगनबाड़ी में आयोजित किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28/09/2024

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

ऑगनबाड़ी केन्द्रः 02

कार्यकत्री का नामः 1 मीरा पाठक मीरा पाल 2 9651540530

सहायिका का नामः 1 सन्नो देवी 2

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	हर्षिता		21	आर्या	
2	लाडो		22	चाहत	
3	सावनी		23	राहत	
4	मानवी		24	गुलशन	
5	दर्शिता		25	ऊषा	
6	सेजल		26	शर्मिला	
7	मोहनी		27	गीता	
8	कृतिका		28	सीता	
9	प्रियांशी		29	फूलकली	
10	दिव्यांशी		30	चमेली	
11	माही		31	सन्नो देवी	
12	मांसी		32	चन्दा देवी	
13	अंकुशा		33	सरिता	
14	अयांशी		34	शीला देवी	
15	आदर्शी		35	अनीता देवी	
16	नीर्ति		36	अरुणा	
17	आदर्शा		37	इन्द्रावती	
18	मनु		38	पुष्पा	
19	मानसी		39	मनीषा	
20	हर्ष		40	गीता देवी	

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राज्य ...

......स्वच्छता...... जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28/09/2024

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

आँगनबाड़ी केन्द्र: गोहरी 5

कार्यकत्री का नाम: 1. सुनीता पाण्डेय गोहरी 5 2. ....

सहायिका का नाम: 1. [illegible] 2. ....

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुनीता पाण्डेय आ.का	सुनीता	21	[illegible]	
2	कंचन गुप्ता आ.का	कंचन गुप्ता	22	[illegible]	
3	विद्या देवी आ.का		23	[illegible]	
4	संगीता	संगीता	24	[illegible]	
5	खुशी	खुशी	25	रितिका	
6	शिवा	शिवा	26	प्रिय	
7	रश्मी	रश्मी	27	[illegible]	
8	बेबी कनौजिया	बेबी	28	[illegible]	
9	रिफासा	रिफासा	29	[illegible]	
10	सरिता	सरिता	30	[illegible]	
11	सुनिता	सुनिता	31	[illegible]	
12	सीमा	सीमा	32	[illegible]	
13	कल्पना	कल्पना	33	रितिका	
14	आरती	आरती	34	[illegible] सिंह	
15	शाधा	शाधा	35	मानसी	
16	सोनी		36	[illegible]	
17	[illegible]		37	अर्पित	
18	[illegible]		38	अलोक	
19	[illegible]		39	[illegible]	
20	[illegible]		40	[illegible]	

प्रभारी
महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र, 03, 05, 06 जोहरी दिनांक 28/09/2024

आँगनबाड़ी केन्द्रः आ० हरो 3

कार्यकत्री का नामः 1. कंचन गुप्ता 2.

सहायिका का नामः 1. मंजू पाल 2.

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	अर्चना देवी	अर्चना देवी	21	कल्पना	कल्पना
2	गुड्डी	गुड्डी	22		
3	शान्ती	शान्ती	23	रीता	रीता
4	सोना	सोना	24	कोमल	कोमल
5	मनीषा	मनीषा	25	निशा	निशा
6	सुमिला	सुमित्ता	26	आरती	आरती
7	गीता	गीता	27	रिहाना	रिहाना
8	मालती	मालती	28	रितीक	गीता
9	बीना	बीना	29	काजा	हर्षि
10	अंजू	[thumb impression]	30	रवी	रवी
11		अंजू	31	मनीषा	सबिना
12	राजकुमारी		32	हर्षिता	मनीषा
13		[thumb impression] राजकुमारी	33	हर्ष	हर्षिता
14			34	सरिया	सरिया
15	नाती	नाती	35	रईसा	रईसा
16	मनीता	मनीता	36	अजीत	अजीत
17	सुमिता	सुमिता	37	नवी	विजय
18			38	विजय	कुमारी
19	पुनिमा	[thumb impression] पुनिमा	39	रुपवती	सनोहा
20			40	सनोहा	सुशिला

सुशिला सुशिला

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28/09/2024

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

ऑगनवाड़ी केन्द्रः गोहनी VI

कार्यकत्री का नामः 1. विद्या देवी 2. —

सहायिका का नामः 1. मालती देवी 2. —

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सन्जू देवी	सन्जू देवी	21	प्रियं	
2	मउई		22	रियान्श	
3			23	महक	
4	सुमित्रा		24	रिषभ	
5			25	अनन्द	
6	किरन		26	आर्णि	
7	शान्ती देवी		27	आदिती	
8	रिन्की		28	लाडो	
9	विमला		29	पलक	
10	रेशमा		30	प्रज्ञा	
11	सुमन		31	प्रियपाली	
12	कल्पना		32	सागर	
13	सोनी		33	सात्विक	
14	पुजा		34	मान्या	
15	सीमा		35	वंशा	
16	शनि		36	यज्ञा	
17	युवराज		37	दिव्यांशु	
18	अनुष्का		38	कार्तिक	
19	आयेशा		39	चीरफ	
20	मीठी		40	लव	

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28.03.24

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

आँगनबाड़ी केन्द्रः मिनी केन्द्र

कार्यकत्री का नामः 1. सविता कुशवाहा 2.

सहायिका का नामः 1. 2.

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	शिवांशु		21	अर्नव	
2	सुमित		22	धमराज	
3	अनुराग		23	दृश्य पटेल	
4	शिवांश		24	अनीता पटेल	
5	पियूष		25	सुशीला देवी	
6	कार्तिक		26	सुनीता	
7	सिद्धि		27	प्रियांशी	
8	रिद्धि		28	रानी	
9	उत्कर्ष		29	संगीता	
10	गोपांश		30	मनोरमा	
11	राज गौतम		31	रेनू	
12	अनिरुद्ध		32	संजू देवी	
13	आराध्या		33	सावित्री	
14	विराज		34	संगीता	
15	रानी		35	नन्दिनी	
16	स्नेहा		36	नीलू	
17	निरांशा		37	सुन्दरी	
18	माही		38	कविता	
19	आयुशी		39	सीमा	
20	अमृता		40		

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

[illegible] जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28/09/24

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

ऑगनबाड़ी केन्द्रः ....

कार्यकत्री का नामः 1. विमलेश मिश्रा 2. ....

सहायिका का नामः 1. मिथलेश शर्मा 2. ....

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुकल्ली		21	शिवांशु	
2	शशि		22	सुमित	
3	समर		23	गोलू	
4	मयंक मौर्या		24	सलेमी	
5	सरोज देवी		25	सुजाता	
6	पुनीत		26	शिवांश	
7	अंशी		27	शुभि	
8	गुड्डी देवी		28	शुभांगी	
9	सौम्या मौर्या		29	प्रियांश	
10	आरती		30	पंकज	
11	मयंक		31	सुहानी	
12	संजू मौर्या		32	शुभम	
13	रोशनी देवी		33	अभि	
14	अकांक्षा		34		
15	आर्यन		35		
16	आयुष		36		
17	धर्मा देवी		37		
18	सोनिया वर्मा		38		
19	आनन्द राज गौतम		39		
20	पूर्वी वर्मा		40		

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

......[illegible]...... जागरूकता कार्यक्रम

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

दिनांक 22/03/24

आँगनबाड़ी केन्द्र: ....

कार्यकत्री का नाम: 1. मीरा पाण्डेय 2. ....

सहायिका का नाम: 1. शकिला दुबे 2. ....

उपस्थिति प्रपत्र

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	विशाल		21	रन्नो	
2	दिव्यांश -I		22	मनोरमा	
3	आस्था		23	पिंकी	
4	नन्दू		24	नन्दी	
5	अनन्या -I		25		
6	ओम		26		
7	अयांश -I		27		
8	पिंकी		28		
9	पल्टे		29		
10	दिव्यांश - II		30		
11	शुभम		31		
12	सौम्या		32		
13	स्वराज		33		
14	अनन्या -II		34		
15	विनय		35		
16	अनुराग		36		
17	अयांश -II		37		
18	गीता देवी		38		
19	अमरावती देवी		39		
20	कंचन सरोज		40		

[signature]

प्रभारी
महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

दिनांक 28-9-24

आँगनबाड़ी केन्द्र: [illegible]

कार्यकत्री का नाम: 1. प्रियंका पाण्डेय 2. प्रियंका पाण्डेय

सहायिका का नाम: 1. राजकुमारी 2. राजकुमारी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुषमा प्रजापति		21	साक्षी	
2	अन्नू देवी		22	प्रतीक	
3	कविता मौर्या		23	बाबु	
4	नीशा		24	अनन्या	
5	कुसुम मौर्या		25	स्मृति	
6			26	प्रियांशी	
7			27	रितिका	
8			28	शिवानी	
9			29		
10			30		
11			31		
12			32		
13			33		
14			34		
15			35		
16			36		
17			37		
18			38		
19			39		
20			40		

[signature]

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28-01-24

आयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

आंगनबाड़ी केन्द्रः 04

कार्यकत्री का नामः 1 सुनीता देवी 2 सुनीता देवी

सहायिका का नामः 1 शान्ती देवी 2 शान्ती देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुनीता देवी	सुनीतादेवी	21	सुनीता देवी	सुनीतादेवी
2	सुषमा प्रजापति	सुषमाप्र०	22	शान्ती देवी	सुषमाप्र०
3	प्रभाष कुमारी		23	आयन्त	
4	सपना मौर्या		24	प्रियान्सी	
5	मन्जू देवी		25	अनाया	
6			26	सिया	
7			27	आदिका	
8			28	प्रिया	
9			29	रितिक	
10			30	वैभव	
11			31	सम्राट	
12			32	आन्सी	
13			33	वेद	
14			34		
15			35		
16			36		
17			37		
18			38		
19			39		
20			40		

प्रभारी

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर–एफ), फाफामऊ
प्रयागराज – 211021

कुलसचिव

मो. : 7525048031
ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

पत्राँक : ओ.यू./ 978 /2024

दिनाँक 25–09–2024

सेवा में,

बाल विकास परियोजना अधिकारी
सोरांव, प्रयागराज

महोदय,

कृपया विश्वविद्यालय के संलग्न पत्राँक ओ.यू./969/2024 दिनाँक 24–09–2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया था कि इस विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में **"स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान"** के अन्तर्गत दिनाँक 28 सितम्बर, 2024 को गोहरी, बेचू का पूरा, मोहनगंज आँगनबाड़ियों (केन्द्र संख्या 03,04,05,06,07,08 एवं 09) में **'स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन सुनिश्चित हुआ है।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि प्रश्नगत कार्यक्रम का आयोजन गोहरी, बेचू का पूरा, मोहनगंज आँगनबाड़ियों (केन्द्र संख्या 03,04,05,06,07,08 एवं 09) के अतिरिक्त आँगनबाड़ी केन्द्र संख्या 01 एवं 02 में भी आयोजित किया जाना है।

अतः अनुरोध है कि कृपया दिनाँक 28 सितम्बर, 2024 को उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु गोहरी, बेचू का पूरा, मोहनगंज आँगनबाड़ियों (केन्द्र संख्या 01, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 08 एवं 09) को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(विनय कुमार)
कुलसचिव

संलग्नक : उक्तवत्

पृ. संख्या : ओ.यू./ 978(1)/2024

तद् दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रयागराज को इस आशय से प्रेषित कि कृपया उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सम्बन्धित को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

कार्यक्रम की झलकियाँ

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554935°
Long 81.857309°
28/09/24 12:08 PM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554889°
Long 81.857299°
28/09/24 11:59 AM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554886°
Long 81.857296°
28/09/24 11:58 AM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.55494°
Long 81.857335°
28/09/24 12:05 PM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554946°
Long 81.857342°
28/09/24 12:03 PM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554939°
Long 81.857333°
28/09/24 12:04 PM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554886°
Long 81.857296°
28/09/24 11:58 AM GMT +05:30

GPS Map
Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30

GPS Map Ca
Soraon, Uttar Pradesh, India
HV96+CWH, Gohri Rd, Soraon, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.568319°
Long 81.862324°
28/09/24 11:55 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
raon, Uttar Pradesh, India
96+CWH, Gohri Rd, Soraon, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
25.568331°
g 81.862304°
09/24 11:56 AM GMT +05:30

फाफामऊ, उत्तर प्रदेश, भारत
HV6C+2W, फाफामऊ, रामपुर, उत्तर प्रदेश 211013, भारत
Lat 25.559968°
Long 81.874017°
28/09/24 12:16 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
aphamau, Uttar Pradesh, India
6C+2W, Phaphamau, Rampur, Uttar Pradesh 211013, India
25.559977°
g 81.874024°
/09/24 12:17 PM GMT +05:30

Phaphamau, Uttar Pradesh, India
HV6C+2W, Phaphamau, Rampur, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.559977°
Long 81.874024°
28/09/24 12:17 PM GMT +05:30

Soraon, Uttar Pradesh, India
HV96+CWH, Gohri Rd, Soraon, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.56832°
Long 81.862304°
28/09/24 11:56 AM GMT +05:30

Phaphamau, Uttar Pradesh, India
HV6C+2W, Phaphamau, Rampur, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.55994°
Long 81.874064°
28/09/24 12:15 PM GMT +05:30
Google

Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 25.562526°
Long 81.860367°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30
Google

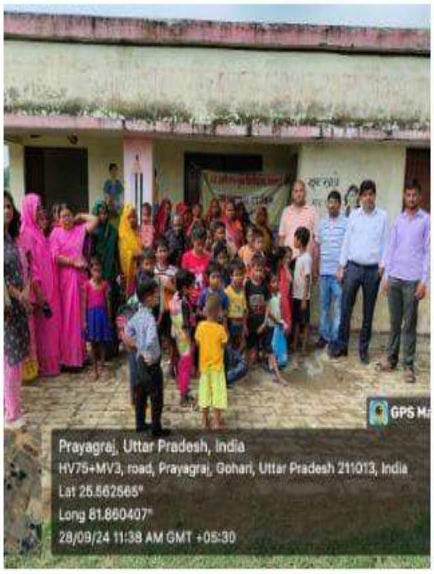
Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.562565°
Long 81.860407°
28/09/24 11:38 AM GMT +05:30

जागरूकता कार्यक्रम
स्वच्छता अभियान
Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.562497°
Long 81.860266°
28/09/24 11:08 AM GMT +05:30

Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 25.56262°
Long 81.860293°
28/09/24 11:17 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
ayagraj, Uttar Pradesh, India
75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India

Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.562516°
Long 81.860383°
28/09/24 11:27 AM GMT +05:30

Prayagraj, Uttar Pradesh, India
Lat 25.562521°
Long 81.860401°
28/09/24 11:33 AM GMT +05:30
Google

Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.562528°
Long 81.860293°
28/09/24 11:33 AM GMT +05:30

शिल्प प्रदर्शनी

दिनांकः 28 नवम्बर, 2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल, प्रयागराज

शिल्प प्रदर्शनी

28 नवम्बर, 2024

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम

माननीय, कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

श्री सुनीत कुमार, डी.आई.जी. रेंज, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, प्रयागराज

विशिष्ट अतिथि

श्री अनुभव सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, प्रयागराज

संयोजक

प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–संयोजक

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

समन्वयक

डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव

श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ अनिल कुमार यादव, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह आयोजन सचिव

डॉ. स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य

श्री अंकित मिश्रा, श्री राकेश मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री ओम बाबू शर्मा, श्री मनीष यादव, श्री हिमांशु यादव व श्री संतोष कुमार

Shilp Pradarshini

28th November, 2024

Jointly Organized by

Mahila Addhyayan Ewam Vistarit Gatividhi Kendra
U.P. Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Prayagraj
&
101 Bt., Rapid Action Force (RAF), Prayagraj

You all are cordially invited in the

Inaugural

28th November, 2024 at 11:00 a.m.
Atal Auditorium Ground, Saraswati Parisar, UPRTOU, Prayagraj

Chief Guest

Mr. Sunit Kumar Rai
Deputy Inspector General, Range Prayagraj, CRPF

Guest of Honour

Mr. Anbhav Singh
Joint Magistrate, Prayagraj

President

Prof. Satyakaam
Vice-Chancellor, U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

Regards

Mr. Manoj Kumar Gautam
Commandant
101Bt, RAF, Prayagraj

Col. Vinay Kumar
Registrar
UPRTOU, Prayagraj

Prof. Shruti
Convener
In-Charge, Mahila Addhyayan Ewam Vistarit Gatividhi Kendra
U.P. R. T. O. U., Prayagraj

Schedule of Inaugural

28th November, 2024

Jointly Organized by

Mahila Addhyayan Ewam Vistarit Gatividhi Kendra
U.P. Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Prayagraj
&
101 Bt., Rapid Action Force (RAF), Prayagraj

Inauguration

Ship Mela Visit

Ceremonial Greetings of the Guests

Address by Guest of Honour

Address by Chief Guest

Presidential Address

Vote of Thanks

Group Photo

Comperer: Dr. Trivikram Tiwari, Organizing Secretary

शिल्प प्रदर्शनी प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा 101 वाहिनी द्रुत कार्य बल, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 28 नवम्बर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में आयोजित किया गया। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त करना है। उ0प्र0 की माननीया राज्यपाल तथा उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने महिलाओं के उत्थान के लिये कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये है। इसमें मुख्य तौर से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं तथा बच्चों को शिक्षा तथा स्वावलम्बन के क्षेत्र में आगे जाने हेतु उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों को कार्य करने हेतु दिशा–निर्देश दिये गये, जिससे कि विश्वविद्यालय अपने–अपने सीमा में आने वाले ग्रामीण परिवेश की महिलाओं तथा बच्चों के विकास में मुख्य भूमिका में योगदान दे सकें।

शिल्प मेले का आयोजन एवं हुनर शिल्प मेला सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करता है। शिल्प मेले से कारीगरों को आर्थिक लाभ मिलता है। इसमें भारतीय/ लोकतंत्र सांस्कृतिक धरोहर के साथ–साथ पारम्परिक कला को संरक्षित किया जाता है। ये मेला मध्यम तथा स्टार्टप उद्यमियों के लिए लॉन्च पैड की तरह काम करते हैं। इन मेलों में ज्यादातर हस्तशिल्प का हुनर रहता है जिस कारण इन मेलों में महिला सशक्तिकरण को बल मिलता है। गाँव/शहरी महिलाओं को समुचित बाजार देते है और उनकी कला को पहचान दिलाते हैं।

शिल्प मेला महिओं की रचनात्मकता कौशल और परिश्रम का अद्भुत प्रदर्शन है। इसमें कलाकार अपने विचारों तथा कल्पनाओं को अपने हुनर के माध्यम से आकार देता है। शिल्प कला का उद्देश्य केवल सुंदरता ही नहीं बल्कि उपयोगिता भी है।

प्रारम्भ से ही भारतीय शिल्प विभिन्न ग्रामीण समुदायों के भीतर एक परम्परा के साथ–साथ संस्कृति के रंग में भी रंगे हुए है। तेजी से हो रहे तकनीकि और सामाजिक परिवर्तनों के बावजूद शिल्प, भारतीयों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिल्प मेले द्वारा पारम्परिक रुप से बने हाथ के हुनर को प्रोत्साहित किया जाता है।

कई बार महिलायें काफी हुनरमंद होती है। परन्तु उनके हुनर को ना तो सामाजिक रुप से सम्मान मिल पाता है और ना ही हुनर का कोई मूल्य मिल पाता है। इसको ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम के दिशा–निर्देश में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा 101 वाहिनी द्रुत कार्य बल के संयुक्तत्वावधान में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन 28 नवम्बर 2024 को किया गया। जिसमें लगभग 50 हस्त शिल्प के स्टॉल लगाये गये। प्रतिभागियों में महिलाओं ने आगे आकर अपने द्वारा बनाये गये हस्त शिल्प तथा विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। चाहे वह सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, क्रोशिया, पाककला, चित्रकारी, मेंहदी आदि हो या फिर कुछ अन्य। 101 वाहिनी द्रुत कार्य बल की ओर से भी खेलकूद, खान–पान तथा सैनिकों की पत्नियों द्वारा तैयार किये गये सामानों को भी प्रदर्शनी लगी।

विश्वविद्यालय ने अपने कार्य क्षेत्र में आने वाली प्रयागराज की समस्त ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भी आमंत्रित किया था। जिससे वे शिल्प कुशल महिलाओं से हुनर का ज्ञान प्राप्त कर अपने–अपने आँगनबाड़ियों में वापस जाकर अपने क्षेत्र की महिलाओं को सिखा सके तथा उनका उत्साहवर्धन भी कर सके तथा ही अपने क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं के हुनर को भी इस प्रकार के प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने हेतु प्रोत्साहित कर सके।

विश्वविद्यालय ने कई स्कूल के छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों को आमंत्रित किया था जिससे कि उन सभी शिक्षार्थियों को भारतीय हस्तशिल्प के बारे में जानकारी हो सके साथ ही मशीनरी युग में बच्चे हस्त शिल्प के महत्व को समझ सके व उसका सम्मान कर सके। छात्रों के लिए कला व शिल्प का महत्व क्लास से कहीं आगे तक फैला हुआ है। यह रचनात्मकता को बढ़ावा देकर एक समावेशी माहौल प्रदान करते हुये शिक्षा में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है और व्यक्तिगत विकास तथा समझ को विकसित करता है।

कला तथा शिल्प छात्रों के लिये अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों ही प्रकार के लाभों को प्रदान करते हैं। समस्या समाधान कौशल विकसित करने से लेकर मानसिक स्वास्थ्य, टीमवर्क तथा संचार कौशल में सुधार करने तक कला और शिल्प बच्चों, बड़ों सभी को मजेदार और रचनात्मक वातावरण को प्रदान करता है। क्योंकि यह छात्रों के सम्पूर्ण विकास में सहायक हो सकता है। शिल्प कला से जुड़ी गतिविधियों छात्रों का रचनात्मकता, आत्म–अभिव्यक्ति तथा

संज्ञानात्मक विकास के लिये प्रोत्साहित करती है। धैर्य, दृढ़ता तथा निर्णय लेने की क्षमता का विकास, समस्या समाधान करने का रवैया तथा सामाजिक रुप से जुड़ने में मदद भी मिलती है।

शिल्प प्रदर्शनी में कई प्रकार के शिल्प हो सकते है। मुख्यतः कपड़ा, सजावटी, कार्यात्मक और फैशन शिल्प के अंतर्गत विश्वविद्यालय में लगभग 50 स्टॉल लगाये गये थे। जिसमें मुख्यतः लाख वर्क, मण्डाला वर्क, बॉटल आर्ट, अप्पन कला, चित्रकला, फैब्रिक पेन्टिंग, कढ़ाई, क्रोशिया वर्क, हैण्ड मेड ज्वैलरी, प्रयागराज का प्रसिद्ध मूँज का कार्य, कौशाम्बी जिले का केले के पेड़ से बना सामान, होम मेड सोप, पाक कला, सेरेमिक पॉट, जूट का काम, मेंहदी कला, कालीन कला, जूट बैग, लेदर वर्क, लखनऊ चिकन कढ़ाई, क्रोशिया से बने साफ्ट खिलौने तथा परदे, होल्डर इत्यादि। क्रोशिया से बने परम्परागत सामान फैब्रिक पेन्टिंग, वॉटर कलर पेन्टिंग, अचार, मुरब्बा, खाने का हाथ से बना सामान, मठरी, लड्डू, सिठौरा, हाथ से बनी पूजा सामग्री, भगवान के वस्त्र, मूँज की डलिया, पेपर वेट, फाइल कवर, बाटिक तथा बंधानी पेन्टिग कला, फुल्कारी कढ़ाई आदि के स्टॉल महिलाओं द्वारा लगाये गये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, रेंज ऑफिसर सीआरपीएफ तथा विशिष्ट अतिथि श्री अनुभव सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, प्रयागराज रहे। अतिथियों का स्वागत 101 वाहिनी द्रुत कार्य बल में कमाण्डेट ने किया। कार्यक्रम के बारे में शिल्प प्रदर्शनी का महत्व तथा उपयोगिता के बारे में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने दिया तथा कार्यक्रम का संचालन अध्ययन केन्द्र के सहायक प्रभारी डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने किया। मीडिया कवरेज का कार्य सहायक प्रभारी डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा ने किया। सह प्रभारी आनन्दानन्द त्रिपाठी ने समस्त आये प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने की साथ ही अपने उद्बोधन में उन्होंने आये हुये सभी हुनरमंदों तथा प्रतिभागियों को आर्शीवचन प्रदान किया तथा उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि ने शिल्प तथा कला के महत्व के बारे में बताया कि किस प्रकार यह भारतीय सैनिकों के मानसिक सक्रियता को बढ़ाते हुये उनके तनावपूर्ण जीवन को शांति प्रदान करने में सहायक होता है।

विशिष्ट अतिथि ने भी शिल्प तथा कला के महत्व को प्रशासनिक जीवन में शांति को प्रदान करने वाला रिलैक्स थिरेपी देने वाला बताया।

प्रो0 श्रुति ने शिल्प तथा कला के समस्त प्रकारों को बताते हुये शिल्प प्रदर्शनी में आये समस्त स्टॉल तथा प्रतिभागियों को उनके हुनर/कला/शिल्प के द्वारा परिचय करवाया। उन्होंने बताया कि शिल्प को मुख्य पाँच प्रकार का समावेश इस प्रदर्शनी में किया गया है।

कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र तथा स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्रम द्वारा सम्मानित किया गया। सभी की सामूहिक फाटोग्राफी किया गया। शिल्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय तथा द्रुत कार्य बल के लगभग समस्त कार्यरत लोग अपने–अपने परिवारों के साथ उपस्थित रहे तथा सभी ने खूब खरीददारी भी की। साथ ही प्रदर्शनी स्थल के आस–पास के नगरवासियों ने भी बढ़–चढ़ कर खरीददारी की।

समस्त ऑगनबाड़ियों कार्यकत्रियों ने भी उल्लासपूर्वक प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। स्कूली बच्चों ने भी खुशी–खुशी गेम्स खेले तथा साफ्ट खिलौने तथा खान–पान का आनंद उठाया। जिले के समाचार पत्रों ने इस प्रदर्शनी का सराहनीय रुप से अपने समाचार पत्रों में प्रकाशित किया।

शिल्प प्रदर्शनी अपने उद्देश्य को पूर्ण करती हुई प्रतीत हुई।

‘शिल्प प्रदर्शनी‘
(28 नवम्बर, 2024)

क्र. सं.	व्यक्ति / संस्था का नाम	पता	प्रदर्शनी हेतु लगायी जाने वाली वस्तुयें	स्टॉल पर सहयोग हेतु व्यक्ति का नाम
1.	इलाहाबाद संग्रहालय	चन्द्रशेखर आजाद पार्क, कमला नेहरु रोड, प्रयागराज।	पुस्तकें फोलियों प्रिंट, पेन्टिंग, फ्रेमिंग प्रिंट रेप्लिका / प्रतिकृति	सुखीराम डॉ0 नगीना राम धीरेश जोशी
2.	इलाहाबाद लाख प्रोडक्ट्स कलस्टर	बायोवेद लैक क्राफ्ट्स, मोहख, श्रृंगवेरपुर, प्रयागराज	लाख से बनी हुई घरेलू उपयोग की वस्तुएं गोबर से बने हुए उत्पाद एफ.पी.ओ. द्वारा मूल्यवर्धित सामान एओला, स्वायरूलिना के मूल्यवर्धित सामान	डॉ. हिमांशू द्विवेदी श्रीमती किरन पाण्डेय श्री इन्द्रकांत पाण्डेय
3.	Divija collection	4/2 Jawahar Lal Nehru Road, Tagor town, Prayagraj	Handmade Jewellery Handmade Hair Accessories Other Handmade Accessories- Key, chain etc….	Shivangi Srivastava Neha Yogeshwar Nilesh Khare Anuj Yogeshwar Abhay Yogeshwar
4.	आइफा फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	हजरतगंज, करारी, कौशाम्बी–212206	Handmade Craft (Banana Fiber)	वस्मीजहीर नकवी तनवीर फातमा फरमान अली
5.	उत्कर्ष नर्सरी	बंसत बिहार अपार्टमेन्ट के बगल में डायमण्ड रोड प्रयागराज	Ceramic Pots Live Plants Tesacoata Pots Flower Pot stands Garden Tools and Fertilizers Plastic Pots	अरविन्द शुक्ला सपना शुक्ला डी पाण्डेय
6.	Homemade Soap Products	झलवा देव प्रयागम कालोनी	Handmade Herbal sceio Herbal skin care products Handmade Home decorate	पायल गुप्ता
7.	श्री सुमंगलम	औद्योगिक क्षेत्र, चॉटी, प्रयागराज	कंदनवार, साइड तोरण घंटी दियाली बैग, बटुआ अचार गेंदे की माला माइक्रम के सामान	सुश्री अत्रोनिषाद सुश्री प्रतीक्षा सिंह सुश्री प्रीती कुमारी सुश्री निकिता सुश्री पूजा निषाद सुश्री रूचि कुमारी श्री अजीत श्री विपिन
8.	पर्ल आर्ट्स	पंच कुटीर 6डी, सिविल लाइन्स रोड सविलि लाइन्स	Wall Decore Wall Hanging Book Marks Diaries, Jewelleries etc.	प्राची चतुर्वेदी मोहित मिश्रा
9.	Homemade Candels	57/74 Flat no. P-4 Shiv Vihar Apartment	Candle Ceramic candle stove Candle, Holder	नमिता सिंह

10.	ईशिता कलेक्शन	अल्लापुर, प्रयागराज	साड़ियाँ, नमकीन, सेवई भगवान के वस्त्र	शालिनी सिंह अवनीश कुमार सिंह ईशिता सिंह
11.	Melflora The Bees Craft	136/26 B, M.G. Marge Civil Lines Prayagraj 211001	सरसों का शहद (100ग्रा., 200ग्रा., 400ग्रा.) सागवान लकड़ी का शहद चम्मच मधुमोम के दीया कैंडलस मधुमोम लपि बाम	जसलीन कौर अशोक तिवारी
12.	सृष्टि कलेक्शन	Flat no. 35 Swastic Magnolia Apartment Kamala Nehru Road, Allahabad	Hand Embroidery Products	डॉ. सृष्टि पुरवार अनन्या श्रीवास्तव
13.	Crochet Collection	लक्ष्मी नारायण साड़ीज, 486 पुराना कटरा, प्रयागराज	Soft toy Hair accessories Flowers, Key, Chains	माया साहू दीप्ती प्रियावर्त
14.	Mandala Arts	सिविल लाइन्स, प्रयागराज	Mandala Arts Works Lippen Arts	मेहित, प्राची, अनन्या, प्रिया
15.	मूँज वर्क	महेवा पुरब पट्टी प्रयागराज	पेन स्टैण्ड कोस्टर फ्लावर पॉट फूट बास्केट रोटी बाक्स	बीबी फातिमा आऐशा बेंगम
16.	Crochet Woks	299/386 मम्मफोर्डगंज, आनंद अपार्टमेन्ट, प्रयागराज	क्रोशिया से बनी वस्तुएं फ्रिज कवर, बैग	गीता शर्मा
17.	Mona Dream Collection	419 मम्फोर्डगंज निगम चौराहा	Handmade Jewellery Crafts	मोना जायसवाल
18.	द फूड साइंन्सटिस्ट	मीरापुर, प्रयागराज	Veg Karthi Roll, Papdi Chat Veg Sandwich Kutchi Dabeli Bombey Vadapav Kolkata Raj Kachori Butter Cheese Maggie	शालू केसरवानी अनिकेत गुप्ता छोटू
19.	RGS 101 आर.ए.एफ.	शान्तिपुरम, प्रयागराज	Games	सूरज सिंह
20.	101 आर.ए.एफ.	शान्तिपुरम, प्रयागराज	बनारसी साड़ी, सूट मिठाईयाँ एवं नमकीन	अखण्ड प्रताप सिंह अनीता देवी
21.	Wet Canteen 101 आर.ए.एफ.	शान्तिपुरम, प्रयागराज	Food items	विजय कुमार
22.	विनीता अग्रहरि/ नारी सशक्तिकरण ट्रस्ट	150D/3D चक मीरा पट्टी धूमनगंज प्रयागराज	जैविक खाद्य सामग्री आचार, मुरब्बा	विनीता अग्रहरि
23.	Clasi Bags	285, Katguar, Prayagraj	Jute Bags, Envelops, Files Water Bottle, Small Bags	Poonam Singh Ayush Tandon
24.	फिरदोस वर्क	करेली, प्रयागराज	जरदोरी वर्क	फिरदोस
25.	अहमद स्टोर	करेली, प्रयागराज	बनारसी/लखनऊ स्टॉल	अहमद
26.	सैफ वर्क	करेली, प्रयागराज	नागरा,जूती, पर्दा, सूट	मोहम्मद सैफ
27.	बाबा हैण्डलूम	करेली, प्रयागराज	बनारसी वर्क	बाबा हैण्डलूम

28.	अली हैण्ड वर्क	करेली, प्रयागराज	लखनऊ साड़ी	नौशाद अली
29.	हाथ की कला	218,D/A-1, Jayantipur, Pretam Nagar, Prayagraj	Hand made Jewellery Bags, Intirars	नीरा अग्रवाल तनु सरोज
30.	घर से घर तक फ्लेवर की जुगुल बंदी	17–सी रामबाग प्रयागराज	मठरी, लड्डू समोसा, नमकीन गुजियाँ, सिठौरा, माठ, बेसन मठरी, शकर पारा	राजीव कुमार अग्रवाल दीपा अग्रवाल कविता अग्रवाल
31.	Home Bakery	म्योराबाद, प्रयागराज	Bakery items	स्वाती सेठ
32.	श्रीमती सुधांजली श्रीवास्तव	307/26/3 shivkuti, Prayagraj-211004	Pickles, Amla Products Millets Products, Raw Honey, Spices	श्रीमती सुधांजली श्रीवास्तव
33.	स्टाइल कलेक्शन	मीरापुर , प्रयागराज	Handmade embroidery	नैव्या नित्या
34.	राज विद्या केन्द्र	कौशाम्बी , प्रयागराज	Handmade Garments	राजकुमार दिवाकर
35.	खुशनवाज	कौशाम्बी , प्रयागराज	Handmade Garments	खुशनवाज
36.	राना एन.जी.ओ	करेली, प्रयागराज	नागरा, लखनवी चिकन	संदिया अंसारी
37.	आर्ट	नैनी, प्रयागराज	Water Painting	प्रतीक्षा सिंह
38.	चित्रकला	प्रीतम नगर, प्रयागराज	Oil Painting	ब्रजेश कुमार
39.	अदिति कलेक्शन	81/25 मधवापुर, प्रयागराज, पिन कोड–211003	साड़ी, कुर्ती, दुपट्टा	डॉ. अदिति गोस्वामी, सुश्री ऐश्वर्या सक्सेना
40.	इनरव्हील क्लथ ऑफ इलाहाबाद ईस्ट,	डिस्ट्रिक 312	क्रोशिया हस्तशिल्प ज्वेलरी, सेरेमिक पॉट मंडाला आर्ट, सेरेमिक पॉट, बादल पेन्टिंग फूड आइटम (बरी, अचार, पापड़)	मोना जायसवाल माया साहू अल्पना सरकार अल्का सुधा
41.	Shuddh Samagri	284/B Ramnagar Naini, Prayagraj. U.P.	Dhoop Cone, Cotton wicks, Dhoop Stick, Incense Stick Hawan Samagri, Micro Hawan, Kapoor, Gulab Jal. Chandan Powder, Chandan, Mosquito Repellent Dhoop Other Pooja related Samagri	Durgesh Kumar Pandey Priyanka Pandey
42.	जायसवाल स्टोर	763/90ए/15ए बाघम्बरी रोड, अल्लापुर	लड्डू मसाले	मीरा जायसवाल राकेश जायसवाल
43.	Unitech Structural Works	193, Gangotri Nagar, Prayagraj	Modular Kitchen Wardrobes, PVC Panels Louvers Modular Beds	Poonam Singh Ayush Tandon
44.	Carpet Works	75-A, Garhi Sarain Chowk Prayagraj	Carpet, Door mat, etc.	अहमद मोहम्मद कैश
45.	मेहदी आर्ट	सिविल लाइन्स, प्रयागराज	मेहदी	पूजा
46.	मेहदी आर्ट	सिविल लाइन्स, प्रयागराज	मेहदी	रोली गुप्ता

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./1170 /2024 दिनॉक 25-10-2024

सूचना

एतदद्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/अधिकारियो/शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में दिनॉक 28 नवम्बर, 2024 को **शिल्प प्रदर्शनी** का आयोजन सरस्वती परिसर में होना सुनिश्चित हुआ है। उक्त प्रदर्शनी की **संयोजक** प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, **सह--संयोजक** डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, सह--प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, **समन्वयक**, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, **आयोजन सचिव**, श्री राजेश गौतम, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. आर.पी. सिंह एवं डॉ. अब्दुल रहमान, **सह आयोजन सचिव**, डॉ. स्मिता अग्रवाल, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता एवं डॉ. सफीना सामवी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र होंगे। शिल्प प्रदर्शनी के संरक्षक एवं अध्यक्ष **मा. कुलपति प्रो. सत्यकाम जी** होंगे।

कृपया तद्नुसार उक्त प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./1170(1)/2024 तद्दिनॉक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :--

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/अधिकारियों को इस आशय से प्रेषित कि कृपया अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग/प्रकोष्ठ से सम्बन्धित शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियो को उक्त सूचना के सम्बन्ध में अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 1338 /2024 दिनाँक 27-11-2024

सूचना

एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/अधिकारियों/शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों/शोध छात्रों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा 101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल (RAF), प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 28 नवम्बर, 2024 को प्रातः 10:30 बजे **शिल्प प्रदर्शनी** का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में होना सुनिश्चित हुआ है। उक्त शिल्प प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि **श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड, जिलाधिकारी, प्रयागराज** तथा विशिष्ट अतिथि **श्री सुनीत कुमार राय, डी.आई.जी., सी.आर.पी.एफ., प्रयागराज** होंगे। कार्यक्रम की **अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. सत्यकाम जी** करेंगे।

कृपया तदनुसार सपरिवार उक्त प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./ 1338 ① /2024 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/अधिकारियों को इस आशय से प्रेषित कि कृपया अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग/प्रकोष्ठ से सम्बन्धित शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों/शोध छात्रों को उक्त सूचना के सम्बन्ध में अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 1344 /2024 दिनॉक 26–11–2024

अधिसूचना

इस विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र एवं 101 वाहिनी द्रुत कार्य बल (RAF), प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को 'शिल्प प्रदर्शनी' के सफल आयोजन हेतु एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार निम्नवत समितियों का गठन किया जाता है :–

1. स्वागत समिति–

(i) प्रो0 श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
(ii) डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान विद्याशाखा
(iii) डॉ. साधना श्रीवास्वत, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
(iv) डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान विद्याशाखा

2. पाण्डाल व्यवस्था समिति–

(i) डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
(ii) डॉ. गोपाल कृष्ण सिंह, विज्ञान विद्याशाखा
(iii) डॉ. चन्द्रेश्वर प्रसाद यादव, विज्ञान विद्याशाखा
(iv) श्री अनूप कुमार, विज्ञान विद्याशाखा
(v) श्री संतोष कुमार, विज्ञान विद्याशाखा
(vi) श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, शोधार्थी, विज्ञान विद्याशाखा

3. बैनर समिति–

(i) डॉ. धर्मवीर सिंह सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
(ii) श्री अंकित मिश्रा, महिला अध्ययन केन्द्र, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
(iii) श्री अमित शर्मा, महिला अध्ययन केन्द्र, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

4. अतिथि एवं प्रतिभागी सत्कार समिति–

(i) डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
(ii) डॉ. दीपामाला गुप्ता, विज्ञान विद्याशाखा
(iii) डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, विज्ञान विद्याशाखा
(iv) श्री अरविन्द मिश्रा, विज्ञान विद्याशाखा
(v) श्री अनूप कुमार, विज्ञान विद्याशाखा
(vi) श्री शशांक शेखर, शोधार्थी, विज्ञान विद्याशाखा

5. मीडिया समिति–

(i) डॉ साधना श्रीवास्वत, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
(ii) डॉ स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
(iii) डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, PRO

Scanned with OKEN Scanner

6. स्टॉल व्यवस्था समिति–

व्यवस्थापक – डॉ आनन्दानन्द त्रिपाठी एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी

स्टाल संख्या 1 से 10

1. श्री राजेश गौतम, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
2. डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
3. डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
4. श्री वीरेन्द्र वर्मा, विज्ञान विद्याशाखा
5. श्री ओम बाबू शर्मा, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा

स्टाल संख्या 11 से 20

1. डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
2. डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
3. डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, विज्ञान विद्याशाखा
4. श्री राकेश मिश्रा, CIQA
5. श्री मनीष कुमार यादव, विज्ञान विद्याशाखा

स्टाल संख्या 21 से 30

1. डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
2. डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
3. डॉ. सफीना, सदस्य, महिला अध्ययन केन्द्र, मानविकी विद्याशाखा
4. श्री अनूप कुमार, विज्ञान विद्याशाखा
5. श्री संतोष कुमार, विज्ञान विद्याशाखा

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./13446/2024 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. उपरोक्तानुसार गठित समितियों के सदस्यगण।
2. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक/प्रभारी/अधिकारीगण।
3. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
5. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त [illegible]
विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर—एफ), फाफामऊ
प्रयागराज — 211021
कुलसचिव
मो. : 7525048031
ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

पत्रांक : ओ.यू./ 1309 /2024 दिनाँक 21 —11—2024

सेवा में,

कमाण्डेन्ट
101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल
शान्तिपुरम, फाफामऊ
प्रयागराज

विषय : **28 नवम्बर, 2024 को महिला अध्ययन केन्द्र एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित शिल्प प्रदर्शनी को संयुक्त रूप से आयोजित करने हेतु प्रस्ताव के सम्बन्ध में।**

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या जी0दो—1/2024—स्टेनो—101 दिनाँक 18—11—2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त क्रम में अवगत कराना है कि दिनाँक 28 नवम्बर, 2024 को महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल के संयुक्त तत्वावधान में शिल्प प्रदर्शनी के आयोजन हेतु आपके प्रस्ताव पर विचारोपरान्त मा. कुलपति जी द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की गयी है।

कृपया अवगत होते हुए तद्नुसार अग्रेतर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ. संख्या : ओ.यू./ 1309(1)/2024 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

1. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. कुलपति जी के निजी सचिव को मा. कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 1307 /2024 दिनाँक 21 –11 2024

सूचना

एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/अधिकारियों/शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों/शोध छात्रों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा 101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल, प्रयागराज (RAF) के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 28 नवम्बर, 2024 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे के मध्य **शिल्प प्रदर्शनी** का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में होना सुनिश्चित हुआ है।

कृपया तद्नुसार उक्त प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./ 1307(1)/2024 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/अधिकारियों को इस आशय से प्रेषित कि कृपया अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग/प्रकोष्ठ से सम्बन्धित शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों/शोध छात्रों को उक्त सूचना के सम्बन्ध में अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

Shilp Pradarshini

28th November, 2024

Jointly Organized by

Mahila Addhyayan Ewam Vistarit Gatividhi Kendra
U.P. Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Prayagraj
&
101 Bt., Rapid Action Force (RAF), Prayagraj

You all are cordially invited in the

Inaugural

28th November, 2024 at 10:30 a.m.
Atal Auditorium Ground, Saraswati Parisar, UPRTOU, Prayagraj

Chief Guest

Mr. Sunit Kumar Rai
Deputy Inspector General, Range Prayagraj, CRPF

Guest of Honour

Mr. Anubhav Singh
Joint Magistrate , Prayagraj

President

Prof. Satyakaam
Vice-Chancellor, U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

Regards

Mr. Manoj Kumar Gautam
Commandant
101Bt, RAF, Prayagraj

Col. Vinay Kumar
Registrar
UPRTOU, Prayagraj

Prof. Shruti
Convener
In-Charge, Mahila Addhyayan Ewam Vistarit Gatividhi Kendra
U.P. R. T. O. U., Prayagraj

शिल्प प्रदर्शनी

(28 नवम्बर 2024)

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पंजीकरण प्रपत्र

1. व्यक्ति/संस्था का नामः–..
2. पताः–..

....

....

3. सम्पर्क सूत्रः– 1.. 2...

4. प्रदर्शनी हेतु लगाये जानी वस्तुओं के नामः–
   1. ....
   2. ....
   3. ....
   4. ....
   5. ....

5. स्टॉल में उपस्थिति व्यक्तियों का विवरणः–

क्र.सं.	नाम	सम्पर्क सूत्र (मो0 नं.)	सामग्री/वस्तुयें
1			
2			
3			
4			
5			

(हस्ताक्षर)

नोटः–

1. पंजीकरण प्रपत्र भरना अनिवार्य है।
2. प्रदर्शनी में लगाये जाने वाले वस्तुओं की देख–रेख व सुरक्षा का दायित्व व्यक्ति/संस्था का स्वंय होगा तथा अपने पहचान पत्र की एक छाया प्रति अपने पास सुरक्षित रखे।
3. प्रदर्शनी स्थल पर समय प्रातः 08:30 तक पहुंचकर अपने वस्तुओं प्रदर्शनी हेतु स्टॉल की तैयारी सुनिश्चित करे।
4. प्रदर्शनी की तैयारी में लगने वाली वस्तुओं की व्यवस्था व्यक्ति/संस्था को स्वंय करना होगा।
5. प्रदर्शनी में प्रस्तुत की जाने वाली सामग्री का लागत के अनुसार मूल्य निर्धारण स्वयं विक्रेता द्वारा किया जाएगा

शिल्प प्रदर्शनी

(28 नवम्बर 2024)

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयुक्त तत्वावधान

101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल, प्रयागराज

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ....

..............................ने महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिल्प प्रदर्शनी के अंतर्गत ....

....प्रशंसनीय रूप से सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय एवं द्रुत कार्य बल आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी (सह-संयोजक) सह-प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, प्रयागराज	कर्नल विनय कुमार (कुलसचिव) उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज	श्री मनोज कुमार गौतम (कमाण्डेट) 101 बटालियन, द्रुत कार्य बल प्रयागराज	प्रो0 श्रुति (संयोजक) प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, प्रयागराज

● वर्ष : 17
● अंक : 291
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शुक्रवार, 29 नवम्बर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए: डीआईजी

▶ महिलाओं के विकास के साथ-साथ समृद्धि का प्रतीक है शिल्प मेला: कमांडेंट मनोज गौतम

▶ हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है: कुलपति

▶ उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

▶ मुक्त विश्वविद्यालय ने आरएएफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

हिन्दी दैनिक

संयम भारत

18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर

वर्ष : 18 अंक : 247
नगर संस्करण, पृष्ठ - 4, मूल्य 1.00 रू०

उत्तर प्रदेश | शुक्रवार, 29 नवम्बर 2024 | प्रयागराज | विचार

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लक्ष्य समग्र

LS NEWS

वर्ष : 02 | अंक : 237 | प्रयागराज, शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपया

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- एडी.34/2024-26

प्रयागराज | शुक्रवार 29 नवम्बर, 2024 | पृष्ठ 12

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

संस्करण : प्रयागराज | राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.pratahkalexpress.in

वर्ष : 12
अंक : 285
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.0
शुक्रवार 29 नवम्बर 2024

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सच से रूबरू

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

अमर उजाला

प्रयागराज | मंगलवार, 26 नवंबर 2024

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रदर्शनी 28 नवंबर को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवंबर को विवि परिसर में शिल्प प्रदर्शनी लगेगी। विवि के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रो. श्रुति के अनुसार, प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव की महिलाओं की ओर से तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। ब्यूरो

SANYAM BHARAT

Open University organized craft exhibition with help of RAF

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 14
अंक : 81
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2024

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार, मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 359 प्रयागराज, शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आरए फ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार को मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह ने किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उद्यमी महिलाओं के हुनर एवं प्रदर्शन से यह शिल्प प्रदर्शनी गुलजार हुई है। महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक विकास के लिए टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनरकारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में हुनर हमेशा से रहा है उसे निखारने की आवश्यकता है। मुक्त विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिलाओं के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में एक नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग एवं प्रशिक्षण हस्तशिल्प को बढ़ाने में सदैव उपयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि शिल्प प्रदर्शनी में आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए लोगों में नवऊर्जा का संचार होगा एवं भविष्य में स्वरोजगार के नवीन आयाम को सीखने का अवसर मिलेगा। विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ-साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। महिलाओं के विकास के साथ-साथ समृद्धि का प्रतीक यह शिल्प मेला है। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। जिसमें खान पान से लेकर विभिन्न स्थानीय कारीगरी जैसे मूंज के समान, लाख से बने घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प ज्वेलरी, गोबर से बने उत्पाद, सेमेरिक आर्ट, पेंटिंग्स, बंदनवार, तोरण, बैग, बटुआ, अचार मुरब्बा, जैविक खाद से बनी सामग्री, शहद, साज सज्जा, परिधान एवं केले के डंठल से बने डलिया आदि को लोगों ने खूब सराहा और जमकर खरीददारी की। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदी वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई। शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

अनुराग दर्शन

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार को मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह ने किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनरकारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार ... विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिला... के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित क... बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में ... नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सि... ने कहा कि इस प्रका... के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ-साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहाय... समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। महिलाओं के विकास के साथ-साथ समृद्धि का प्रतीक यह शिल्प मेल... है। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारि... गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई। शिल्प मेले में आए स... हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड ... सहयो...

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सूचना नेटवर्क
सूचना सबकी
RNI NO. UPHIN/62573/2014

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

मनोज केसरवानी ब्यूरो चीफ प्रयागराज सूचना सबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उदघाटन गुरुवार को मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह ने किया। प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उद्यमी महिलाओं के हुनर एवं प्रदर्शन से यह शिल्प प्रदर्शनी गुलजार हुई है। महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक विकास के लिए टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनरकारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार का

सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में हुनर हमेशा से रहा है, उसे निखारने की आवश्यकता है। मुक्त विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिलाओं के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में एक नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग एवं प्रशिक्षण हस्तशिल्प को बढ़ाने में सदैव उपयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि शिल्प प्रदर्शनी में आई हुई आंगनबाडी कार्यकत्रियों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए लोगों में नवऊर्जा का संचार होगा एवं भविष्य में स्वरोजगार के नवीन आयाम को सीखने का अवसर मिलेगा। विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री अनुभव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ–साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। महिलाओं के विकास के साथ–साथ समृद्धि का प्रतीक यह शिल्प मेला है। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई।

शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रयाग प्रभात

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात ब्यूरो

प्रयागराज 28 नवंबर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्व विद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार को मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री अनुभव सिंह ने किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उद्यमी महिलाओं के हुनर एवं प्रदर्शन से यह शिल्प प्रदर्शनी गुलजार हुई है। महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक विकास के लिए टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनरकारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में हुनर हमेशा से रहा है उसे निखारने की आवश्यकता है। मुक्त विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिलाओं के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में एक नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग एवं प्रशिक्षण हस्तशिल्प को बढ़ाने में सदैव उपयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि शिल्प प्रदर्शनी में आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए लोगों में नवऊर्जा का संचार होगा एवं भविष्य में स्वरोजगार के नवीन आयाम को सीखने का अवसर मिलेगा। विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री अनुभव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ-साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। महिलाओं के विकास के साथ–साथ समृद्धि का प्रतीक यह शिल्प मेला है। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। जिसमें खान पान से लेकर विभिन्न स्थानीय कारीगरी जैसे मूंज के समान, लाख से बने घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प ज्वेलरी, गोबर से बने उत्पाद, सेमेरिक आर्ट, पेंटिंग्स, बंदनवार, तोरण, बैग, बटुआ, अचार मुरब्बा, जैविक खाद से बनी सामग्री, शहद, साज सज्जा, परिधान एवं केले के डंठल से बने डलिया आदि को लोगों ने खूब सराहा और जमकर खरीददारी की। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई। शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 31 | अंक : 27
प्रयागराज | शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
www.dailylokmitra.com

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI. NO. :UPHIN/2012/43594
संकल्प संदेश
www.sankalpsandesh.com
sankalpsandeshdaily@gmail.com

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत
हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज, डीएम करेंगे उद्घाटन

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुनीत कुमार राय, डीआईजी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक खुली रहेगी। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

समय से पहले 'समय' पर नज़र
न्यायाधीश
नगर-संस्करण

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज, डीएम करेंगे उद्घाटन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज श्री रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक खुली रहेगी। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

हिन्दी दैनिक
संयम भारत
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
उत्तर प्रदेश | गुरुवार, 28 नवम्बर 2024 | प्रयागराज | बिहार

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज, डीएम करेंगे उद्घाटन

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक खुली रहेगी। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

Daily News
SANYAM BHARAT
THURSDAY, 28 NOVEMBER 2024. PAGES 4. PRICE RS. 1.00
EDIT | PRAYAGRAJ | NATION

Craft exhibition in Open Univ today, DM to inaugurate

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Under the joint auspices of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and 101 Vahini Rapid Action Force, on 28 November 2024 at 10:30 am in front of Atal Auditorium located in Saraswati campus of the university. The craft exhibition in the courtyard will be inaugurated by the chief guest, District Magistrate, Prayagraj Ravindra Kumar Modard. Special guests will be Suneet Kumar Rai, DIG CRPF Prayagraj and Rapid Action Force Commandant Manoj Kumar Gautam. Vice Chancellor Professor Satyakam will preside over. Professor Shruti, in-charge of the Women's Studies and Extended Activity Center of the University, said that the said exhibition will remain open till 5 pm. In which the products prepared by the women of the villages adopted by the university will be available for sale.

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 | अंक : 358 | प्रयागराज, गुरुवार, 28 नवम्बर, 2024, | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रुपया

आजादी के आंदोलन से जुड़ी है बच्चन की कविताएं-प्रो.सत्यकाम

व्यवस्थित रचनाकार थे हरिवंश राय बच्चन-रविनंदन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन की जयंती के अवसर पर बुधवार को हरिवंश राय बच्चन के काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सरस्वती के संपादक तथा हिंदी के प्रतिष्ठित विचारक रवि नंदन सिंह ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन संतुलन के कवि तथा व्यवस्थित रचनाकार थे। उनकी रचनाएं जन सरोकारों तथा राष्ट्र से जुड़ी हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज और व्यक्ति के बीच होने वाली क्रिया और प्रतिक्रिया को प्रतिबिंबित किया है। उन्होंने कहा कि साहित्यकार शब्दों की व्यंजनों को पकड़ता है। तब रचनाएं प्रस्फुटित होती हैं।अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन की कविताएं सीधे-सीधे आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं।बच्चन जी विशिष्ट धारा के कवि थे। आजादी से पूर्व वे मस्ती की कविताएं क्रांतिकारियों के लिए लिख रहे थे जबकि दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी तथा सुभद्रा कुमारी चौहान वीर रस की कविताएं लिख रही थीं। बच्चन जी की कविताओं में सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीयता का भाव प्रदर्शित होता है।प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रयागराज में जो साहित्यकार रहे हैं मुक्त विश्वविद्यालय उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आगे बढ़ाने में अपनी रचनात्मक भूमिका का निर्वाह करेगा। इसी कड़ी में महाकवि निराला की कविताओं का मंचन, प्रमुख रूप से राम की शक्ति पूजा का मंचन कराने के लिए उन्होंने मानविकी विद्या शाखा के निदेशक को निर्देशित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव अनुपम ने संचालन तथा प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्या शाखा के निदेशक, शिक्षक, शोधार्थी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक खुली रहेगी। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत
सिर्फ सच के साथ
हिन्दी दैनिक
शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 प्रयागराज, वर्ष: 24, अंक: 25, पेज: 12, मूल्य: 3.00 रूपए

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आरएएफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार को मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय, डीआईजी सीआरपीएफ प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह ने किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनरकारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। मुक्त विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिलाओं के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में एक नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग एवं प्रशिक्षण हस्तशिल्प को बढ़ाने में सदैव उपयोगी रहा है।

विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ-साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। जिसमें खान पान से लेकर विभिन्न स्थानीय कारीगरी जैसे मूंज के सामान, लाख से बने घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प ज्वेलरी, गोबर से बने उत्पाद, सेरेमिक आर्ट, पेंटिंग्स, बंदनवार, तोरण, बैग, बटुआ, अचार मुरब्बा, जैविक खाद से बनी सामग्री, शहद, साज सज्जा, परिधान एवं केले के डंठल से बने डलिया आदि को लोगों ने खूब सराहा और जमकर खरीददारी की। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई।

शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, आगरा, भोपाल, पुणे, मुम्बई एवं राजधानी दिल्ली से प्रकाशित निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

तीर्थराज टाइम्स

वर्ष – 34, अंक – 327, प्रयागराज, शुक्रवार 29 नवंबर, 2024 मूल्य 1.00 रुपया

उधमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

हिन्दी दैनिक
उर्ध्व नेत्र
प्रयागराज शुक्रवार 29 नवम्बर, 2024

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

दैनिक जागरण

शिल्प प्रदर्शनी में दिखा महिलाओं का हुनर

यूपीआरटीओयू ने आरए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

बैग, बटुआ, अचार मुरब्बा, परिधानों समेत लगाए गए थे 32 स्टाल

अवसर को बनाएंगी

उद्यम को मिलेगी नई दिशा

Vol. 17 Issue 143 Daily pages – 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj

PRAYAGRAJ FRIDAY, 29 NOVEMBER 2024 WEBSITE : www.jeevanexpress.in RNI NO.- UPENG/2008/25430

JEEVAN EXPRESS

EDITORIAL NEWSCAST SPORT

Crafts exhibition become vibrant due to skills of enterprising women

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and 101 Battalion Rapid Action Force, the crafts exhibition was inaugurated in the courtyard in front of Atal Auditorium located in the Saraswati campus of the university by the chief guest Mr. Sunil Kumar Rai, DIG CRPF Prayagraj, Rapid Action Force Commandant Manoj Kumar Gautam, Vice Chancellor Professor Satyakam and Joint Magistrate Mr. Anubhav Singh.

While inaugurating the exhibition, the chief guest Mr. Sunil Kumar Rai said that we should adopt environment friendly natural products. In the interest of society, we should support women entrepreneurs as much as possible. Handicraft materials should be purchased to encourage them. Plastic should be completely boycotted. He said that this craft exhibition has become vibrant due to the skills and performance of women entrepreneurs in the direction of women empowerment. If women become entrepreneurs, then the business will get a new direction. Moving ahead with technology for economic development is the need of the hour.

While presiding over the function, Vice Chancellor Professor Satyakam said that the Handicraft Fair is a direct proof of women empowerment. This exhibition of skilled artisans and craftsmen from Prayagraj and surrounding areas is a powerful medium of self-employment. He said that women have always had skills and there is a need to hone them. This joint exhibition of Open University and Rapid Action Force will not only encourage the morale of these women but will also pave a new path for them to move forward. He said that administrative support and training have always been useful in promoting handicrafts. He said that the Anganwadi workers who have come to the craft exhibition and the people who have come to visit the exhibition will be infused with new energy and will get an opportunity to learn new dimensions of self-employment in the future.

Special guest Joint Magistrate Shri Anubhav Singh said that such craft fairs become carriers of Indian values and culture along with traditional products. Self-help groups are a strong link in this direction. This craft fair is a symbol of prosperity along with development of women.

Professor Shruti, in-charge of the Women's Studies and Extended Activities Centre of the University, said that 32 stalls were set up in the craft exhibition. From food to various local craftsmanship such as Munj items, household products made of lacquer, handicraft jewellery, products made of cow dung, ceramic art, paintings, bandanwar, toran, bags, wallets, pickles, jams, items made of organic manure, honey, decorations, apparel and baskets made of banana stalks etc. were highly appreciated by the people and they shopped a lot. While people bought books from the stall of Allahabad Museum, women also got mehndi applied.

For special encouragement from the university and Rapid Action Force, all the artisans who came to the craft fair were honored by Vice Chancellor Professor Satyakam and Rapid Action Force Commandant Shri Manoj Kumar Gautam by giving them certificates and mementos. Vice Chancellor Professor Satyakam expressed special gratitude to Rapid Action Force Commandant Shri Manoj Kumar Gautam for his cooperation.

न्यायपथ

मुझे लगा कि सूर्यवंशी को ...

चौथी बार झारखंड के सीएम...

वर्ष : 15 अंक-16 प्रयागराज साप्ताहिक शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 से 05 दिसम्बर 2024 मुद्रित पृष्ठ-8 मूल्य-2 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय ने आरएएफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित

सुविचार
जिस पर ईश्वर की कृपा होती है, उसको सांसारिक सुखों का अभाव रहता है।
शुभ प्रभात!

उधमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन
विविध : फिर वीर की मुरीद हुई श्रद्धा कपूर * लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित
वीर अर्जुन, नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 2024

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार मुक्त विश्वविद्यालय ने आरएएफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

शुक्रवार, 29 नवम्बर 2024
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक अधिकार
सबकी आवाज, सबका अधिकार

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

आरएएफ कर्मियों को सम्मानित करतीं विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. श्रुति श्रीवास्तव। स्रोत : विश्वविद्यालय

मेले में सहयोग करने वाले आरएएफ कर्मियों को किया सम्मानित

फाफामऊ। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आरएएफ व विश्वविद्यालय ने शिल्प मेला व प्रदर्शनी का आयोजन किया था। इसमें आरएएफ के अधिकारियों व जवानों ने सहयोग किया था। सोमवार को विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. श्रुति श्रीवास्तव ने मेला व प्रदर्शनी में सहयोग करने वाले अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया। यहां बल के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, उपकमांडेंट टीएन सिंह, सुमन पाल, रामचंद्र राम आदि मौजूद थे। संवाद

आरएएफ जवानों को स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

दअ संवाददाता

फाफामऊ,प्रयागराज। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं 101 आर.ए.एफ. के सौजन्य से शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन युनिवर्सिटि परिसर में किया गया था। शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी के अवसर पर मनोज कुमार गौतम, कमांडेण्ट–101 आर.ए.एफ. के नेतृत्व में अधिकारी व अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिकों ने शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी को सम्पन्न कराने में अपने आराम कि परवाह किए बिना अपना बहुमूल्य योगदान दिया। जिसके लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा आम जनमानस एवं शिल्प मेले में आये अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गयी।

आरएएफ जवानों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

फाफामऊ। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं 101 आर.ए.एफ. के सौजन्य से शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन युनिवर्सिटि परिसर में किया गया था। शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी के अवसर पर मनोज कुमार गौतम, कमांडेण्ट–101 आर.ए.एफ. के नेतृत्व में अधिकारी व अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिकों ने शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी को सम्पन्न कराने में अपने आराम कि परवाह किए बिना अपना बहुमूल्य योगदान दिया। जिसके लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा आम जनमानस एवं शिल्प मेले में आये अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गयी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. श्रुति श्रीवास्तव व कमाण्डेंट–101 आर.ए.एफ. द्वारा वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों व जवानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर टी. एन. सिंह (उप०कमा०), सुमन पाल (सहा०कमा०), राम चन्द्र राम (सहा० कमा०), अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

दैनिक अमित मेल

प्रयागराज। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं 101 आर.ए.एफ. के सौजन्य से शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन युनिवर्सिटि परिसर में किया गया था।

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी के अवसर पर मनोज कुमार गौतम, कमांडेण्ट-101 आर.ए.एफ. के नेतृत्व में अधिकारी व अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिकों ने शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी को सम्पन्न कराने में अपने आराम कि परवाह किए बिना अपना बहुमूल्य योगदान दिया। जिसके लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा आम जनमानस एवं शिल्प मेले में आये अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गयी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. श्रुति श्रीवास्तव व कमाण्डेंट-101 आर.ए.एफ. द्वारा वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों व जवानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर टी. एन. सिंह (उप०कमा०), सुमन पाल (सहा०कमा०), राम चन्द्र राम (सहा० कमा०), अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

आर.ए.एफ के कमांडेण्ट ने अधिकारियों व जवानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

प्रयागराज। मंगलवार को महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं 101 आर.ए.एफ. के सौजन्य से शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन युनिवर्सिटि परिसर में किया गया था।

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी के अवसर पर मनोज कुमार गौतम, कमांडेण्ट-101 आर.ए.एफ. के नेतृत्व में अधिकारी व अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिकों ने शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी को सम्पन्न कराने में अपने आराम कि परवाह किए बिना अपना बहुमूल्य योगदान दिया। जिसके लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा आम जनमानस एवं शिल्प मेले में आये अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गयी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. श्रुति श्रीवास्तव व कमाण्डेंट-101 आर.ए.एफ. द्वारा वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों व जवानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर टी. एन. सिंह (उप०कमा०), सुमन पाल (सहा०कमा०), राम चन्द्र राम (सहा० कमा०), अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

101 आर.ए.एफ. के सौजन्य से शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का कियाआयोजन

विधि विधाता समाचार

डीके यादव

प्रयागराज शांतिपुरम फफामऊ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन युनिवर्सिटि परिसर में किया गया था शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी के अवसर पर मनोज कुमार गौतम, कमांडेण्ट–101 आर.ए.एफ. के नेतृत्व में अधिकारी व अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिकों ने शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी को सम्पन्न कराने में अपने आराम कि परवाह किए बिना अपना बहुमूल्य योगदान दिया। जिसके लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा आम जनमानस एवं शिल्प मेले में आये अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गयी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. श्रुति श्रीवास्तव व कमाण्डेंट–101 आर.ए.एफ. द्वारा वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों व जवानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया उक्त अवसर पर टी. एन. सिंह (उप०कमा०), सुमन पाल (सहा०कमा०), राम चन्द्र राम (सहा० कमा०), अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
28 नवम्बर, 2024

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार
मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई शिल्प प्रदर्शनी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी. आई. जी. सीआरपीएफ, प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट, मनोज कुमार गौतम, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह ने किया। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ0 श्री त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ० त्रिविक्रम तिवारी

मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी. आई. जी. सीआरपीएफ, प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट, मनोज कुमार गौतम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी एवं प्रो० श्रुति

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई प्रो0 श्रुति एवं डॉ0 साधना श्रीवास्तव

स्वागत भाषण रैपिड देते हुए कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम जी

महिलाओं के विकास के साथ–साथ समृद्धि का प्रतीक है शिल्प मेला : अनुभव सिंह

विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री अनुभव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ–साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। महिलाओं के विकास के साथ–साथ समृद्धि का प्रतीक यह शिल्प मेला है।

महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी : सुनीत कुमार राय

प्रदर्शनी का उद्‌घाटन करते हुए मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उद्यमी महिलाओं के हुनर एवं प्रदर्शन से यह शिल्प प्रदर्शनी गुलजार हुई है। महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक विकास के लिए टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है।

हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनर कारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में हुनर हमेशा से रहा है उसे निखारने की आवश्यकता है। मुक्त विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिलाओं के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में एक नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग एवं प्रशिक्षण हस्तशिल्प को बढ़ाने में सदैव उपयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि शिल्प प्रदर्शनी में आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए लोगों में नवऊर्जा का संचार होगा एवं भविष्य में स्वरोजगार के नवीन आयाम को सीखने का अवसर मिलेगा।

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई प्रोफेसर श्रुति

आंगनबाडी केन्द्र की महिलाओं को लंच पैकेट देते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। जिसमें खान पान से लेकर विभिन्न स्थानीय कारीगरी जैसे मूंज के समान, लाख से बने घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प ज्वेलरी, गोबर से बने उत्पाद, सेमेरिक आर्ट, पेंटिंग्स, बंदनवार, तोरण, बैग, बटुआ, अचार मुरब्बा, जैविक खाद से बनी सामग्री, शहद, साथ सज्जा, परिधान एवं केले के डंठल से बने डलिया आदि को लोगों ने खूब सराहा और जमकर खरीददारी की। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई।

शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

शिल्प प्रदर्शनी की झलक

शिल्प प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट, मनोज कुमार गौतम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह

शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी
आयोजन स्थल

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी
आयोजक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधिकेन्द्र
आयोजन स्थल

101 RAF
PRAYAGRAJ
101 RAF
PRAYAGRAJ

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी

(28 नवम्बर 2024)

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र उ.प्र.रा. ट. मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयुक्त तत्तवावधान

101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल, प्रयागराज

आयोजन स्थल – सरस्वती परिसर, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ।

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी

(28 नवम्बर 2024)

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र उ.प्र.रा.ट.मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयुक्त तत्तवावधान

101 वाहिनी, द्रुत कार्य बल, प्रयागराज

निःशुल्क प्रवेश

(मेले में आप सभी सादर आमंत्रित हैं)

समय– सुबह 10 बजे से सायं 05 बजे तक

आयोजन स्थल–सरस्वती परिसर, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

भाषण प्रतियोगिता

दिनांकः 01 मार्च, 2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम संयोजक

डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी
सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

भाषण एवं नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिता

(दिनांक 01 मार्च 2025)

कार्यक्रम प्रतिवेदन

राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या ई0—1112 / 32—जीएस / 2024 XXIII के तथा विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ.यू. / 1802 / 2025, दिनांक 24 / 02 / 2025 के अनुपालन में भाषण एवं नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कन्द्रों (आजमगढ़, झॉसी, कानपुर, गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ) पर दिनांक 27 एवं 28 फरवरी 2025 को उपरोक्त पत्रांक के माध्यम से निर्देशित किये गये भाषण प्रतियोगिता के विषयों दहेज प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह पर प्रतिबंध, विकसित भारत की संकल्पना, वृद्धाश्रम की जरुरत क्यों है? तथा कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान विषयों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही अहिल्या बाई होल्कर, द्रौपदी वस्त्रहरण, श्रवण कुमार की अपने माता—पिता के प्रति भक्ति, राम वनवास एवं भरत मिलाप आदि विषयों में नाटक प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उपरोक्त विषयों के अनुक्रम में क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ में भाषण प्रतियोगिता एवं नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया जिसमें कुल 15 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें वृद्वा आश्रम की जरुरत क्यों है? विषय पर साबरीन बानों को प्रथम तथा रोशनी को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बाल विवाह प्रतिबंध विषय पर अंजली मौर्य तथा दहेज प्रथा उन्मूलन में गुन्जा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। नाट्य प्रस्तुति में श्रवण कुमार की अपने माता—पिता के प्रति भक्ति में अंजली मौर्या, रोशनी तथा गुन्जा गुप्ता को प्रथम तथा नेहा एवं बिन्दु यादव को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय केन्द्र झॉसी में भाषण प्रतियोगिता में कुल 04 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें गिरजा सिंह को विकसित भारत की संकल्पना में प्रथम तथा नीलिमा सिंह को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र में कुल 10 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें विकसित भारत की संकल्पना विषय में क्षितिज कुमार श्रीवास्तव को प्रथम तथा काजल मिश्रा को द्वितीय, वृद्धाश्रम आश्रम की जरुरत क्यों है? विषय में तान्या तिवारी को प्रथम तथा पूजा प्रजापति को द्वितीय एवं बाल विवाह प्रतिबंध विषय में महिमा सिंह को प्रथम तथा जयकृष्ण साहू को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र पर कुल 06 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें श्री विकास सिंह को प्रथम एवं श्याम दत्त दुबे को द्वितीय स्थान तथा नाटक प्रस्तुति में श्री विकास सिंह एवं श्री सागरनेत नाथन ने श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया उपदेश में अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत की। क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर में भाषण प्रतियोगिता में श्री अरविन्द गुप्ता एवं श्री राम लखन सिंह को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में कुल 07 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें श्री कपिल किशोर लाल को प्रथम एवं श्री प्रवेश शुक्ल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

उपरोक्त कार्यक्रमों का आयोजन क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों डॉ. प्रेम प्रकाश कुशवाहा, क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक आजमगढ, डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा, क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, झॉसी तथा डॉ0 रेखा त्रिपाठी, क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक कानपुर, डॉ0 प्रवीण कुमार, क्षेत्रीय केन्द्र समनव्यक, गोरखपुर, डॉ0 निरांजलि सिन्हा, क्षेत्रीय केन्द्र समनव्यक, लखनऊ तथा डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, क्षेत्रीय केन्द्र समनव्यक, अयोध्या के संयोजकता में सम्पन्न कराए गए।

इन प्रतियोगिता में विजित सभी प्रतिभागियों को एवं विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में दिनांक 01 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता हेतु प्रस्तुत किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विश्ववविद्यालय के मुख्य परिसर एवं क्षेंत्रीय केन्द्रों के प्रतिभागियों ने उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें दहेज प्रथा उन्मूलन में 02, कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान में 01, विकसित भारत की संकल्पना में 05, वृद्धा आश्रम की जरुरत क्यों है? में 04 तथा बाल विवाह पर प्रतिबंध में 01 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। छात्रों के प्रस्तुति के उपरान्त सभी वर्गो में छात्रों को प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्रदान किया गया।

इनमें दहेज प्रथा उन्मूलन विषय में क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान मुकेश दुबे, शोध छात्र, भूगोल, अनुराग, शोध छात्र, इतिहास, बाल विवाह पर प्रतिबंध विषय में प्रथम स्थान पारूल श्रीवास्तव, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार, विकसित भारत की संकल्पना विषय में प्रथम स्थान वत्सल श्रीवास्तव, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार एवं द्वितीय स्थान सचिन कुमार यादव, शोध छात्र, भूगोल, वृद्धा आश्रम की जरूरत क्यों है? विषय में प्रथम स्थान दिलीप श्रीवास्तव, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान, द्वितीय स्थान अभिषेक सिंह, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान विषय में प्रथम स्थान अजीत, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में प्रतिभाग किये हुए समस्त प्रतिभागियों को प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम के निर्णायक मण्डल में डॉ. स्मिता अग्रवाल, सहायक आचार्य (संस्कृत) मानविकी विद्याशाखा डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य (दर्शनशास्त्र) मानविकी विद्याशाखा एवं डॉ. अब्दुल रहमान रहे, सहायक आचार्य (उर्दू), मानविकी विद्याशाखा रहे। इन प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ स्थान पाने वाले छात्रों में से दो छात्रों प्रथम स्थान पर रहे दिलीप श्रीवास्तव, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान एवं द्वितीय स्थान पर रहे सचिन कुमार यादव, परास्नातक भूगोल का चयन कर द्वितीय चक्र हेतु प्रतिभाग करने हेतु दिनांक 04/03/2025 को प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया), विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रतिभाग हेतु डॉ0 अतुल कुमार मिश्र के नेतृत्व में भेजा गया।

प्रतियोगिता कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, डॉ. साधना सिंह सह प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, डॉ. सत्य पाल तिवारी, निदेशक मानविकी विद्याशाखा, डॉ. सुभाष चन्द्र पाल, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. सोहनी देवी एवं विभिन्न विद्याशाखा के प्राध्यापकगण तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सदस्यगण उपस्थित रहे।

इस प्रतियोगिता कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों के मध्य सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षेत्रों में जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं विश्वविद्यालय के छात्रों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया था, जिससे सभी के लिए एक विविध और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित हुआ। भाषण प्रतियोगिता ने छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को सफलतापूर्वक उजागर किया। कार्यक्रम ने स्वच्छता जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक समृद्धि पर जोर दिया, जो समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के विश्वविद्यालय के मिशन के साथ संरेखित है। इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय आयोजन समिति, संकाय सदस्यों और भाग लेने वाले छात्रों के सामूहिक प्रयासों को दिया गया, जिन्होंने कार्यक्रम को एक सार्थक और प्रेरक अनुभव बनाने में योगदान दिया। आगे बढ़ते हुए, छात्रों की भागीदारी और सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने, महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों में सीखने और सक्रिय भागीदारी के माहौल को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह की पहल का आयोजन जारी रहेगा।

कार्यक्रम की झलकियाँ

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर—एफ), फाफामऊ
प्रयागराज — 211021
कुलसचिव
फोन : 0532-2447035 मो. : 7525048031
ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

पत्रांक : ओ.यू./1836/2025

दिनाँक : 03-03-2025

सेवा में,

कुलसचिव,
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय,
प्रयागराज – 211009

विषय : **दिनाँक 08 मार्च, 2025 को "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर राज्य विश्वविद्यालय एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रतियोगिताएं संचालित कराए जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक प्रोरासिविवि/कुसका/2025–1136 दिनाँक 03 मार्च, 2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो संयोजिका, महिला अध्ययन केन्द्र को सम्बोधित है। उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या 1112/32–जीएस/2024 XXIII दिनाँक 21–02–2025 के अनुपालन में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 01 मार्च, 2025 को भाषण प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों के नाम निर्धारित प्रारूप में निम्नवत है :—

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रतियोगिता का नाम	विजेता 1 का नाम	मोबाइल नंबर	विजेता 2 का नाम	मोबाइल नंबर
1.	उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	भाषण प्रतियोगिता	दिलीप श्रीवास्तव	7839308055	सचिन कुमार यादव	7232964645
2.	उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	नाट्य प्रतियोगिता	—	—	—	—

कृपया उक्त से अवगत होने का कष्ट करें।

भवदीय
(विनय कुमार)
कुलसचिव

कुलसचिव

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर–एफ), फाफामऊ
प्रयागराज – 211021

फोन : 0532-2447035 मो. : 7525048031
ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

पत्रांक : ओ.यू./1836/2025

दिनाँक : 03–03–2025

सेवा में,

कुलसचिव,
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय,
प्रयागराज – 211009

विषय : दिनाँक 08 मार्च, 2025 को "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर राज्य विश्वविद्यालय एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रतियोगिताएं संचालित कराए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक प्रोरासिविवि/कुसका/2025–1136 दिनाँक 03 मार्च, 2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो संयोजिका, महिला अध्ययन केन्द्र को सम्बोधित है। उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या 1112/32–जीएस/2024 XXIII दिनाँक 21–02–2025 के अनुपालन में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 01 मार्च, 2025 को भाषण प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों के नाम निर्धारित प्रारूप में निम्नवत है :–

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रतियोगिता का नाम	विजेता 1 का नाम	मोबाइल नंबर	विजेता 2 का नाम	मोबाइल नंबर
1.	उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	भाषण प्रतियोगिता	दिलीप श्रीवास्तव	7839308055	सचिन कुमार यादव	7232964645
2.	उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	नाट्य प्रतियोगिता	–	–	–	–

कृपया उक्त से अवगत होने का कष्ट करें।

भवदीय

(विनय कुमार)
कुलसचिव

ई–मेल

राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश,
लखनऊ–226027

पत्रांकःई– 1175 / 32–जी0एस0 / 2025
दिनांकः 26 फरवरी, 2025

प्रेषक,

श्री राज्यपाल / कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलपति / निदेशक
समस्त राज्य विश्वविद्यालय / संस्थान,
उत्तर प्रदेश।

विषय : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में गतिविधियॉं संचालित कराये जाने विषयक।

महोदय / महोदया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को हुई ऑनलाइन बैठक के कार्यवृत्त संख्याः ई–1112 / 32–जी0एस0 / 2024–XXIII, दिनांक 21.02.2025 तथा ऑनलाइन बैठक दिनांक 21.02.2025 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. माननीया कुलाधिपति महोदया जी की प्रेरणा से उपर्युक्त बैठक में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08.03.2025 को विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों एवं उनसे सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों में प्रदेश स्तर पर निम्नानुसार गतिविधियॉं संचालित कराया जाना है। सभी विश्वविद्यालयों / संस्थानों को 06 समूहों में निम्नानुसार विभाजित किया गया हैः–

समूह–1

1. डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
2. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
3. सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ।
4. महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
5. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
6. मॉ0 शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर।

समूह–2

1. पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान, मथुरा।
2. छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।
3. चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर।
4. हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर।
5. बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।

समूह–3

1. पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
2. मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
3. महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
4. सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर।
5. आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
6. डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।

26/2

.....2

Scanned with CamScanner
Scanned with OKEN Scanner

समूह–4

1. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
2. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।
4. जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।
5. बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा।
6. महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़।

✓ समूह–5

1. प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. उत्तर प्रदेश राजर्षि टंण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ।
4. डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।
5. ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ।

समूह–6

1. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
2. डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ।
3. किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
4. संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ।
5. डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ।
6. अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।

3. उपर्युक्त 6 समूहों के मध्य करायी गयी 2–2 प्रतियोगिता (भाषण और नाटक) में अन्तिम (final) रूप से भाषण प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर चयनित छात्र/छात्राओं तथा नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित टीम द्वारा माननीया कुलाधिपति महोदया के समक्ष भाषण एवं नाटक का प्रस्तुतीकरण दिनांक 08.03.2025 को राजभवन, लखनऊ में किया जायेगा।

3.1 इसी प्रकार 05 विश्वविद्यालयों यथा 1–लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 2–महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, 3–सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, 4–पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 5–महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के अनुसूचित जनजाति के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुतीकरण माननीया कुलाधिपति महोदया के समक्ष दिनांक 08.03.2025 को किया जायेगा।

4. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर राजभवन, लखनऊ में दिनांक 08.03.2025 को राजभवन लखनऊ में होने वाले कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने वाले छात्र/छात्राओं के आवागमन व प्रवास आदि की समस्त व्यवस्था संबंधित विश्वविद्यालयों/संस्थानों द्वारा स्वयं सुनिश्चित की जायेगी।

5. राजभवन, लखनऊ में दिनांक 08.03.2025 को आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र/छात्राओं के नाम, पिता का नाम, उनकी कक्षा एवं विश्वविद्यालय/संस्थान/महाविद्यालय आदि का विवरण दिनांक 05.03.2025 की सायंकाल तक इस सचिवालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।

6. उपर्युक्त दोनों प्रतियोगिताओं की राजभवन में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराने हेतु राजभवन आने वाले छात्र/छात्राओं को संयोजक महिला अध्ययन केन्द्र की अध्यक्षा अथवा महिला शिक्षक द्वारा लाया जायेगा।

7. उपर्युक्त प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय/संस्थान/महाविद्यालय स्तर पर प्रतिभाग करने वाले समस्त छात्र/छात्राओं की रिपोर्ट संयोजक साथ में लायेंगी।

......3

26/12

Scanned with OKEN Scanner

8. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजभवन, लखनऊ में दिनांक 08.03.2025 को आयोजित होने वाली प्रतियोगिता/कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले छात्र/छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य रूप से प्रातः 10.00 बजे तक सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डा0 सुधीर एम0 बोबडे)
कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

क्षेत्रीय केन्द्र–,छतवारा रोड, बेलईसा चौराहा– आजमगढ़

डा. प्रेम प्रकाश कुशवाहा
क्षेत्रीय समन्वयक

आजमगढ़–276001

ई–मेल :– azmuprtou@gmail.com
मोबाइल न0 7525048041,
8081419283

पत्रांक : आ.क्षे.के./439/2025 दिनांक : 28/02/2025

सेवा में,

संयोजक
भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता
उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
शान्तिपुरम आवास योजना सेक्टर एफ,फाफामऊ
प्रयागराज

विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ.यू./1802/2025,दिनांक 24/02/2025 के सापेक्ष में क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ पर दिनांक 27.02.2025 को भाषण एवं नाटक प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 06 शिक्षार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इसके इतर नाटक प्रतियोगता में प्रतिभाग संख्या 09 रहा है। प्रतिभाग किये गये शिक्षार्थियों की प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त निम्नवत है –

(क) भाषण प्रतियोगिता	शीर्षक
1. साबरीन बानो – प्रथम स्थान	वृद्व आश्रम की जरुरत क्यो है?
2. रोशनी – द्वितीय स्थान	वृद्व आश्रम की जरुरत क्यो है?
3. अंजली मौर्य – प्रथम स्थान	बाल विवाह पर प्रतिबन्ध
4. गुन्जा गुप्ता – प्रथम स्थान	दहेज प्रथा उन्मूलन

(ख) नाटक प्रतियोगता –	शीर्षक
1. अंजली मौर्य – प्रथम स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
2. रोशनी – प्रथम स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
3. गुन्जा गुप्ता – प्रथम स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
4. नेहा – द्वितीय स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
5. विन्दु यादव – द्वतीय स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति

अतः निवेदन है कि उक्त प्रतिभागियों को दिनांक 01.03.2025 को आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में सम्मलित करने की कृपा करें।

भवदीय

(हस्ताक्षर) 28.02.2025

क्षेत्रीय समन्वयक आजमगढ़

प्रतिलिपि –:

1. उपस्थिति पत्रक की सूची।
2. फोटो की छायाप्रति।

दिनांक – 27.02.2025

क्षेत्रीय केन्द्र,आजमगढ

भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता

उपस्थिति पत्रक

क0सं0	नाम	नामाकंन संख्या	विषय	शीर्षक	मो0न0	हस्ताक्षर
01	सुमन यादव	2321962239269-898	भूगोल	विकसित भारत की संकल्पना	7607782048	Suman Yadav
02	साबरीन बानो	242049237318688	उर्दू	वृद्ध आश्रम की जरूरत क्यों है?	8052028689	Sabreen Bano
03	प्रिया निषाद	2321962226260050	हिन्दी	दहेज प्रथा उन्मूलन	9889994339	Priya Nishad.
04	Gunja Gupta	242187225308136	M.Sc. PGBCH	दहेज प्रथा उन्मूलन	9936390280	Gunja Gupta
05	रोशनी	2421871023057788	B.Com PGBCH	वृद्ध आश्रम की जरूरत क्यों है	9935805560	रोशनी
06	अंजली मौर्या	242187102297583	B.Com PGBCH	बाल विवाह पर प्रतिबंध	9695498178	अंजली मौर्या
07	नेहा	242187104308111	(B.Sc I)	श्रवण कुमार नाटक	9616483304	नेहा
08	आफरीन खातून	241187101291286	B.A	नाटक	7394959302	Afreen

[signature]

क्षेत्रीय समन्वयक
आजमगढ़

9	नगमा खातून	242187237298890	M.A I (उर्दू)		8175832874	नगमा
10	बिन्दु यादव				9450401745	बिन्दु
11	अंजली मौर्या	2421871022975 83	B.Com I	श्रवण कुमार की अपनी माता-पिता के प्रति भक्ति	9695498178	अंजली
13	रोशनी	242187102305 7788	B.com I	श्रवण कुमार की अपनी के माता-पिता के प्रति भक्ति	9935805560	रोशनी
14	नेहा	242187104308 111	B.Sc I		9616983804	नेहा
15.	Gunja Gupta	242187225308136	M.Sc. PG BCH	" "	9936390280	Gunja Gupta

Gyan (signature)
क्षेत्रीय समन्वयक
आजमगढ़

उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय झांसी डी 17 एम 2 वीरांगना नगर पिछौर
झांसी–284128

डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा
क्षेत्रीय समन्वयक

फोन–7525048147
rcjhansi.uprtou@gmail.com

पत्रांक: ओ0 यू0/क्षे.का.झांसी/8।0/2025 दिनांक: 28/ 02/2025

सेवा में

कुलसचिव
उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

विषय–क्षेत्रीय कार्यालय झाँसी पर कार्यक्रमों में प्रतिभाग लेने वाले छात्र–छात्राओं का विवरण भेजने के सन्दर्भ में।

महोदय

आपको सादर अवगत कराना है कि राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या ई0–1112/32–जीएस /2024 के अनुपालन में विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ०यू०/1802/2025 दिनांक 24/02/2025 के आदेशानुसार दिनांक 28/02/2025 को उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी पर निम्न प्रतियोगितायें/कार्यक्रम सम्पन्न कराये गये। जिसका विवरण निम्नलिखित है।

1. भाषण प्रतियोगिता :

क्रम सं०	प्रतियोगिता/कार्यक्रम का नाम	छात्र का नाम	शीर्षक का नाम	नामांकन संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	स्थान
1.	भाषण प्रतियोगिता	गिरज़ा सिंह	विकसित भारत की संकल्पना	2421604986296685	DIPLOMA IN YOGA	प्रथम
2.	भाषण प्रतियोगिता	नीलिमा सोनी	विकसित भारत की संकल्पना	2421604239294394	MASTER OF ARTS GEOGRAPHY NEP	द्वितीय

2. नाटक प्रतियोगिता : निल

अतः आपसे अनुरोध है कि प्रतियोगिता/कार्यक्रम से सम्बन्धित प्रतिभागियों को 01 मार्च 2025 को होने वाली प्रतियोगिता में सम्मिलित करने का कष्ट करें।

भवदीय

Jverma

डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा
क्षेत्रीय समन्वयक, झाँसी

(डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा)
क्षेत्रीय समन्वयक
क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

Scanned with OKEN Scanner

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एस–1604

राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या ई0–1112/32–जीएस /2024 के अनुपालन में विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ०यू०/1802/2025 दिनांक 24/02/2025 के आदेशानुसार दिनांक 28/02/2025 को उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी पर प्रतियोगितायें/कार्यक्रम सम्पन्न कराये गये छात्र–छात्राओं के उपस्थिति पत्रकः–

1. भाषण प्रतियोगता :

क्रम सं०	छात्र/छात्रा का नाम	शीर्षक का नाम	नामांकन संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	मोबाइल नं०	हस्ताक्षर
1.	अमित कुमार	विकसित भारत की संकल्पना	222160423420001 8	MA-Philosphy	9935409853	Amit
2.	अंजना सिंह	विकसित भारत की संकल्पना	242160498629668 5	YOGA (DYO)	8004350372	[illegible]
3.	नीलिमा सोनी	विकसित भारत की संकल्पना	242160423929439 4	MA-Geography	9305762548	Neelima
4.	Uzma Nishat	Child Marriage	2221604101200109	B.A English IIyr	7309835325	Uzma.
5.						
6.						
7.						
8.						
9.						
10.						

Iverma

डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा
क्षेत्रीय समन्वयक, झाँसी

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर

(भूखण्ड सं0–04, डब्ल्यू–ब्लॉक, गुल मोहर विहार, जूही, कानपुर नगर–208014)

डॉ0 रेखा त्रिपाठी
क्षेत्रीय समन्वयक

E-Mail: rcknp10@gmail.com

दूरभाष : 7525048145

पत्रांक : ओ.यू./क्षे.के. कानपुर/762

दिनांक– 28/02/2025

सेवा में,

कुलसचिव,
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
प्रयागराज।

विषय– भाषण प्रतियोगिता के सम्बन्ध में।

महोदय,

सादर अवगत कराना है कि विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ0यू0/1802/2025, दिनांक 24/02/2025 के अनुपालन में क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर में दिनांक– 27/02/2025 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल 10 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। जिसमें से 06 विजेताओं के नाम आपके सामने प्रस्तुत हैं, जिनका विवरण विषयानुसार बिन्दुवार निम्नलिखित है–

क0 सं0	प्रतिभागी का नाम	नामांकन संख्या	कार्यक्रम/विषय	प्रतियोगिता में स्थान
	भाषण का विषय– विकसित भारत की संकल्पना			
01	क्षितिज कुमार श्रीवास्तव	2421609226298311	एम0ए0– हिन्दी	प्रथम
02	काजल मिश्रा	2321609228267904	एम0ए0–इतिहास	द्वितीय
	भाषण का विषय– वृद्धाश्रम की जरुरत क्यों है?			
01	तान्या तिवारी	2511609101325519	बी0ए0	प्रथम
02	पूजा प्रजापति	2421609239309463	एम0ए0 – भूगोल	द्वितीय
	भाषण का विषय– बाल विवाह पर प्रतिबंध			
01	महिमा सिंह	25116091102325214	एकल विषय–राजनीति विज्ञान	प्रथम
02	जयकृष्ण साहू	25116091162327199	कुम्भ में प्रमाणपत्र	द्वितीय

कृप्या उक्त से अवगत होना चाहें।

भवदीया

Tripathi

(डॉ0 रेखा त्रिपाठी)
क्षेत्रीय समन्वयक
क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या, बी.एन.एस. गर्ल्स डिग्री कालेज,
परिक्रमा मार्ग,जनौरा बाईपास,
अयोध्या–224001

डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी
क्षेत्रीय समन्वयक

मोबाइल नं0 : 7525048015
Email Id : rcayodhya@uprtou.ac.in

भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

दिनांक–27.02.2025

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	नामांकन सख्या	मोबाइल नम्बर	हस्ताक्षर
01.	Ruchi Singh		9839614616	RS
02.	Shiv Kumar yadav	2411605214285859	7860247480	Shiv Kumar yadav
03.	Avadh Kumar Yadav		9305525712	Avadh
द्वितीय स्थान (04)	Pravesh Shukla	2411595102289420	9696022386	[signature]
05.	Surendra Kumar Kanaujia	2211605110271815650	9554058812	S. Kanaujia
प्रथम स्थान (06)	kapil kishor lal	2421595104295902	9415718360	Kapil
07	उपेन्दर यादव	2221605101208647	8318367920	Upendar Yadav

उक्त शिक्षार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। नाटक प्रतियोगिता के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। भाषण प्रतिभागियों में से प्रथम स्थान – श्री कपिल किशोर लाल एवं द्वितीय स्थान श्री प्रवेश शुक्ला ने प्राप्त किया।

भवदीय
[signature] 27.02.2025
डॉ0(शशि भूषण राम त्रिपाठी)
क्षेत्रीय समन्वयक
क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

गोरखपुर 273001

क्षेत्रीय समन्वयक

ई-मेल rcgorakhpuruprtou@gmail.com
मोबाइल नं0 7525048040, 7525048126

पत्रांक गो.क्षे.के. 638 2025

दिनांक 25/02/2025

सेवा में

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी
प्रभारी, भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता
उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज।

विषय – विश्वविद्यालय में दिनांक 01 मार्च, 2025 को आयोजित भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता के संबंध में।

महोदय,

कृपया पत्रांक ओ.यू./1802/ 2025, दिनांक 24/02/2025 का संदर्भ लें, जिसके द्वारा विश्वविद्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 01/03/2025 को आयोजित भाषण एवं नाटक प्रतियोगिताओं में विजेताओं का नाम प्रेषित किया जाना था। उक्त क्रम में दिनांक 26/02/2025 को क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों का विवरण प्रेषित किया जा रहा है:–

क्र0सं0	शिक्षार्थी का नाम	अध्ययन कोड	नामांकन संख्या	मोबाईल
1	श्री अरविन्द गुप्ता	एस–659	222659224225247	9795098281
2	श्री रामलखन सिंह	एस–659	232659104259473	7318440442

उक्त सूचना आपको सादर प्रेषित है।

सादर!

भवदीय

(हस्ताक्षर)

डॉ0(प्रवीण कुमार)
क्षेत्रीय समन्वयक

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ

सेक्टर – 10A/INS-04 वृन्दावन योजना, लखनऊ 226029

Email: [illegible]@gmail.com

दिनांक 28/2/25

पत्रांक [illegible] 790/2024

सेवा में

डॉ० [illegible] त्रिपाठी

[illegible] विज्ञान

[illegible]

[illegible]

विषय – प्रतियोगिता के संबंध में।

महोदय

[illegible] 2024 के अनुपालन में विश्वविद्यालय के [illegible] दिनांक 28.02.2025 को केन्द्र पर [illegible] / 2025 दिनांक 24.02.2025 के सन्दर्भ में सूचित है कि [illegible] प्रतियोगिता आयोजित कि गयी जिसमें कुल [illegible] प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। [illegible] विद्यार्थियों का परिणाम निम्नवत है –

क्र०	नाम	नामांकन संख्या	विषय	परिणाम
01	[illegible]	242100123911368	विकसित भारत की संकल्पना	प्रथम
02	[illegible]	2511001226327174	दहेज प्रथा उन्मूलन	द्वितीय

[illegible] प्रतियोगिता [illegible] की [illegible] विद्यार्थी [illegible] है।

क्र०	नाम	नामांकन संख्या	विषय
01	[illegible]	242100123911[illegible]	श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया उपदेश
02	[illegible]	[illegible]	

[illegible] करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

[signature] 28/2/25

डॉ० [illegible]

क्षेत्रीय समन्वयक

क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

दिनांक 01/03/2025 को भाषण प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागियों के परिणाम–

1. **दहेज प्रथा उन्मूलन**

   प्रथम स्थान– मुकेश दुबे, शोध छात्र, भूगोल

   द्वितीय स्थान– अनुराग, शोध छात्र, इतिहास

2. **बाल विवाह पर प्रतिबंध**

   प्रथम स्थान– पारूल श्रीवास्तव, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार

3. **विकसित भारत की संकल्पना**

   प्रथम स्थान– वत्सल श्रीवास्तव, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार

   द्वितीय स्थान– सचिन कुमार यादव, शोध छात्र, भूगोल

4. **वृद्धा आश्रम की जरूरत क्यों है?**

   प्रथम स्थान– दिलीप श्रीवास्तव, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान

   द्वितीय स्थान– अभिषेक सिंह, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार

5. **कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान।**

   प्रथम स्थान– अजीत, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान

डॉ. अब्दुल रहमान
सहायक आचार्य (उर्दू)
मानविकी विद्याशाखा

डॉ. अतुल कुमार मिश्रा
सहायक आचार्य (दर्शनशास्त्र)
मानविकी विद्याशाखा

डॉ. स्मिता अग्रवाल
सहायक आचार्य (संस्कृत)
मानविकी विद्याशाखा

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा

मै प्रतिज्ञा करता हूँ विवाह के पवित्र बन्धन को दहेज रूपी सौदे से मुक्त रखूंगा। स्वयं दहेज न लूंगा और न ही दूंगा। दहेज लेने वालों और देने वालों का विरोध करूंगा और लोगों को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराऊंगा। अपने परिवार, मित्रों, और समुदाय को दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूक करूंगा, पारिवारिक सम्बन्धों की मधुरता के प्रति संवेदनशील होने का दायित्वबोध कराऊंगा।

अपने जीवन में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से भारत को एक दहेज मुक्त, समतामूलक, जिम्मेदार और स्वस्थ विचारों का पोषण समाज बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा।

जय हिंद जय भारत

****

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा

मै प्रतिज्ञा करता हूँ किसी भी प्रकार के नशे अथवा मादक पदार्थ का सेवन न स्वयं करूंगा, न ही अन्य को प्रोत्साहित करूंगा। नशे से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में परिवार मित्र, समाज व जन–जन को जागरूक करूंगा। किसी भी प्रकार के नशे के व्यापार की जानकारी मिलने पर मैं प्रशासन को इसकी सूचना दूंगा और कानूनी कार्यवाही का समर्थन करूंगा।

मेरा भारत देश एक नशा मुक्त, स्वस्थ, प्रगतिशील व समृद्ध राष्ट्र कहलाए इसके लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध रहूंगा।

जय हिंद जय भारत

****

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

प्रमाण-पत्र

श्री/सुश्री/कुमारी..पुत्र/पुत्री..

ने 8 मार्च, 2025 को 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर 1 मार्च, 2025 को 'महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र' द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण/ नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया एवं प्रथम/द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी
संयोजक
सह प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कर्नल विनय कुमार
कुलसचिव

पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय

एवं

बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम

दिनांकः 07 मार्च, 2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

कृषि विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
प्रभारी–निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा

पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम

07 मार्च, 2025

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय, कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक
प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–संयोजक
डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी
सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह आयोजन सचिव
डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन समिति
डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा, श्री अमित शर्मा

पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय

कार्यक्रम *प्रतिवेदन*

राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या ई0–1112/32–जीएस/2024 XXIII तथा विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ.यू./1802/2025, दिनांक 24/02/2025 के अनुपालन में पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम दिनांक 07 मार्च 2025 को आयोजित किया गया।

उपरोक्त पत्रांक के माध्यम से निर्देशित किये गये कार्यक्रम पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहारा, सोरांव में कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान से किया गया।

उपरोक्त कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 धर्मराज यादव एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती मिथलेश त्रिपाठी, श्रीमती अंजू पाण्डेय, श्री पूर्णेन्दु मिश्र, श्रीमती नीरा श्रीवास्तव, श्रीमती आशा, विनीता शुक्ला, सीमा परवीन एवं शिक्षा मित्र अनुराधा चौधरी, रंजीता के साथ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, विज्ञान विद्याशाखा के सहायक आचार्य एवं सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञाान विद्याशाखा एवं कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, सहायक आचार्य, मानविकी विद्याशाखा एवं सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र आदि उपस्थित रहे। साथ ही कक्षा 01 से 08 तक समस्त छात्र–छात्राओं ने पूरे मनोयोग से पुस्तक पाठन में प्रतिभाग किया।

प्रधानाध्यपक ने कहा कि आज इस तकनीकी युग में छात्र दिन–प्रतिदिन पुस्तकों से दूर होकर गैजेट्स पर अपने अध्ययन के लिए निर्भर होता जा रहा है। यह कार्यक्रम एक अमूल्य पहल है जो कि विद्यार्थियो को पुनः पुस्तकों की ओर केन्द्रित करेगा तथा उनके नैतिक तथा मानसिक विकास में सहायक होगा। साथ ही उनके समुचित विकास में सहयोग करेगा। उम्मीद है कि सरकार के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी होते रहेंगे।

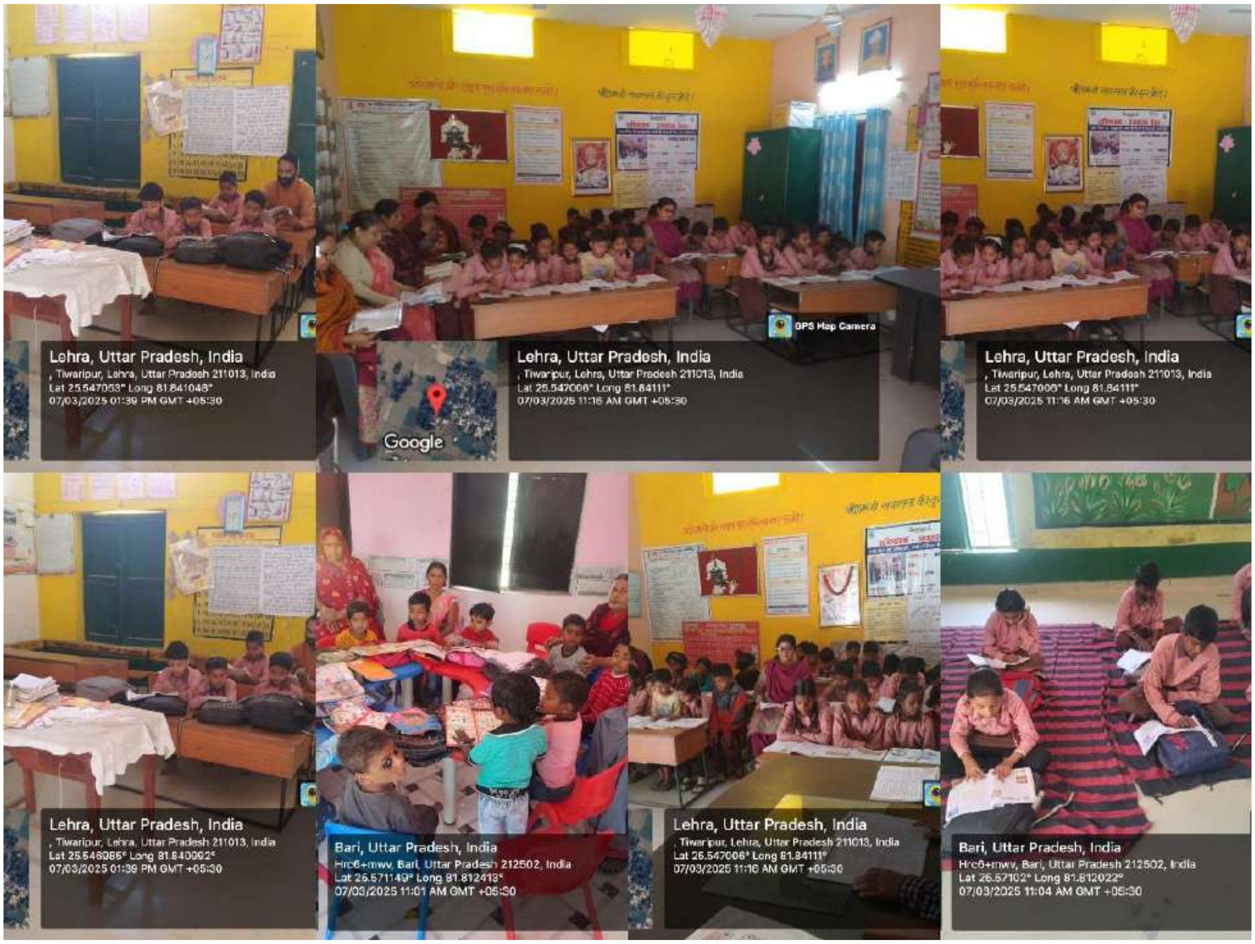

अंत में विश्वविद्यायल के सदस्यों ने प्रधनाध्यापक एवं शिक्षकों के प्रति धन्यवाद् ज्ञापित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से कम्पोजिट विद्यालय लेहरा में आयोजित पुस्तक पाठन के कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को कार्यक्रम का आयोजन हेतु प्रमाणपत्र दिया गया।

“Yoga for One Earth One Health”

दिनांकः 15 मई, 2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

कृषि विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

“Yoga for One Earth One Health”

कार्यक्रम

15 मई, 2025

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम
माननीय, कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव

डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

सह आयोजन सचिव

श्री अमित कुमार सिह, सहायक आचार्य, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

“Yoga for One Earth One Health”

कार्यक्रम *प्रतिवेदन*

पत्रांक ओ0यू0/261/2025 दिनांक 09/05/2025 की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुपालन में “Yoga for One Earth One Health” कार्यक्रम दिनांक 15 मई, 2025 को आयोजित किया गया। उपरोक्त पत्रांक के माध्यम से 2 (ब) के अंतर्गत निर्देशित किये गये कार्यक्रम “Yoga for One Earth One Health” का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहारा, सोरांव में कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि के संयुक्त तत्वावधान से किया गया।

उपरोक्त कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 धर्मराज यादव, प्रधानाचार्य एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती मिथलेश त्रिपाठी, श्रीमती अंजू पाण्डेय, श्री पूर्णेन्दु मिश्र, श्री नीरा श्रीवास्तव, श्रीमती आशा, विनीता शुक्ला, सीमा परवीन एवं शिक्षा मित्र अनुराधा चौधरी, रंजीता के साथ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, विज्ञान विद्याशाखा के सहायक आचार्य एवं सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञाान विद्याशाखा एवं डॉ. अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, डॉ. अनिल कुमार यादव, विज्ञान विद्याशाखा के सहायक आचार्य एवं सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र आदि उपस्थित रहे साथ ही कक्षा 01 से 08 तक समस्त छात्रों ने पूरे मनोयोग से योग जागरुकता कार्यक्रम व कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ0 आर. पी. सिंह ने समस्त उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया साथ ही उन्होंने ने योग के महत्व को समझाते हुए योग से होने वाले लाभों से उन्हें परिचित कराया। योग के जनक महर्षि पतंजलि है इन्होनें योगसूत्र नामक ग्रंथ में योग के विभिन्न पहलूओं को व्यवस्थिति रुप से संकलित किया और योग दर्शन का विकास किया। उन्होने ने बताया कि इस योग नामक कला का जन्म आज से हजारो वर्ष पूर्व हमारे देश भारत में ही हुआ

था। योगसूत्र ग्रंथ में योग के आठ अंगों यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि का वर्णन किया गया है। इसमें योग के 196 सूत्र है। महर्षि पंतजलि ने योग को एक व्यवहारिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जिससे आमजनों के लिए अधिक सुलभ हो गया। महर्षि पंतजलि को योग का जनक माना जाता है।

डॉ. अनिल कुमार यादव, ने बताया कि 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 देशों के सदस्यों द्वारा 69/131 संकल्प संख्या द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली तथा इसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रुप में घोषित किया। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। यह दिन उत्तरी गोलार्ध वर्ष का सबसे बड़ा दिन होता है, जिसे ग्रीष्म संक्राति कहते है और योग भी मनुष्य को दीघार्यु बनाता है। ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन में प्रवेश करता है जिसे योग एवं अध्यात्म के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। भारतीय परम्परा में भगवान शिव को आदि योगी देव एवं योग माया को देवी बताया गया है। पौराणिक ग्रंथों में योग को एक आध्यात्मिक यात्रा में एक महत्पूर्ण कदम के रुप में व्याख्यायित किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग दिवस का उद्देश्य योग अभ्यास के अनेक लाभों के बारे में विश्व भर में जागरुकता बढ़ाना है।

प्रधानाचार्य जी ने बताया कि इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम '' Bring into Focus the Role that Yoga can Play in Achieving the 17 Sustainable Development Goals Outlined by the United Nations'' है। अतः सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने में योग की एक सक्रिय भूमिका है।

विश्वविद्यालय की ओर से श्री अमित कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को योग के विभिन्न आसानों से परिचित कराते हुए कई प्रणायाम, साधना आदि का प्रशिक्षण दिया।

5, 11:27:49 AM
5, 11:25:28 AM

अंत में डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों, विश्वविद्यालय के सदस्यों, प्रधनाध्यापकों एवं शिक्षकों के प्रति धन्यवाद् ज्ञापित किया साथ ही यह भी बताया कि योग एक व्यापक अभ्यास है। यह एक आत्म अनुशासन और साधना है जो शरीर, मन एवं आत्मा को संतुलित करती है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से कम्पोजित विद्यालय, लेहरा में आयोजित योग जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को कार्यक्रम आयोजन हेतु प्रमाण पत्र, प्राध्यापकों एवं छात्रों, के उपस्थित पत्रक उपलब्ध कराया।

‘‘वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत‘‘

“Ending Plastic Pollution Globally”

दिनांकः 05 जून, 2025 : विश्व पर्यावरण दिवस

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयुक्ततत्वावधान

कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत''
"Ending Plastic Pollution Globally"

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

05 जून, 2025

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समन्वयक

प्रो. आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव

डॉ. धर्मवीर सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा

सह आयोजन सचिव

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम
05 जून 2025

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समन्वयक
प्रो0 आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक
प्रो. श्रुति,
प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. धर्मवीर सिंह
सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
एवं सदस्य
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–आयोजन सचिव
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह
सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

आयोजन समिति

प्रो. अजेन्द्र कुमार मलिक, विज्ञान विद्याशाखा
प्रो. जय प्रकाश यादव, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. मनोज कुमार बलवन्त, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. सी.के. सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. राघवेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. गोपाल कृष्ण सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. चन्द्रेश्वर प्रसाद यादव, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अनुराधा सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. साधना सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अनुज कुमार सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. दीपा चौबे, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य

श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अंकित मिश्रा, श्री ओमबाबू शर्मा, श्री मनीष यादवए श्री संतोष कुमार व श्री हिमांशु यादव

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन

1. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट–1)

2. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)

3. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट–3)

4. निर्गत सूचना पत्र (परिशिष्ट–4)

5. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–5)

''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत''
"Ending Plastic Pollution Globally"

कार्यक्रम प्रतिवेदन

पत्रांक ओ0यू0 / 412 / 2025 दिनांक 04 / 06 / 2025 के अनुपालन में विश्व पर्यावरण दिवस के वैश्विक थीम "Ending Plastic Pollution Globally" कार्यक्रम दिनांक 05 जून, 2025 को आयोजित किया गया। उपरोक्त पत्रांक के माध्यम से कार्यक्रम "वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण अंत" का आयोजन विज्ञान विद्याशाखा एवं कृषि विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया जिसमें महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सभी सदस्यों ने सक्रिय रुप से प्रतिभाग किया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी की प्रेरणा से वैश्विक पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय में पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम "वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण अंत" रही।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा ने कार्यक्रम को सुचारु एवं सुसंगठित रुप से आयोजित करने हेतु विद्याशाखा एवं आयोजन समिति में कार्यरत लोगो को प्रेरित किया।

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम को वृहद रुप से आयोजित करने हेतु विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम में की जाने वाली गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत वृक्षारोपण, जागरुकता रैली (प्रशासनिक भवन से शैक्षणिक भवन तक), पक्षियों एवं जीव जन्तु हेतु दाना–पानी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने की। उन्होनें विश्व पर्यावरण के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1973 को ''केवल एक पृथ्वी'' थीम के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉक होम सम्मेलन के दौरान 05 जून 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष 05 जून को मनाया जाता है। भारत में सन् 1980 में देश में स्वस्थ्य पर्यावरण के विकास के लिए पर्यावरण विभाग की स्थापना की गयी तथा देश में पर्यावरण के सुरक्षा एवं सुधार हेतु 'पर्यावरण सरंक्षण अधिनियम' 1986 में बनाया गया। विश्व में पर्यावरण विज्ञान के जनक अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट को माना जाता है। उन्होनें 18वीं शताब्दी में अपने शोध एवं लेखन से आधुनिक पर्यावरण विज्ञान की नींव रखी थी। जब कि भारत में पर्यावरण विज्ञान के जनक प्रो0 रामदेव मिश्र हैं जो एक पर्यावरणविद् एवं वनस्पतिशास्त्री थे।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। पर्यावरण संरक्षण पर हमें विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्लास्टिक को अपने दैनिक जीवन से सदा के लिए अलविदा कर देना चाहिये। प्लास्टिक मृदा, जल एवं वायु के लिए हानिकारक है जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हमारे जीवन को प्रभावित करता है। उन्होनें बताया कि पर्यावरण के चार प्रमुख अंग होते हैं– वायु, जल, स्थल एवं जीव मण्डल। प्रो0 श्रुति ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के तीन प्रमुख

उपाय हैं– 3R (Reduce, Reuse, Recycle), जैव विविधता संरक्षण तथा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा) (Renewable Energy) का उपयोग।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। आयोजन सचिव ने इस वर्ष की थीम के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण पृथ्वी को घातक प्रभावों, जलवायु परिवर्तन के संकट, प्रकृति एवं जैव विविधता का नुकसान तथा प्रदूषण एवं प्लास्टिक कचरे के संकट को बढ़ावा देता है। वैश्विक स्तर पर अनुमान है कि लगभग हर साल 11 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जलीय पारिस्थितकीय तंत्र में मिलता है जब कि कृषि उत्पादों में प्लास्टिक के उपयोग के कारण सीवेज एवं लैण्ड फिल से मिट्टी में माइक्रो प्लास्टिक जमा हो जाता है। प्लास्टिक प्रदूषण की वार्षिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय लागत 300 से 600 अमेरेकी डालर के करीब है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय मनाया जा रहा है जब सभी देश समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक वैश्विक संधि हासिल करने के लिए प्रगति कर रहे हैं।

कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 05 वर्षों से विश्व पर्यावरण दिवस की थीम विभिन्न प्रकार के प्रदूषण पर आधारित है जैसे कि वर्ष 2019 की थीम ''वायु प्रदूषण को समाप्त करना'' वर्ष 2020 की थीम, ''Biodiversity – Time for Nature'', वर्ष 2021 की थीम ''Ecosystem Restoration'', वर्ष 2022 की थीम ''Our Planet Our Future'', वर्ष

2023 की थीम ''Solution to Pollution'', वर्ष 2024 की थीम ''Land Restoration Desertification, and Drought Resilience'' रही है।

कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सत्यपाल तिवारी, शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0के0 स्टालिन, समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 संतोषा कुमार, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र की प्रभारी प्रो0 श्रुति एवं मानविकी, शिक्षा, समाज, विज्ञान, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के समस्त प्राध्यापकगण एवं विश्वविद्यलाय कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो जिसमें सबका साथ हो' जैसे स्लोगन के साथ रैली में प्रतिभाग किया।

पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह–जगह पात्रों में ंदाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके।

रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ–सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़–पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला ।

इस अवसर पर सभी ने शपथ ली की हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस—पास भी साफ—सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे।

अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद् ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति एवं मनुष्य के पवित्र सम्बन्ध को ''माता भूमि : पुत्रोऽहं पृथ्व्याः'' जैसे श्लोकों में अंकित किया गया है। ये वैदिक दर्शन हमें प्रकृति के प्रति सेवा एवं सरंक्षण की भावना सीखाता है न कि शोषण की । विज्ञान के परिपेक्ष्य में आधुनिक पारिस्थतिकी विज्ञान (इकोलॉजी) भी इस सत्य की पुष्टि करता है।

समाचार की सुर्खियां

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
सिर्फ सच के साथ
हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ, अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस-पास भी साफ-सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके। रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ-सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़-पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 31 | अंक :213
प्रतापगढ़ | शुक्रवार,6 जून 2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई।

पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी।

• वर्ष : 18
• अंक : 123
• प्रधान संपादक
• लखनऊ
• शुक्रवार, 06 जून 2025
• पृष्ठ : 08
• मूल्य : 2 रुपये
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो एस कुमार, प्रो सत्यपाल तिवारी, प्रो पी के स्टालिन, प्रो श्रुति, समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस-पास भी साफ-सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रो श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रो सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत दिलाई जा सके।

अनुराग दर्शन

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लक्ष्य समग्र
LS NEWS
वर्ष : 03 अंक : 67 प्रयागराज, शुक्रवार 06 जून 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई।पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन)से शुरू होकर सरस्वती परिसर(शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई।रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार,प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी,प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति,समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे।रैली में सभी ने"प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ" अपना परिसर साफ हो,जिसमें सबका साथ हो"आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया।इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस-पास भी साफ-सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे।कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है।जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा।हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें।कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया।अंत में डॉ अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी,जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके।रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ-सफाई की।सदस्यों ने परिसर में पेड़-पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
05 जून, 2025

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर सन्तोषा कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रो0 रुचि बाजपेयी, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', ''अपना परिसर साफ हो जिसमें सबका साथ हो'' जैसे स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली की हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस–पास भी साफ–सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। उक्त कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह, विज्ञान विद्याशाखा तथा सह आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह, कृषि विज्ञान विद्याशाखा रहे।

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरुकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई प्रो0 श्रुति तथा डॉ0 धर्मवीर सिंह

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रो0 श्रुति ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के तीन प्रमुख उपाय हैं– 3R (Reduce, Reuse, Recycle), जैव विविधता संरक्षण तथा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा) (Renewable Energy) का उपयोग।

आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम में की जाने वाली गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत वृक्षारोपण, जागरुकता रैली (प्रशासनिक भवन से शैक्षणिक भवन तक), पक्षियों एवं जीव जन्तु हेतु दाना–पानी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने विश्व पर्यावरण के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1973 को ''केवल एक पृथ्वी'' थीम के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉक होम सम्मेलन के दौरान 05 जून 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष 05 जून को मनाया जाता है।

इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह–जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके। रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ–सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़–पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए तथा सफाई करते हुए प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उपस्थिति पत्रक

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दिनांक : 05 / 06 / 2025

विश्व पर्यावरण दिवस – 05 जून, 2025

उपस्थिति

क्र.सं.	नाम	विद्याशाखा	हस्ताक्षर
1-	Dr. Dinesh Kr Gupta	SoSc	[illegible]
2-	Prof. Shruti	SoSc	[illegible]
3-	Dr. Raghvendra Singh	SoSc	[illegible]
4-	Dr. Chandeshwar P Yadav	SOS	[illegible]
5-	Dr. Deepmala Gupta	SoSc	[illegible]
6-	Dr. Deepa Chaubey	SoSc.	[illegible]
7-	Dr. Yogesh Kumar Yadav	SOSS	[illegible]
8-	Dr. Gopal Krishna Giri	SCS	[illegible]
9-	Dr. S. N. Upadhyay	SOH	[illegible]
10-	Dr. Prem Prakash Kushwaha	SOH	[illegible]
11-	Mr. Ankit Mishra	SOAS	[illegible]
12-	Dr. Manoj Kumar	SOSS	[illegible]
13-	Dr. Amit Kumar Singh	SOH	[illegible]
14-	प्रो० सत्यपाल तिवारी	ज्ञानविज्ञान विद्याशाखा	[illegible]
15-	प्रो. पी. के. स्टालिन	SOE	[illegible]
16-	Dr. Anil Kumar Yadav	SOH, ECU	Anil Kumar Yadav
17-	Arvind Mishra	Sos	[illegible]
18-	Dr. Shivendra P. Singh	SOH	[illegible]
19-	DR ABDUL RAHMAN	[illegible]	[illegible]
20-	Dr. C. K. Singh	SOS	[illegible]
21-	Dr Santosh Kr Bharti	SOH	[illegible]
22-	Sanjeev Bhatt	SOH	[illegible]
23-	Dr Satendra Kumar	SOH	[illegible]
24-	Dr. Anuj Kr. Singh	SOS	[illegible]
25-	Rajesh Gautam	SOH	[illegible]
26-	Dr. Pramod Kumar Saini	SOAS	[illegible]
27-	virendra kumar verma	SOS	[illegible]
28-	Prof. Sanjay Singh	Geography	[illegible]
29-	Prof. S. KUMAR	SOSS	[illegible]
30-	Indu Bhushan Pandey	Vedic	[illegible]
31-	Dr. Surendra Kr.	SOE	[illegible]
32-	Dr. Satish Jaiswal	SOH	[illegible]
33-	Anuraj [illegible]	SOHS	[illegible]
34-	Kamna Yadav	SOSS	[illegible]
35-	Dr. Suman Singh	SOH	[illegible]
36-	ओमप्रकाश शर्मा	SOMS	[illegible]
37-	Dr. Mukesh K. Maurya	SOH	[illegible]
38-	Niket Singh	SOHS	निकेत सिंह
39-	[illegible]		[illegible]
40-	[illegible]		[illegible]

41-	वीर सेवक		
42-	अजय कुमार		[illegible]
43-	डॉ० शैलेन्द्र कुमार मौर्य		[illegible]
44-	डॉ० सलीता समानी	SOH	[illegible]
45-	अभिलाष कुमार	SOH	[illegible]
46-	रवि कुमार दुबे	[illegible] सेवा प्रकोष्ठ	[illegible]
47-	Himanshu Yadav	शोध एवं विकास प्रकोष्ठ	[illegible]
48-	Dr Sadhana Singh	[illegible]	[illegible]
49-	Raju mauriya	SOS	[illegible]
50-	राकेश मिश्रा	CIQA	Raju mauriya
51-	रामसिंह यादव	CIQA	Rakesh
52-	संजय श्रीवास्तव	CIQA	रामसिंह यादव
53-	सुनील कुमार पटेल	CIQA	[illegible]
54-	Pramod Kr Dwivedi	SOVS	[illegible]
55-	Dr Sanjay Kumar Singh	S.O.H.S	Pramod
56-	Dr. R N Singh	SOE	[illegible]
57-	Er. B.G. Singh	SOE	[illegible]
58-	Dr. Reetu Sharma	SOE	[illegible]
59-	Dr. Neeta Mishra	SOE	[illegible]
60-	Parvind Kr. Verma	SOE	[illegible]
61-	Dr. Gaurav Sankalp	SOMS	[illegible]
62-	Rajesh Singh	SOSS	[illegible]
63-	Dr. Trivikram Tiwari	SOSS	[illegible]
64-	मनीष यादव	SOS	मनीष
65-	घनश्याम यादव	SOS	Ghan
66-	MUNNARAM	SOH	[illegible]
67-	Ram Lakhan Chaurasia	SOH	[illegible]
68-	Ruchi Bajpai	SOH	[illegible]
69-	Anup Singh	SOH	[illegible]
70-	Vikash Pal	COE	Vikash Pal
71-	राजेन्द्र प्रताप यादव	पुस्तकालय	[illegible]
72-	Akhilesh Kumar	Library	[illegible]
73-	Dr Roso Maurya	Library	[illegible]
74-	[illegible]	"	[illegible]
75-	Santosh Kumar	SOS	[illegible]
76-	Dr. Dharmveer Singh	SOS	Dmsinh
77-			
78-			
79-			
80-			
81-			
82-			
83-			

विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सूचना पत्र

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्याः ओ.यू./ 612 /2025 दिनाँकः 04-06-2025

सूचना

एतद्द्वारा विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/अधिकारियों/प्रभारियों/प्राध्यापकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि **विश्व पर्यावरण दिवस** के अवसर पर पर्यावरण के संरक्षण एवं जागरूकता हेतु इस वर्ष के वैश्विक विषय **"Ending Plastic Pollution Globally"** के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के **विज्ञान विद्या शाखा** एवं **कृषि विज्ञान विद्याशाखा** के संयुक्त तत्वावधान में **दिनाँक 05 जून, 2025 को पूर्वाह्न 10.00 बजे विश्वविद्यालय के गंगा परिसर** में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। इस अवसर पर वृक्षारोपण, पक्षी–जीव जन्तुओं हेतु दाना–पानी की व्यवस्था एवं जागरूकता रैली (गंगा परिसर से सरस्वती परिसर तक) का आयोजन किया जायेगा।

उक्त कार्यक्रम की समन्वयक **प्रो. श्रुति**, प्रभारी, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, आयोजन सचिव **डॉ. धर्मवीर सिंह** तथा सह–आयोजन सचिव **डॉ. प्रमोद कुमार सिंह** होगें।

कृपया तदनुसार उक्त जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./612(1)/2025 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/अधिकारियों/प्रभारियों को इस आशय से प्रेषित कि कृपया उक्त कार्यक्रम के संदर्भ में अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग से सम्बन्धित प्राध्यापकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
2. वित्त अधिकारी, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

कार्यक्रम की कुल झलकियाँ

"विश्व पर्यावरण दिवस"
अटल स्मृति द्वार

“विश्व पर्यावरण दिवस”
Korsand, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Phaphamau, Uttar Pradesh, India

Korsand, Uttar Pradesh, India

''वृहद् वृक्षारोपण''

दिनांकः 27 जून, 2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

कृषि विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

27 जून, 2025

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

सह आयोजन सचिव

डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, मानविकी विद्याशाखा

समन्वयक

डॉ. दीपा चौबे
सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा

वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम
27 जून 2025

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक
प्रो. श्रुति,
प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह
सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

सह–आयोजन सचिव
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा
सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं सदस्य
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

समन्वयक
डॉ. दीपा चौबे
सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
एवं सदस्य
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन समिति
डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा व श्री अमित शर्मा

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन
2. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट–1)
3. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)
4. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट–3)
5. निर्गत सूचना पत्र (परिशिष्ट–4)
6. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–5)

''वृहद वृक्षारोपण''

कार्यक्रम प्रतिवेदन

दिनांक 27 जून 2025 को कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सभी सदस्यों ने सक्रिय रुप से प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वृक्षारोपण अभियान का प्रारम्भ माननीय कुलपति ने महोगनी का पौधा लगाकर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए और वस्तुओं के पुनः उपयोग करने पर बल देना चाहिए तथा उन्होनें यह भी कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरुरी है। इसलिए उन्होंने वहाँ पर उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को एक–एक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होनें कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रम प्रकृति को बचाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि यह वृक्षारोपण कार्यक्रम को आज से प्रारम्भ किया जा रहा है। इस अवसर पर महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा तथा इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिये गॉवों में भी वृक्षारोपण अभियान आयोजित करायेगा।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने कुलपति एवं कुलसचिव का स्वागत पुष्प गुच्छ प्रदान करते हुए किया। प्रो0 श्रुति ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण की रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं साथ ही यह भी बताया कि पारिस्थतिकीय तंत्र को संतुलित बनाये रखने में वृक्ष अत्यन्त आवश्यक हैं। वृक्षारोपण अभियान में लगाये गये महोगनी के पौधों की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी लकड़ी अत्यन्त मजबूत एवं टिकाऊ होती है। इसका उपयोग मकान, पानी के जहाज, संगीत वाद्ययन्त्रों (गिटार, प्यानों, वायलिन आदि) एवं सजावटी वस्तुओं को बनाने में किया जाता है।

आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा ने कहा कि बारिश के मौसम में यह पौधे भू–क्षरण को रोकते हैं तथा मिट्टी में ह्यूमस की मात्रा को बढ़ाते हैं। वृक्ष वन्य जीवों के निवास हेतु सबसे उत्तम स्थान होते हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि महोगनी के पत्तों, छालों एवं बीजों का उपयोग विभिन्न प्रकार की बिमारियों के इलाज (जैसे कि उच्च रक्त चाप, बुखार, मधुमेह, अस्थमा, मलेरिया आदि) की औषधि बनाने में किया जाता है साथ ही इसके फूलों का उपयोग सौन्दर्य प्रसाधन की वस्तुओं को बनाने में किया जाता है। इन पौधों की उपस्थिति तनाव के स्तर को कम करती है तथा उसका शांत वातावरण मानसिक स्वस्थ के लिए भी उपयोगी है। इसकी लकड़ी लाल रंग की तथा सुन्दर होती है।

सह आयोजन सचिव डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, मानविकी विद्याशाखा ने बताया आज के युग में मनुष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है जिसका एक समाधान वृक्षारोपण है।

समन्वयक डॉ. दीपा चौबे, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का धन्यवाद् ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में डॉ. अब्दुल हफीज, सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के प्रो0 सत्यपाल तिवारी, प्रो0 छत्रसाल सिंह, प्रो0 श्रुति, डॉ. आनन्नदानंद त्रिपाठी, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. सतीश चन्द्र जैसल, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ0 एस0 के शर्मा, सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे।

समाचार की सुर्खियां

दैनिक
जनहित दर्शन
जनता की आवाज-जनहित के साथ

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

ाराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन
वविद्यालय, जिले के कृषि विद्या
तथा महिला अध्ययन एवं
त गतिविधि केंद्र के तत्वावधान
विद्यालय के यमुना परिसर में
रोपण का आयोजन किया गया।
ण अभियान की शुरूआत
प्रोफेसर सत्यकाम ने महोगनी
लगा कर की। इस अवसर पर
कहा कि हमें अधिक से अधिक
कर प्लास्टिक के उपयोग से
ाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक
रक्षा जरूरी है, इसके लिए
यहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं
यों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के
त किया। कुलपति ने कहा कि
वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षा-रोपण अभियान चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुलसचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण अभियान के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया। प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण के रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण
भूमिका निभाते हैं। आयोजन
प्रमोद कुमार सिंह ने वृक्षारोपण
की रूपरेखा प्रस्तुत की। धन्यव
कुलसचिव कर्नल विनय कुमार
इस अवसर पर कुलपति
सत्यकाम ने एसोसिएट प्रोफे
आनंदानंद त्रिपाठी को यमुना
परिसर की सफाई व्यवस्था
अधिकृत किया। उन्होंने
स्वच्छ भारत अभियान के
यमुना परिसर के अंदर झा
कटवाकर कूड़ामुक्त किय
कुलपति के इस आदे
अंत:वासियों ने उनके प्रति आ
किया। यह जानकारी डॉ प्र
मिश्र जनसंपर्क अधिकार ने

अमृत प्रभात, फाफामऊ प्रयागराज (नि.सं.)।

कुलपति ने यमुना परिसर में लगाये महोगनी के पौधे

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुलसचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण

Green and Clean Environment

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A large-scale tree plantation drive was launched at the Yamuna campus of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Prayagraj, under the joint initiative of the Krishi Vidya Shakha and the Women's Studies & Extended Activity Centre. Vice Chancellor Prof. Satyakam inaugurated the drive by planting a mahogany sapling and emphasized the need to plant more planted across all three campuses. The Registrar was directed to identify suitable spaces for the same. Prof. Shruti, the programme co-ordinator, highlighted the environmental benefits of tree plantation. Organizing Secretary Dr. Pramod Kumar Singh outlined the campaign plan, while Registrar Col. Vinay Kumar delivered the vote of thanks.

Additionally, Prof. Satyakam entrusted Associate Prof. Dr. Anandanand

NORTHERN INDIA PATRIKA

Massive tree plantation
ampaign kicks off in Open Uni

ce Chancellor planted mahogany saplings in Yamuna campu

Reporter
graj: Massive tree
tion was organized in the
na campus of the university
the aegis of Krishi Vidya
h and Women's Studies and
ded Activity Center of Uttar
h Rajarshi Tandon Open
rsity, on Friday.
ree plantation campaign
with planting of
gany sapling by Open
rsity, Vice Chancellor Prof.
am.
s occasion, he said that it is
ary to protect every plant,
is he motivated the 50
rs and employees present
to protect each plant. VC
hat he will continue to
or each plant. He said that
e plantation campaign will
ue during Chaturmas.
gany, Gulachin, Kinnu etc.
will be planted in all the
University campuses. For
e directed the Registrar to
identify the place for tree plantation campaign in the vacant space in all the three campuses. Prof. Shruti, in-charge of Agricultural Science Vidya Branch and Women's Studies and Extended Activity Center, said that tree plantation promotes biodiversity and trees pla
important role in preve
pollution. Organizing Secr
Dr. Pramod Kumar S
presented the outline of the
plantation campaign. The vo
thanks was given by Reg
Colonel Vinay Kumar.

राष्ट्रीय
तिजार

द वृक्षारोपण अभियान, कुलपति ने लगाये महो

प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि
एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्ववि
वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभिय
सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर
अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चा
की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित
त्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कह
ा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण
गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी प
सके लिए उन्होंने कुलसचिव को तीनों परिसर में खाल
न के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया।

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 14
अंक : 290
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 28 जून, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

कुलपति ने यमुना परिसर में लगाये महोगनी के पौधे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुलसचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण अभियान के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया।

प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण के रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने वृक्षारोपण अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ आनंदानंद त्रिपाठी को यमुना आवासीय परिसर की सफाई व्यवस्था के लिए अधिकृत किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत यमुना परिसर के अंदर झाड़ियों को कटवाकर कूड़ामुक्त किया जाय। कुलपति के इस आदेश पर अंतःवासियों ने उनके प्रति ...

कुलपति प्राफेसर सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे

का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुलसचिव को

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

कुलपति ने यमुना परिसर में लगाये महोगनी के पौधे

ताज हिन्द संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

(चांदी) 1,07,900 (सेंसेक्स) 84,058.90 (निफ्टी) 25,637.80

...र्शन पोस्ट

प्रयागराज | 28 जून, 2025 | शनिवार | वर्ष- 04 | अंक- 327 | मूल्य 2.00 | पृष्ठ-08

...क विश्वविद्यालय में वृ... ...रोपण अभियान प्रार...

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुलसचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण अभियान के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया। प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस अवसर पर

वर्ष : 31 | अंक : 235
प्रयागराज | शनिवार, 28 जून 2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक लोकमित्र

सच्चाई की जंग

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

कुलपति ने यमुना परिसर में लगाये महोगनी के पौधे

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा। प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण के रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन सचिव डॉ प्रमोद

कुमार सिंह ने वृक्षारोपण अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ आनंदानंद त्रिपाठी को यमुना आवासीय परिसर की सफाई व्यवस्था के लिए अधिकृत किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत यमुना परिसर के अंदर झाड़ियों को कटवाकर कूड़ामुक्त किया जाय। कुलपति के इस आदेश पर अंतःवासियों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय एकता का प्रात समाचार

यूनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

सिर्फ सच के साथ

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

कुलपति ने यमुना परिसर में लगाये महोगनी के पौधे

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा

चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुलसचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण अभियान के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया। प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस ... कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण के रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने वृक्षारोपण अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ आनंदानंद त्रिपाठी को यमुना आवासीय परिसर की सफाई व्यवस्था के लिए अधिकृत किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत यमुना परिसर के अंदर झाड़ियों को कटवाकर कूड़ामुक्त किया जाय। कुलपति के इस आदेश पर अंतःवासियों ने उनके प्रति आभार

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
27 जून, 2025

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एव विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने महोगनी का पौधा लगा कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुल सचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण अभियान के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया।

प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति ने वृक्षारोपण अभियान की महत्ता बताई।

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि यह वृक्षारोपण कार्यक्रम को आज से प्रारम्भ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिये गॉवों में भी वृक्षारोपण अभियान आयोजित करायेगा।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण की रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यह भी बताया कि पारिस्थितिकीय तंत्र को संतुलित बनाये रखने में वृक्ष अत्यन्त आवश्यक हैं।

आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सह आयोजन सचिव डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, समन्वयक डॉ. दीपा चौबे, डॉ0 एस0 के शर्मा, डॉ. अब्दुल हफीज सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के प्रो0 सत्यपाल तिवारी, प्रो0 छत्रसाल सिंह, प्रो0 श्रुति, डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. सतीश चन्द्र जैसल, डॉ. साधना श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे।

उपस्थिति पत्रक

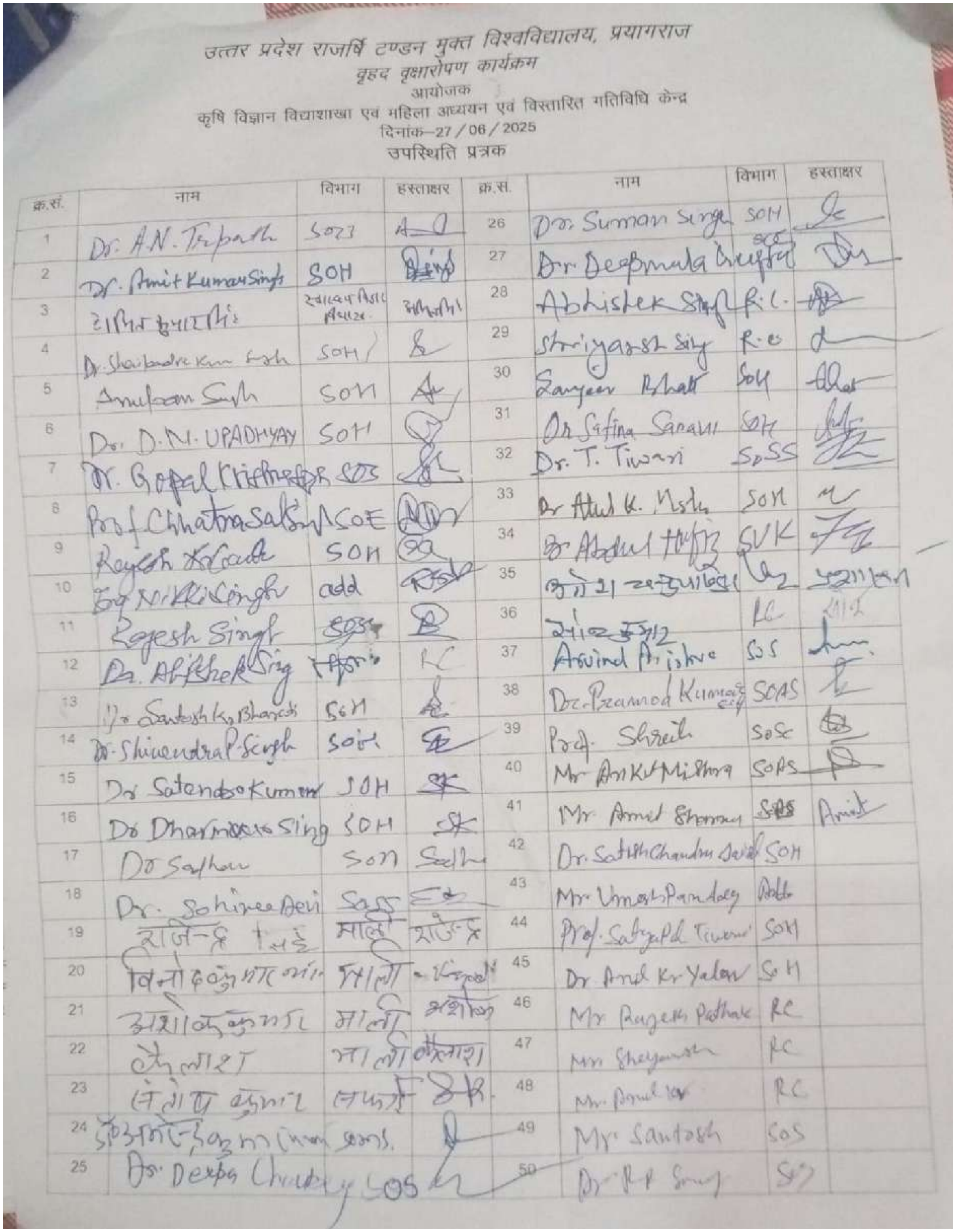

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम
आयोजक
कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
दिनांक–27 / 06 / 2025
उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	विभाग	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	विभाग	हस्ताक्षर
1	Dr. A.N. Tripath	[illegible]	[illegible]	26	Dr. Suman Singh	SOH	[illegible]
2	Dr. Amit Kumar Singh	SOH	[illegible]	27	Dr Deepmala Gupta	SOS	[illegible]
3	[illegible]	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	[illegible]	28	Abhishek Singh	R.C.	[illegible]
4	Dr. Shailendra Kumar Singh	SOH	[illegible]	29	Shriyansh Singh	R.C	[illegible]
5	Anupam Singh	SOH	[illegible]	30	Sanjeev Bhatt	SOH	[illegible]
6	Dr. D.N. UPADHYAY	SOH	[illegible]	31	Dr Safina Sanawi	SOH	[illegible]
7	Dr. Gopal Krishna	SOS	[illegible]	32	Dr. T. Tiwari	SoSS	[illegible]
8	Prof Chhatrasal Singh	SOE	[illegible]	33	Dr Atul K. Mishra	SOH	[illegible]
9	Rajesh [illegible]	SOH	[illegible]	34	Dr Abdul Hafiz	SVK	[illegible]
10	Dr Nikki Singh	add	[illegible]	35	[illegible]	[illegible]	[illegible]
11	Rajesh Singh	SOS	[illegible]	36	संजय कुमार	RC	[illegible]
12	Dr. Abhishek Singh	[illegible]	[illegible]	37	Arvind Mishra	SOS	[illegible]
13	Dr Santosh Kr Bharati	SOH	[illegible]	38	Dr. Pramod Kumar	SOAS	[illegible]
14	Dr. Shivendra P. Singh	SOH	[illegible]	39	Prof. Shruti	SoSc	[illegible]
15	Dr Satendra Kumar	SOH	SK	40	Mr Ankit Mishra	SoPS	[illegible]
16	Dr Dharmendra Singh	SOH	SK	41	Mr Amit Sharma	SOS	Amit
17	Dr Sadhan	SOH	Sadh	42	Dr. Satish Chandra Jaisal	SOH	
18	Dr. Sohini Devi	SoSS	[illegible]	43	Mr Umesh Pandey	[illegible]	
19	राजेन्द्र	माली	राजेन्द्र	44	Prof. Satyapal Tiwari	SOH	
20	विनोद कुमार	माली	Vinod	45	Dr Anil Kr Yadav	SOH	
21	अशोक कुमार	माली	अशोक	46	Mr Rajesh Pathak	RC	
22	कैलाश	माली	कैलाश	47	Mr Shreyansh	RC	
23	संतोष कुमार	[illegible]	SK	48	Mr [illegible]	RC	
24	डॉ अमरेन्द्र कुमार [illegible]		[illegible]	49	Mr Santosh	SOS	
25	Dr. Deepa Chaubey	SOS	[illegible]	50	Dr R P Singh	[illegible]	

विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सूचना पत्र

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 49 /2025 दिनाँक 07-04-2025

सूचना

एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/विद्याशाखा प्रभारियों/अधिकारियों/शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 07-04-2025 को अपराह्न 4:00 बजे यमुना परिसर में मा. कुलपति जी के नेतृत्व में महोगनी वृक्षों के वृहद् वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है।

अतः कृपया तद्नुसार उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./ 49(1)/2025 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक/प्रभारी विद्याशाखा/अधिकारी/शिक्षक/परामर्शदाता/कर्मचारीगण।
2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 517 /2025 दिनाँक 26–06–2025

सूचना

एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/विद्याशाखा प्रभारियों/अधिकारियों/शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 27–06–2025 को अपराह्न 3:15 बजे यमुना परिसर में मा. कुलपति जी के नेतृत्व में महोगनी पौधों के वृहद् वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है।

अतः कृपया तद्नुसार उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./ 517(1)/2025 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/विद्याशाखा प्रभारियों/अधिकारियों/ को इस आशय से प्रेषित कि कृपया अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग/प्रकोष्ठ से सम्बन्धित शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को उक्त सूचना के सम्बन्ध में अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

कार्यक्रम की कुल झलकियाँ

वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम
27 जून, 2025

दीक्षान्त समारोह एवं दीक्षोत्सव

कार्यक्रम–2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रतिवेदन संपादक
प्रो. श्रुति
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

दीक्षोत्सव कार्यक्रम
11—13 अगस्त 2025

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक
प्रो. श्रुति
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
एवं
प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र समिति

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह—प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहा0—प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहा0—प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा व श्री अमित शर्मा

दीक्षोत्सव–2025
कार्यक्रम प्रतिवेदन

दिनांक 12/08/2025 को राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश के पत्र संख्या ई–5360/32 जी–एस/2023–XIX दिनांक 26 जुलाई 2025 के क्रम में विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ.यू./765/2025 दिनांक 29.07.2025 द्वारा गठित समिति की अनुशंसा के आधार पर कुलसचिव कार्यालय द्वारा दिनांक 06/08/2025 को जारी अधिसूचना के अनुपालन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दीक्षोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विद्याशाखाओं के माध्यम से गोद लिये गॉवों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संचालन एवं वहाँ की भिन्न–भिन्न ऑगनबाड़ियों में जाकर ऑगनबाडियों की कार्यकत्रियों के सहयोग से विभिन्न प्रकार के जागरुकता कार्यक्रम के प्रतिपादन के साथ–साथ गोद लिये गॉवों में संचालित प्राथमिक, पूर्वमाध्यमिक विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करके उनकी प्रतिभाओं को विश्वविद्यालयीय मंच के माध्यम से प्रदेश भर में प्रदर्शित करने का प्रयास किया। इस क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे दीक्षोत्सव कार्यक्रम में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के प्रभारी एवं सदस्यों ने विद्याशाखाओं का कर्मठता के साथ सहयोग करते हुए प्रतिभाग किया। दिनांक 11–13 अगस्त, 2025 तक संचालित इस दीक्षोत्सव कार्यक्रम (सूची संलग्न)

में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने विद्याशाखाओं का सहयोग करते हुए अपने समिति के सदस्यों के माध्यम से स्वच्छता, साक्षरता एवं रैली जैसी आदि कार्यक्रमों के संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

दीक्षोत्सव कार्यक्रम का प्रारम्भ दिनांक 11 अगस्त 2025 को विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गॉव गोहरी में स्थित 09 ऑगनवाड़ियों में से 03 ऑगनवाड़ियों में अलग–अलग समय में जाकर वहाँ पर कार्यरत ऑगवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से बच्चों में स्वच्छता सम्बन्धी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कराया। दिनांक 12 अगस्त 2025 को विज्ञान विद्याशाखा, शिक्षा विद्याशाखा एवं समाज विज्ञान विद्याशाखा ने अपने गोद लिये क्रमशः गोहरी, लेहरा एवं चाड़ी गॉव में जाकर कार्यक्रमों का आयोजन किया। दिनांक 13 अगस्त 2025 को विज्ञान विद्याशाखा, मानविकी विद्याशाखा एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा ने गोहरी, लेहरा, चॉटी गॉव में जाकर कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों को चार अलग–अलग कक्षा–समूहों में बॉटकर अलग–अलग भाषण, चित्रकला एवं कहानी कथन प्रतियोगिताएं आयोजित करायी गयी। प्रथम कक्षा–समूह 3 से 5 जिसमें भाषण का विषय मेरा गॉव, चित्रकला का विषय एक फूल का चित्रण तथा कहानी कथन में बच्चों द्वारा उन्हें याद किसी भी कहानी को सुनाने की प्रतियोंगिता का आयोजन किया गया। इसी प्रकार द्वितीय कक्षा–समूह 6 से 8 में भाषण का विषय गौमता, गॉव का चित्रण एवं स्वतंत्रता सेनानी पर कहानी कथन था। तृतीय कक्षा समूह 9 एवं 10 जिसमें भाषण का विषय जल का महत्व, चित्रकला का प्रदूषण (जल / वायु) तथा कहानी कथन का देश प्रेम की कहानियाँ थी, चतुर्थ कक्षा समूह में 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया था। जिसमें भाषण का विषय विविधता में एकता, चित्रकला में पर्यावरण / एकता संदेश / नारी चेतना आदि से सम्बन्धित चित्रों को बनाने तथा कहानी कथन में प्रसिद्ध संत / ऋषि की कहानी का उद्बोधन है।

इसके साथ ही समस्त विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिये गॉवों में संचालित समस्त ऑगनबाड़ी केन्द्रों में क्रमशः केन्द्र की सफाई व्यवस्था, कार्यकत्रियों की उपस्थिति, स्वास्थ्य, पोषण आहार तथा बच्चों की साफ–सफाई (बाल, नाखून, कपडे, बैग, जूते आदि) बिन्दुओं को विषय का केन्द्र मानकर आंगनवाड़ियों में प्रत्येक बिन्दु को 10–10 अंको का आधार मानते हुए कुल 50 अंको के मध्य स्थापित करते हुए प्रतियोंगिता का आयोजन हुआ। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच स्वच्छता को प्रोत्साहन देना था तथा उन्हें गंदगी से होनें वाली बीमारियों जैसे हैजा, मलेरिया, चेचक आदि एवं उनके होने के कारणों तथा उनसे बचने के उपायों के बारे में जागरुक करना था।

विश्वविद्यालय के विद्याशाखाओं द्वारा गोद लियें गॉवों एवं आंगवाड़ियों में संचालित प्रतियोंगिताओं में सहयोग करने हेतु महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से दो–दो सदस्यों के समूह ने प्रत्येक विद्याशाखा द्वारा संचालित कार्यक्रम तिथियों में उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया। समूहों में विज्ञान विद्याशाखा में डॉ. दीपा चौबे एवं डॉ दीपमाला गुप्ता, मानविकी विद्याशाखा में डॉ. अतुल कुमार मिश्रा एवं डॉ. सफीना समावी, शिक्षा विद्याशाखा में डॉ. धर्मवीर सिंह एवं श्री राजेश गौतम, समाज विज्ञान विद्याशाखा में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं डॉ. अनिल कुमार यादव तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा में डॉ. आर.पी. सिंह एवं डॉ. अब्दुल रहमान ने महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र की ओरं से अपना सहयोग प्रदान किया। साथ अन्य शेष सदस्यों ने विश्वविद्यालय कें अलग–अलग समितियों एवं कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान किया।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा इस प्रकार की प्रतियोंगिताओं के आयोजन का उद्देश्य बच्चों में चित्रकला, देश प्रेम, पर्यावरण, एवं अपने साहसिक अतीत के गौरव को जानने के बारे में प्रोत्साहित करना था। इससे बच्चों के मानसिक विकास के साथ–साथ अपने हुनर एवं प्रतिभा को भी निखारने का मौका मिलता है। केन्द्र का मानना है कि प्रत्येक बच्चों में किसी न किसी प्रकार की एक विशेष योग्यता अवश्य होती है, जो कभी–कभी किसी कारण संकोच व अन्य किसी वजह से उभरकर सामने नही आ पाती जिससे बच्चों की प्रतिभा छुपी रह जाती है। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने तथा समुचित विकास का अवसर प्राप्त होता है।

आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

दीक्षोत्सव-2025
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

दीक्षोत्सव-2025
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

Gohari, Uttar Pradesh, India

Numbers
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh,
India

Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

दीक्षोत्सव-2025
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

दीक्षोत्सव-2025
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

LEARNING
CORNER
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

Prayagraj, Uttar Pradesh, India

Lawayan Khurd, Uttar Pradesh,
India

दीक्षोत्सव-2025
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

दीक्षोत्सव-2025
Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

Lawayan Khurd, Uttar Pradesh,
India

Prayagraj, Uttar Pradesh, India

Lawayan Khurd, Uttar Pradesh, India

Gohari, Uttar Pradesh, India

Gohari, Uttar Pradesh, India

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
दीक्षोत्सव-2025
Gohari, Uttar Pradesh, India
Bari, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
उच्च प्राथमिक विद्यालय

Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India
Gohari, Uttar Pradesh, India

दिनांक– 07 / 08 / 2025

सेवा में,

निदेशक / प्रभारी
विज्ञान / मानविकी / शिक्षा / समाज विज्ञान / स्वास्थ्य विज्ञान
उ.प्र.रा.ट.मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

विषयः– कुलसचिव के पत्रांक ओ.यू./765 द्वारा जारी अधिसूचना के संदर्भ में।

महोदय,

उपरोक्त पत्रांक के अनुक्रम अवगत कराना है कि दीक्षोत्सव 2025 से सम्बन्धित अधिसूचना के क्रम में विद्याशाखावार महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सदस्यों की सूची निम्नवत् प्रस्तुत है। कृपया विद्याशाखा के समस्त निदेशक / प्रभारी अपने स्तर से महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सदस्यों को समय बताते हुए संपर्क स्थापित कर अपने साथ ले जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

क्र.सं.	विद्याशाखा	सदस्यों के नाम
1	विज्ञान विद्याशाखा	डॉ. दीपा चौबे एवं डॉ. दीपमाला गुप्ता
2	मानविकी विद्याशाखा	डॉ. अतुल कुमार मिश्रा एवं डॉ. सफीना सामवी
3	शिक्षा विद्याशाखा	डॉ. धर्मवीर सिंह एवं श्री राजेश गौतम
4	समाज विज्ञान विद्याशाखा	डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं डॉ. अनिल कुमार यादव
5	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	डॉ. आर.पी. सिंह एवं डॉ. अब्दुल रहमान

भवदीया

For

प्रभारी महिला अध्ययन एवं
विस्तारित गतिविधि केन्द्र

प्रतिलिपिः

1. महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सदस्यगण।
2. सम्बन्धित निदेशक एवं प्रभारी, उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. कुलसचिव, उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. निदेशक सीका , उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
5. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को अनुशासनादेश प्रदान करते हुए कुलपति प्रो० सत्यकाम

दीक्षान्त समारोह में छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण करती हुई माननीय राज्यपाल उ0 प्र0 एवं कुलाधिपति जी, माननीय विशिष्ट अतिथिगण, कुलपति जी एवं कुलसचिव

मुक्त चिन्तन

इस अवसर पर गोद लिए गांव से एक स्कूली बच्चे सृष्टि शुक्ला ने राज्यपाल के समक्ष महिला सशक्तिकरण पर उद्बोधन प्रस्तुत किया।

महिला सशक्तिकरण पर उद्बोधन प्रस्तुत करती हुई सृष्टि शुक्ला

इस बार राज्यपाल के निर्देश पर दीक्षान्त समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक/जूनियर विद्यालयों तथा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भाषण, चित्रकला एवं कहानी कथन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांवों में प्रतिभागियों ने प्रतियोगिताओं में काफी रुचि दिखाई। प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाने वाले विजेताओं परी सिंह, अंश, अनामिका पटेल, सृष्टि शुक्ला, अन्तिमा पटेल, तमन्ना भारतीया, अदिति मौर्या, सूरज साहू, जान्हवी, पीहू, श्रेया पटेल, सेजल मौर्य, निहारिका, मोहिनी पटेल, अर्निका मौर्या, आराध्या साहू, गुंजन, रिमझिम, राम रतन, अमित सरोज, प्रिंसी पटेल, आयुषी तिवारी तथा सिमर साहू को दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलाधिपति के द्वारा किट भेंट किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से किट भे। करती हुई माननीया कुलाधिपति जी

गोद लिए हुए गाँवों में आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रथम तीन विजेता बच्चों का विवरण

भाषण प्रतियोगिता

कक्षा समूह (03-05)

प्रथम	:	परी सिंह	(कक्षा -04)	पी0एम0 श्री प्रा0 वि0 मोहनगंज, गोहरी
द्वितीय	:	अंश	(कक्षा -05)	प्रा0 वि0, चाँटी
तृतीय	:	अनामिका पटेल	(कक्षा -04)	प्रा0 वि0, घूसुरपुर

कक्षा समूह (06-08)

प्रथम	:	सृष्टि शुक्ला	(कक्षा -08)	उच्च प्रा0 वि0, चाँटी
द्वितीय	:	अन्तिमा पटेल	(कक्षा -06)	उच्च प्रा0 वि0, चाँटी
तृतीय	:	तमन्ना भारतीया	(कक्षा -07)	कॉम्पोजिट विद्यालय कन्या, गोहरी

कक्षा समूह (09-10)

प्रथम	:	अदिति मौर्या	(कक्षा -10)	रा0 उच्चतर मा0 वि0, गोहरी
द्वितीय	:	सूरज साहू	(कक्षा -9)	रा0 उच्चतर मा0 वि0, गोहरी

चित्र कला प्रतियोगिता

कक्षा समूह (03-05)

प्रथम	:	जाह्नवी	(कक्षा -04)	पी0एम0 श्री प्रा0 वि0 मोहनगंज, गोहरी
द्वितीय	:	पीहू	(कक्षा -03)	प्रा0 वि0, बेचू का पूरा
तृतीय	:	श्रेया पटेल	(कक्षा -05)	कम्पोजिट वि0, लेहरा तिवारीपुर

कक्षा समूह (06-08)

प्रथम	:	संजल मौर्या	(कक्षा -08)	उ0प्रा0वि0, बारी
द्वितीय	:	निहारिका	(कक्षा -07)	कॉम्पोजिट विद्यालय कन्या, गोहरी
तृतीय	:	सृष्टि शुक्ला	(कक्षा -08)	उच्च प्रा0 वि0, चाँटी

कक्षा समूह (09-10)

प्रथम	:	मोहिनी पटेल	(कक्षा -10) रा0 उच्चतर मा0 वि0, गोहरी
द्वितीय	:	अर्निका मौर्या	(कक्षा -9) रा0 उच्चतर मा0 वि0, गोहरी

कहानी कथन

कक्षा समूह (03-05)

प्रथम	:	आराध्या साहू	(कक्षा -05) प्रा0वि0, बारी
द्वितीय	:	गुंजन	(कक्षा -05) कम्पोजिट वि0, लेहरा तिवारीपुर
तृतीय	:	रिमझिम	(कक्षा -05) प्रा0वि0, बरबोली, बारी
		एवं रामरतन	(कक्षा -05) प्रा0वि0, घूसुरपुर

कक्षा समूह (06-08)

प्रथम	:	अमित सरोज	(कक्षा -07) कॉम्पोजिट विद्यालय कन्या, गोहरी
द्वितीय	:	सृष्टि शुक्ला	(कक्षा -08) उच्च प्रा0 वि0, चाँटी
तृतीय	:	प्रिन्सी पटेल	(कक्षा -08) उच्च प्रा0 वि0, चाँटी

कक्षा समूह (09-10)

प्रथम	:	आयूषी तिवारी	(कक्षा -9) रा0 उच्चतर मा0 वि0, गोहरी
द्वितीय	:	सिमर साहू	(कक्षा -10) रा0 उच्चतर मा0 वि0, गोहरी

''वृक्षारोपण कार्यक्रम''

दिनांकः 18 सितम्बर, 2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

कृषि विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

‘वृक्षारोपण कार्यक्रम’

18 सितम्बर, 2025

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

समन्वयक

श्री कर्नल विनय कुमार
कुलसचिव
उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सह–समन्वयक

श्री उमेश पाण्डेय
उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

वृक्षारोपण कार्यक्रम
18 सितम्बर 2025

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समन्वयक

श्री कर्नल विनय कुमार
कुलसचिव
उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक
प्रो. श्रुति,
प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम प्रबन्धक

श्री उमेश पाण्डेय
उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र समिति

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अनिल कुमार यादव, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा व श्री अमित शर्मा

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन
2. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–2)
3. निर्गत सूचना पत्र (परिशिष्ट–3)
4. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)

''वृक्षारोपण कार्यक्रम''

कार्यक्रम प्रतिवेदन

दिनांक 18 सितम्बर 2025 को कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सभी सदस्यों ने सक्रिय रुप से प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वृक्षारोपण कार्यक्रम का प्रारम्भ माननीय कुलपति ने गंगा परिसर के प्रशासनिक भवन में पौधा लगाकर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया जाय, जिससे न केवल उनको बल्कि भारत देश को विश्व गुरु बनाने तथा विकसित देशों की श्रेणी में लाने के उनके दृढ़ संकल्प को भी पूरा करने में सहायता मिलेगी।

वृक्षारोपण के दौरान उन्होंने वहाँ पर उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को एक–एक पौधरोपण एवं उनकी रक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होनें कहा कि प्रत्येक कर्मचारी जो पौधरोपण कर रहे हैं समय–समय पर अपने लगाये पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल प्रकृति को बचाने में तथा पर्यावरण को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव

कर्नल विनय कुमार ने भी वहाँ उपस्थित होकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए माननीय कुलपति जी के साथ वृक्षारोपण किया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने सरस्वती परिसर स्थित शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर वृक्षारोपण किया। उनके साथ विद्याशाखा के सहायक आचार्य एवं कर्मचारीगण आदि ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। संयोजक ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण की रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं साथ ही यह भी बताया कि पारिस्थतिकीय तंत्र को संतुलित बनाये रखने में वृक्ष अत्यन्त आवश्यक हैं। पौधों की उपस्थिति हमारे मानसिक तनाव के स्तर को कम करती है तथा

उसका शांत वातावरण मानसिक स्वस्थ के लिए लाभदायक है। अतः हम सभी को वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण

कार्य करते रहने चाहिए। कार्यक्रम प्रबन्धक श्री उमेश पाण्डेय ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित सभी के प्रति धन्यवाद् ज्ञापित किया साथ ही उन्होंने भी माननीय कुलपति एवं कुलसचिव महोदय के साथ वृक्षारोपण किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति, कुलसचिव एवं कार्यक्रम समन्वयक श्री कर्नल विनय कुमार, शोध निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, इरफान, संतोष यादव, आदि के साथ–साथ परीक्षा अनुभाग के श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी, श्री अभिमन्यु, श्री सौरभ गुप्ता, श्री गौरव शुक्ला तथा विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की झलकियाँ

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 1023/2025 दिनॉक : 18-09-2025

सूचना

एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/विद्याशाखा प्रभारियों/अधिकारियों/शिक्षकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों/शोध छात्रों को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 75वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत जन्मोत्सव पखवारे (17 सितम्बर, 2025से 02 अक्टूबर, 2025 तक) का आयोजन इस विश्वविद्यालय में निम्नलिखित विवरण के अनुसार होना सुनिश्चित हुआ है :–

क्र.सं.	कार्यक्रम विवरण	दिनॉक	समन्वयक
1.	क्षय रोगियों को पुष्टाहार वितरण	17 सितम्बर, 2025	प्रो. मीरा पाल
2.	वृक्षारोपण (यमुना परिसर में 75 वृक्षों का रोपण)	18 सितम्बर, 2025	प्रो. श्रुति एवं श्री उमेश पाण्डेय
3.	महिला शिक्षा की चुनौतियाँ विषय पर वेबिनार/सेमीनार	19 सितम्बर, 2025	प्रो. पी.के. स्टालिन
4.	योग कार्यक्रम (अपराह्न 1:00 बजे)	20 सितम्बर, 2025	श्री अमित सिंह
5.	भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर वेबिनार/सेमीनार	22 सितम्बर, 2025	प्रो. विनोद कुमार गुप्त
6.	रक्तदान शिविर	23 सितम्बर, 2025	प्रो. मीरा पाल
7.	स्वास्थ्य परीक्षण शिविर	24 सितम्बर, 2025	प्रो. मीरा पाल
8.	काव्य पाठ	25 सितम्बर, 2025	प्रो. सत्यपाल तिवारी
9.	अनाथाश्रम में वांछित सामग्री वितरण	26 सितम्बर, 2025	डॉ. सुनील कुमार एवं डॉ. सुरेन्द्र कुमार
10.	योग कार्यक्रम (अपराह्न 1:00 बजे)	27 सितम्बर, 2025	श्री अमित सिंह
11.	डिजिटल भारत विषय पर वेबिनार/सेमीनार	29 सितम्बर, 2025	प्रो. आशुतोष गुप्ता
12.	वृद्धाश्रम मे वांछित सामग्री वितरण	30 सितम्बर, 2025	प्रो. जे.पी. यादव
13.	कन्या भोज	01 अक्टूबर, 2025	समस्त निदेशक एवं प्रभारी, विद्याशाखा
14.	स्वच्छता अभियान	02 अक्टूबर, 2025	डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी

अतः कृपया तदनुसार उक्त आयोजन में प्रतिभाग करने का कष्ट करें। साथ ही सम्बन्धित कार्यक्रम के समन्वयकों से अपेक्षा की जाती है कि आयोजन के उपरान्त कार्यक्रम सम्बन्धी जी.ओ. टैग फोटो एवं कार्यक्रम आख्या उक्त कार्यक्रमों के नोडल प्रभारी, प्रो. पी.के. पाण्डेय जी को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./ 1023(1)/2025 तद्दिनॉक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. सम्बन्धित कार्यक्रमों के समन्वयकगण।
2. प्रो. पी.के. पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा/नोडल प्रभारी, सम्बन्धित कार्यक्रम।
3. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/विद्याशाखा प्रभारियों/अधिकारियों को इस आशय से प्रेषित कि कृपया अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग/प्रकोष्ठ से सम्बन्धित शिक्षकों/परामर्शदाताओं /कर्मचारियों /शोध छात्रों को उक्त सूचना के सम्बन्ध में अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
4. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
5. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीया कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

18 सितम्बर, 2025

प्रधानमंत्री के 75वें जन्मोत्सव अन्तर्गत जन्मोत्सव पखवारा कार्यक्रम के तहत मुक्त विश्वविद्यालय वृक्षा रोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मोत्सव अन्तर्गत जन्मोत्सव पखवारा कार्यक्रम के तहत दिनांक 18 सितम्बर, 2025 को विश्वविद्यालय के गंगा/यमुना परिसर में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देशानुसार 75 वृक्षों का रोपण विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मोत्सव अन्तर्गत जन्मोत्सव पखवारा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों में वृक्षा रोपण कार्यक्रम चलेगा।

वृक्षा रोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 713 /2024 दिनांक 12-08-2024

अधिसूचना

विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./1066/2022 दिनांक 20-09-2022 द्वारा निर्गत अधिसूचना के अन्तर्गत गठित **महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र** को एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार अतिक्रमित करते निम्नानुसार पुनर्गठित किया जाता है –

1. प्रो. श्रुति, प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा – प्रभारी
2. डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा – सह–प्रभारी
3. डॉ. साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा – सहायक प्रभारी
4. डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर/सहा. निदेशक, समाज विज्ञान वि.शा. – सहायक प्रभारी
5. डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
6. डॉ. स्मिता अग्रवाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
7. डॉ. आर.पी. सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
8. डॉ. धर्मवीर सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
9. डॉ. दीपा चौबे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
10. श्री राजेश कुमार गौतम, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
11. डॉ. अनिल कुमार यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
12. डॉ. दीपमाला गुप्ता, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./713(1)/2024 तद्दिनॉक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. उपरोक्तानुसार पुनर्गठित समिति के सदस्यगण।
2. प्रो. रुचि बाजपेई, प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा को इस आशय से प्रेषित कि वे महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र का सम्पूर्ण प्रभार समस्त अभिलेखों/सामग्रियों सहित प्रो. श्रुति को हस्तगत कराने का कष्ट करें।
3. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक/प्रभारी/अधिकारी।
4. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Scanned with Oken Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./6880 /2024 दिनांक 06–09–2024

अधिसूचना

विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./713/2024 दिनांक 12–08–2024 द्वारा निर्गत अधिसूचना के अन्तर्गत गठित **महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र** में एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार निम्नलिखित सदस्य अतिरिक्त रूप से नामित किये जाते है –

1. डॉ. अब्दुल रहमान, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
2. डॉ. सफीना सामवी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा),, मानविकी विद्याशाखा – सदस्य

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./6880(1)/2024 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. डॉ. अब्दुल रहमान, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा), मानविकी विद्याशाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. डॉ. सफीना सामवी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा),, मानविकी विद्याशाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव